दैनिक
सुप्रभात रायपुर
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार

▸ संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 26 ▸ अंक : 64 रायपुर, सोमवार, 16 मार्च 2026 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ` 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 वन आधारित अर्थव्यवस्था ...
E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444
वेब सीरीज संकल्प में ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

जम्मू-कश्मीर के उरी में पाकिस्तान का आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर। सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए पाकिस्तान के एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, घुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था।

इसमें कहा गया है कि सैनिकों ने झाड़ियों में एक आतंकवादी की संदिग्ध गतिविधि देखी। सेना ने कहा कि घात को फिर से समायोजित किया गया और आतंकवादी को चुनौती दी गई जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इसमें एक पाक आतंकवादी को मार गिराया गया। एक एके राइफल, पिस्तौल और बड़ी मात्रा में गोला-बारूद सहित युद्ध सामग्री बरामद की गई है।

वहीं न्यूनतम तापमान के मामले में अंबिकापुर सबसे ठंडा रहा, जहां तापमान करीब 13.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि राज्य में मार्च के दूसरे और तीसरे पखवाड़े में गर्मी और तेज हो सकती है। कई जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना जताई गई है।

गढ़फुलझर नानकसागर में होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

गढ़फुलझर नानकसागर बनेगा आस्था और पर्यटन का प्रमुख केंद्र : मुख्यमंत्री

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रविवार को महासमुंद जिले के बसना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक एवं पवित्र स्थल गढ़फुलझर के नानकसागर में आयोजित होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने यहां पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष माथा टेका तथा विशेष कीर्तन समागम और अरदास में भाग लेकर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सिख समाज की ओर से मुख्यमंत्री को सरोपा भेंट कर आत्मीय सम्मान किया गया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि गढ़फुलझर की पावन धरती स्थित नानकसागर अत्यंत श्रद्धा और आस्था का केंद्र है, जहां पूज्य गुरु नानक देव जी के चरण पड़े हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ संतों की तपोभूमि रही है, जहां अनेक महान संतों ने मानवता, सेवा और सद्भाव का संदेश दिया है। इस पवित्र स्थल पर आकर उन्हें अत्यंत गर्व और आत्मिक आनंद की अनुभूति हो रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सभी प्रमुख तीर्थस्थलों के संरक्षण और समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में गढ़फुलझर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। इसके विकास कार्यों के लिए लगभग 2 करोड़ 50 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है और निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन कार्यों को शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा नानकसागर क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाए, जिससे यह स्थल प्रदेश और देश के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन सके।

बसना विधायक संपत अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि सिख समाज सदैव संगठन, सेवा और सामाजिक समरसता की भावना के साथ आगे बढ़ने वाला समाज रहा है।

उन्होंने कहा कि गढ़फुलझर न केवल सिख समाज की आस्था का केंद्र है, बल्कि यह सर्वधर्म समभाव और सद्भावना की जीवंत मिसाल भी है।

कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, बसना विधायक संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह सवन्नी, छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा सहित सिख समाज के अनेक गणमान्यजन और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

लोकसभा अध्यक्ष की निष्पक्षता और धैर्य की प्रधानमंत्री ने की सराहना

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव खारिज होने के बाद उनके धैर्य, संयम और निष्पक्षता की सराहना की। उन्होंने कहा कि सदन के संचालन के दौरान बिरला ने संसदीय मर्यादा और नियमों का पालन करते हुए संतुलित भूमिका निभाई। इस पत्र पर ओम बिरला ने प्रधानमंत्री का धन्यवाद दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र भी लिखकर कहा कि सदन ने अविश्वास प्रस्ताव को अस्वीकार करके लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और संसदीय परंपराओं के प्रति स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने बिरला के उस वक्तव्य की भी प्रशंसा की, जिसमें उन्होंने संसदीय इतिहास, अध्यक्ष की जिम्मेदारियों और नियमों की सर्वोच्चता पर जोर दिया था। प्रधानमंत्री ने इसे संतुलित और धैर्यपूर्ण बताया।

प्रधानमंत्री ने पत्र में कहा कि लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन असहमति और असम्मान में अंतर होना चाहिए। संसद संवाद, तर्क और विचार-विमर्श का सर्वोच्च मंच है और यहां युवाओं, महिलाओं और सभी वर्गों की आवाज को स्थान मिलना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने बिरला की कार्यशैली और सार्वजनिक जीवन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की भी सराहना की। उन्होंने राजस्थान के कोटा में एयरपोर्ट परियोजना के शिलान्यास में उनकी सक्रिय भूमिका का भी उल्लेख किया और कहा कि वह अपने संसदीय क्षेत्र और राष्ट्रीय जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाकर काम कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के पत्र पर ओम बिरला ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी में संसदीय लोकतंत्र के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं के प्रति गहरा सम्मान है। यह पत्र सार्वजनिक जीवन में उच्च नैतिक मूल्यों का उदाहरण है और सभी सांसदों के लिए प्रेरणादायक है।

उन्होंने कहा कि आपका यह संदेश दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर संसद, राज्य विधानमंडल तथा स्थानीय निकायों के सभी जनप्रतिनिधियों को प्रेरित करेगा और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों तथा संविधान सभा के सदस्यों द्वारा स्थापित लोकतंत्र के सशक्त नैतिक आधार को और सुदृढ़ करेगा।

रायपुर लोकसभा क्षेत्र में विकास को मिली नई गति

सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रयासों से 20.76 करोड़ के 189 कार्य स्वीकृत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को लेकर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल निरंतर सक्रिय और प्रतिबद्ध हैं। उनके सतत प्रयासों और अनुशंसा के फलस्वरूप रायपुर जिले के सभी विधानसभाओं, रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण, रायपुर पश्चिम, रायपुर ग्रामीण, अभनपुर, आरंग और धरसींवां विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों एवं शहर के वार्डों में जनसुविधाओं के विस्तार के लिए 2076 लाख रुपए की लागत से 189 विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

इन कार्यों में सीसी रोड और नाली निर्माण, सामुदायिक भवन एवं सभा कक्ष का निर्माण, बाउंड्री वॉल निर्माण, स्कूलों में स्मार्ट कक्ष और वाटर कूलर की व्यवस्था, खेल मैदानों का समतलीकरण तथा शौचालय निर्माण जैसे अनेक जनहितकारी कार्य शामिल हैं। इन विकास कार्यों से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि रायपुर लोकसभा क्षेत्र के विकास और जनता की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की जो गति बनी है, उसी संकल्प के साथ रायपुर क्षेत्र में भी निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना ही सुशासन की पहचान है। स्वीकृत इन कार्यों से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिलेंगी और सामाजिक तथा शैक्षणिक अधोसंरचना को भी मजबूती मिलेगी।

क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने इन विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में लगातार विकास की नई इबारत लिखी जा रही है।

11 हार्डकोर माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी, भुनेश्वर

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान में ओडिशा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कालाहांडी जिला मुख्यालय भवानीपटना की रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार को आयोजित विशेष कार्यक्रम में 11 हार्डकोर माओवादियों ने पुलिस महानिदेशक वाई बी खुरानिया के सामने हथियार डाल दिए।

आत्मसमर्पण करने वालों में नकुल नामक माओवादी भी शामिल है, जो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की ओडिशा राज्य समिति का डिविजनल कमेटी सदस्य था और जिस पर 22 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले समूह में एक डिविजनल कमेटी सदस्य, पांच एरिया कमेटी सदस्य और पांच पार्टी सदस्य शामिल हैं। इन सभी पर कुल मिलाकर 63.25 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीजीपी ने कहा कि आत्मसमर्पण के साथ इन माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया।यह आत्मसमर्पण क्षेत्र में माओवादी विचारधारा के कमजोर पड़ने का स्पष्ट संकेत है। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विशेष अभियान चला रही सुरक्षा एजेंसियों-स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, जिला स्वयंसेवी बल, सीआरपीएफ और बीएसएफ को दिया।

उन्होंने आश्वासन दिया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत वित्तीय सहायता, कौशल प्रशिक्षण और पुनर्वास की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें।

अयोध्या में एक और ऐतिहासिक उत्सव की तैयारी

19 मार्च को राम मंदिर में राष्ट्रपति करेंगी श्रीराम यंत्र की स्थापना

एजेंसी, अयोध्या

रामनगरी अयोध्या में एक बार फिर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में 19 मार्च को श्रीराम यंत्र की विधिवत स्थापना होगी। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह कार्यक्रम चैत्र नवरात्र के पहले दिन यानी वर्ष प्रतिपदा के शुभ अवसर पर आयोजित हो रहा है, जो हिंदू नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस आयोजन को अत्यंत भव्य बनाने की रूपरेखा तैयार की है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पतराय ने बताया कि श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। वर्तमान में इस यंत्र की राजा राम के समक्ष नियमित पूजा-अर्चना चल रही है। दो दिन बाद अर्थात 19 मार्च तक यह यंत्र राम मंदिर के दूसरे तल पर पहुंच जाएगा। इसकी स्थापना के नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुके हैं, जिनमें दक्षिण भारत, काशी और अयोध्या के विद्वान आचार्य शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग सात हजार लोग इस ऐतिहासिक समारोह में मौजूद रहेंगे। इसमें उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मंदिर निर्माण कार्यों में महती भूमिका निभाने वाले भी शामिल होंगे।

ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सुबह करीब 11 बजे अयोध्या पहुंचेंगी। वे राम मंदिर परिसर में प्रवेश कर श्रीराम यंत्र की पूजन-अर्चना करेंगी। अभिजीत मुहूर्त में ठीक 11:55 बजे यंत्र की स्थापना का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। पूजन के बाद वे प्रसाद ग्रहण करेंगी और भोजन के पश्चात वापस रवाना होंगी। यहां पहुंचने पर राष्ट्रपति मुर्मु के पहुंचने पर राज्य की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनका स्वागत करेंगे। राष्ट्रपति मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच इस पवित्र कार्य में भाग लेंगी।

6 राज्यों में 8 सीटों पर उपचुनाव भी, नतीजे 4 मई को

पश्चिम बंगाल सहित 5 राज्यों के विस चुनाव कार्यक्रम घोषित

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने रविवार को पांच राज्यों में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की है। पुडुचेरी, केरल और असम में 09 अप्रैल को एक चरण में मतदान होगा। वहीं तमिलनाडु में एक चरण में 23 अप्रैल और पश्चिम बंगाल में दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को मतदान होगा। सभी के नतीजे 04 मई को आयेंगे।

असम, पुडुचेरी और केरल की सभी 126, 30 और 140 सीटों पर 16 मार्च को अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 मार्च है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 24 मार्च को की जाएगी। उम्मीदवार 26 मार्च तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

तमिलनाडु की सभी 234 सीटों और पश्चिम बंगाल में पहले चरण की 152 सीटो पर 30 मार्च को अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 06 अप्रैल है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 07 अप्रैल को की जाएगी। उम्मीदवार 09 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटो पर 02 अप्रैल अधिसूचना जारी होगी, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 09 अप्रैल है, जबकि नामांकन पत्रों की जांच 10 अप्रैल को की जाएगी। उम्मीदवार 13 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस ले सकेंगे।

इसके अलावा आयोग ने आज गोवा की पोंडा, गुजरात की उमरेठ, कर्नाटक की बागलकोट और दावणगेरे साउथ, महाराष्ट्र की राहुरी और बारामती, नगालैंड की कोरिडांग (एसटी) तथा त्रिपुरा की धर्मनगर पर उपचुनाव की घोषणा की है। इन सभी सीटों पर संबंधित विधायकों के निधन के कारण रिक्ति उत्पन्न हुई है, जिसके चलते निर्वाचन आयोग द्वारा उपचुनाव कराया जाएगा। इनमें से गुजरात और महाराष्ट्र की सीटों पर 23 अप्रैल और बाकी सभी सीटों पर 09 अप्रैल को मतदान होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ दिल्ली में आज चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से जुड़ी पत्रकार वार्ता की। इसमें कुमार ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही इन सभी जगह पर आदर्श आचार संहिता लग गई है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग नियम और व्यवस्था के तहत काम करता है और आचार संहिता लगने से पूर्व लिए गए सरकारी फैसलों और राजनीतिक बयानों से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

भक्त माता कर्मा भक्ति और समर्पण की प्रतीक, साहू समाज ने भक्ति की शक्ति से ली प्रेरणा : उप मुख्यमंत्री साव

लोरमी (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री अरुण साव शनिवार को केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू जी के साथ ग्राम रहंगी और हरदी बांध में आयोजित भक्त माता कर्मा जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए। श्री साव ने रहंगी में 7 लाख रुपए की लागत बनने वाले सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। इसके अलावा ग्राम लाखासार में हाईस्कूल शाला भवन का भूमिपूजन कार्यारंभ किया। यह भवन 75 लाख रुपए से बनकर तैयार होगा। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने तीनों गांव में विकास कार्यों के लिए 20 लाख रुपए देने की घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने भक्त माता कर्मा जी को श्रद्धापूर्वक नमन कर उनके तप और तपस्या के आदर्शों को स्मरण किया। इस अवसर पर समाजजनों के साथ माता कर्मा जी को नमन कर उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।साथ ही रहंगी गांव में सामाजिक गतिविधियों के संचालन के लिए सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया।

श्री साव ने लाखासार में शासकीय हाईस्कूल शाला भवन का कार्यारंभ किया।

इसके बाद ग्राम में जनचौपाल आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित समाधान के लिए निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने सामाजिक जनों को संबोधित करते हुए कहा कि,भक्ति और समर्पण की प्रतीक भक्त माता कर्मा का जीवन हमें समाज सेवा की प्रेरणा देता है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा और समर्पण भारतीय संस्कृति में भक्ति का अद्भुत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि, लोरमी क्षेत्र के विकास और ग्रामीणों की सुविधाओं को बेहतर बनाने हमारी सरकार प्रतिबद्धता से काम कर रही है। गांवों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर जनजीवन को सुगम और सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में एआई आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम की स्थापना

भिलाई स्थित पी.पी.यार्ड में एआई आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम स्थापित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रेल परिचालन को और अधिक संरक्षित, कुशल एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा निरंतर आधुनिक तकनीकों को अपनाया जा रहा है। इसी क्रम में भिलाई स्थित पी.पी. यार्ड में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित वैगन डैमेज डिटेक्शन सिस्टम की सफलतापूर्वक स्थापना एवं कमीशनिंग की गई है।

इस अत्याधुनिक प्रणाली का उद्देश्य यार्ड परीक्षण के लिए आने वाली मालगाड़ियों के वैगनों में होने वाली भौतिक क्षतियों की शीघ्र एवं सटीक पहचान करना है, जिससे मरम्मत कार्य को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके तथा रेल संरक्षा को सुदृढ़ किया जा सके।

यह एआई आधारित प्रणाली मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के माध्यम से वैगनों में होने वाली विभिन्न प्रकार की भौतिक क्षतियों की पहचान करती है। इसके अंतर्गत वैगनों में डोर की कमी, क्षतिग्रस्त दरवाजे, अवशिष्ट माल (रेजिडुअल कंसाइनमेंट), फर्श की शीट का अभाव, बॉडी पैनल की कमी आदि जैसे दोषों का स्वत: पता लगाया जा सकता है। किसी भी रेक के यार्ड में प्रवेश करने और सिस्टम से गुजरने के पश्चात यह प्रणाली स्वचालित रूप से प्रत्येक वैगन नंबर के साथ चिन्हित दोषों की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर देती है।

इस प्रणाली में उच्च गुणवत्ता वाले हाई–डेफिनिशन मशीन विज़न कैमरों (06 इकाइयाँ), विशेष प्रकाश स्रोत तथा एक समर्पित सर्वर रूम की व्यवस्था की गई है। कैमरों द्वारा प्राप्त चित्रों एवं संकेतों को सर्वर पर प्रोसेस कर विश्लेषण किया जाता है, जिसके आधार पर प्रत्येक वैगन की स्थिति का विस्तृत एवं सटीक रिपोर्ट तैयार किया जाता है।

एआई आधारित यह प्रणाली यार्ड में पारंपरिक निरीक्षण प्रक्रिया प्रारंभ होने से पूर्व ही वैगनों में संभावित क्षतियों का समग्र अवलोकन उपलब्ध कराती है। इससे यार्ड परीक्षण के दौरान दोषों की पहचान, मरम्मत की योजना बनाने तथा आवश्यक सुधार कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने में सहायता मिलती है।

नन्हे सितारों के लिए बड़ा मंच: टैलेंट शोकेस

गाला सीजन-4 का आयोजन 12 अप्रैल को

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पिछले सीज़न की शानदार सफ़लता के बाद अब बच्चों की प्रतिभा को एक बार फ़िर मंच देने के लिए टैलेंट शोकेस गाला सीज़न–4 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम unify और One Stop Digital Marketing के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है।

यह भव्य आयोजन 12 अप्रैल, रविवार को Avinash Magneto Mall में दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे।

टैलेंट शोकेस गाला सीज़न–4 में बच्चों के लिए डांसिंग, फैशन शो और ड्रॉइंग जैसी आकर्षक प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी, जहां बच्चे अपनी कला, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को मंच पर प्रस्तुत कर सकेंगे। यह मंच न केवल बच्चों की प्रतिभा को पहचान दिलाने का अवसर देगा, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने का काम करेगा।

आयोजकों के अनुसार, टैलेंट शोकेस गाला सीज़न–3 को बच्चों और अभिभावकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। उसी उत्साह और ऊर्जा को आगे बढ़ाते हुए इस बार सीज़न–4 को और भी बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक बच्चों को अपनी प्रतिभा को पेश करने का अवसर मिल सकें।

भाजपा सदैव मूल्य आधारित राजनीति करती है : अशोक बजाज

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक सिद्धांतवादी राजनीतिक दल है और सदैव मूल्य आधारित राजनीति को प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एकात्म मानव दर्शन की विचारधारा को आत्मसात किया है, जिसकी जड़ें भारत की प्राचीन सभ्यता और संस्कृति में निहित हैं। यह विचारधारा आधुनिकता, विज्ञान, तकनीक और लोकतंत्र के साथ समन्वय स्थापित करती है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत मंदिर हसौद मंडल का दो दिवसीय कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग कौशल्या माता मंदिर के समीप स्थित कायस्थ भवन, चंदखुरी में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में पार्टी के कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, कार्य पद्धति और कार्यकर्ताओं की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अशोक बजाज के साथ संतोष शुक्ला, संचित तिवारी, अरविंद ठाकुर तथा राजेश साहू ने भी विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने भाजपा की संगठनात्मक रीति–नीति, कार्य प्रणाली और समाज में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता क्रमश: शोभाराम यादव, प्रतीक बैस, अशोक बंजारे, कुलेश्वर बैस तथा के. आर. साहू ने की।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष गोपाल वर्मा, श्रीमती ललिता कृष्णा वर्मा, अभिनेष बॉबी कश्यप सहित मंडल के पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रशिक्षण वर्ग के दौरान कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा पार्टी की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

सवा करोड़ सिन्धी सवा सौ करोड़ हिन्दुओं के धर्मगुरु शंकराचार्यों के संपर्क में शास्त्रसम्मत जीवन की मिसाल कायम करें : साईं मसन्द

सिंधी समाज के विख्यात सखी बाबा आसूदाराम आश्रम लखनऊ में हुआ साईं मसन्द का उद्बोधन

रायपुर / लखनऊ (प्रतिदिन राजधानी)

मसन्द सेवाश्रम रायपुर के पीठाधीश साईं जलकुमार मसन्द ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामीश्री अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती महाराज जी के साथ वाराणसी से लखनऊ की चार दिवसीय गौ माता प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध प्रचार यात्रा सम्पन्न होने के बाद 11 व 12 मार्च को दो दिन लखनऊ में सिंधी समाज के विख्यात धाम सखी बाबा आसूदाराम आश्रम में रहे।

आश्रम में साईं जलकुमार मसन्द का उद्बोधन कार्यक्रम रखा गया। सखी बाबा आसूदाराम आश्रम लखनऊ के हाल ही में ब्रह्मलीन हुए पूज्य संत साईं चाण्डूराम साहब के अनेक वर्षों से साईं मसन्द साहब से आत्मीय सम्बन्ध रहे हैं। साईं मसन्द साहब शंकराचार्य महाराज द्वारा स्थापित 108 देशों के अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू संगठन परम धर्म संसद 1008 के संगठन मंत्री भी हैं।

अपने उद्बोधन में साईं मसन्द साहब ने कहा कि सवा सौ करोड़ हिन्दुओं के सर्वोच्च धर्मगुरु शंकराचार्य हमें अपना जीवन वैदिक शास्त्रानुकूल जीने की राह रोशन करते हैं। वैदिक ज्ञान मानव जीवन को सुखमय व आनन्दमय बनाने हेतु उसकी जल, थल, नभ से सम्बंधित समस्त आवश्यकताओं की पूर्ति का दार्शनिक, वैज्ञानिक व व्यवहारिक उपाय प्रदान करता है।

साईं मसन्द साहब ने भारत के सवा करोड़ सिन्धियों को सवा सौ करोड़ हिन्दुओं के धर्मगुरु शंकराचार्यों के संपर्क में आकर अपना जीवन शास्त्रसम्मत जीने का परामर्श देते हुए सवा सौ करोड़ हिन्दुओं के बीच शास्त्रसम्मत जीवन की अनुकरणीय मिसाल कायम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हजारों वर्ष पूर्व की सिंधु घाटी की सभ्यता वाले सिंधी समाज की जीवन शैली सदैव से वैदिक शास्त्रानुकूल रही है।

उन्होंने भारत की समस्त सिंधी पंचायतों व समाजसेवी संस्थाओं से प्रत्येक मुहल्ले में रोज़ गीतापाठ एवं लोकसेवा करने हेतु केन्द्र स्थापित करने का आह्वान किया। साईं मसन्द साहब ने कहा कि श्रीमद् भगवत गीता में निष्काम भाव से कर्म करने की शिक्षा दी गई है जो वर्तमान में देश में व्याप्त स्वार्थ के दूषित माहौल के निराकरण हेतु देश की एक अति महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

इसके अलावा उन्होंने हर मुहल्ले में लोक सेवा केन्द्र स्थापित कर उसके माध्यम से केन्द्र, राज्य, स्थानीय शासन एवं लोकसेवी संस्थाओं की योजनाओं का लाभ सम्बंधित हितग्राहियों को दिलाने की मुहिम चलाने का भी आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह मुहिम देश के वास्तविक विकास के साथ–साथ सरकारी कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार कम होने में भी सहायक बनेगी।

सिंधी साहित्य अकादमी लखनऊ के पूर्व अध्यक्ष मुखी नानकचंद लखमाणी ने लखनऊ में सिंधी समाज द्वारा गीतापाठ एवं लोकसेवा केंद्र स्थापित कराने की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर आश्रम के वर्तमान पीठाधीश साईं हरीशलाल, आश्रम के सचिव किशनलाल, वरिष्ठ सेवादार भाई दर्शनलाल, मुखी सुदामचन्द चान्दवाणी, सुरेशलाल वलेचा आदि उपस्थित रहे।

नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध रायपुर पुलिस की कार्यवाही जारी

14 मार्च की रात्रि को फंसे 132 नशेड़ी वाहन चालक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर शहर में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रायपुर पुलिस कमिश्नरेट के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। डॉ संजीव शुक्ला पुलिस कमिश्नर और श्री विकास कुमार पुलिस उपायुक्त, यातायात एवं प्रोटोकॉल के निर्देशानुसार शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। शराब पीकर वाहन चलाने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है और वाहन ड्राइवर अपने जीवन के साथ–साथ दूसरे के जीवन के लिए भी खतरा पैदा करता है द्य

इसी क्रम में एम व्ही एक्ट की धारा 185 प्रावधानों के तहत शराब के नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष जनवरी से आज तक लगभग 1100 नशेड़ी वाहन चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की जा चुकी है, जिन्हें नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया।

इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 14 मार्च 2026 की रात्रि में एडिशनल डीसीपी श्री विवेक शुक्ला के नेतृत्व में शहर के आठ स्थानों पर यातायात थाना प्रभारी एवं यातायात पुलिस स्टॉफ के साथ विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाते हुए कुल 132 वाहन चालकों को पकड़ा गया, जिनके विरुद्ध चालान की कार्यवाही कर उन्हें सोमवार को माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा।

लोगों में भ्रांति है कि पुलिस कोई टारगेट पूरा करने अभियान चलाती है, जबकि यातायात पुलिस का यह अभियान सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया है कि शराब पीकर वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह स्वयं तथा अन्य लोगों के जीवन के लिए गंभीर खतरा भी है, अत: इस पर ज़ीरो टॉलरेंस की नीति जारी रहेगी।

यातायात पुलिस रायपुर सभी वाहन चालकों एवं नागरिकों से अपील करती है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभायें । यातायात पुलिस द्वारा शहर में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे विशेष अभियान आगे भी निरंतर चलाए जाते रहेंगे। ताकि सुरक्षित, अनुशासित और जिम्मेदार यातायात संस्कृति विकसित की जा सके।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफकॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने ट्रांसपोर्ट संघों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

रायपुर शहर में मालवाहक वाहनों पर प्रतिबंध से व्यापार ठप

प्रतिबंध के खिलाफ सभी व्यापारिक संघों ने जताया भारी विरोध

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दिनांक 14 मार्च 2026 को राजधानी के तेलीघानी नाका एवं फाफाडीह चैक जैसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्रों में शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध से उपजी समस्याओं को लेकर आज छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी एवं ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन के प्रतिनिधि मंडल की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में राजधानी गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन और छत्तीसगढ़ परचून ट्रांसपोर्ट संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों सहित 200 से अधिक ट्रांसपोर्टर उपस्थित रहे।

ट्रांसपोर्टरों और व्यापारियों ने साझा रूप से अपनी परेशानियां बताईं–जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान, कूलर, ए.सी. और अन्य जरूरी उत्पादों की डिलीवरी समय पर नहीं हो पा रही है। गोदामों तक माल नहीं पहुँचने के कारण व्यापारियों को भारी वित्तीय हानि हो रही है। रायपुर एक होलसेल मंडी है जहाँ से पूरे प्रदेश में माल जाता है। प्रतिबंध के कारण 90 प्रतिशत माल की आवाजाही रुक गई है, लोडिंग–अनलोडिंग के लिए प्रशासन द्वारा कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं दी गई है।

बैठक को संबोधित करते हुए चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि, व्यापारिक गतिविधियों का इस तरह बाधित होना न्यायसंगत प्रतीत नहीं होता। गर्मी के सीजन में कूलर और ए.सी.एवं दैनिक उपभोग की वस्तुओं, उत्पादों की मांग चरम पर होती है, ऐसे में वाहनों पर प्रतिबंध से व्यापार पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। चेम्बर जल्द ही इस विषय को प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के समक्ष मजबूती से रखेगा साथ ही आश्वासन दिया कि व्यापारी प्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच तत्काल एक बैठक आयोजित की जाएगी ताकि यातायात व्यवस्था भी बनी रहे और व्यापार पर भी प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।

उन्होंने यह भी कहा कि हम प्रशासन के समक्ष ट्रांसपोर्टरों के लिए शहर के बाहर व्यवस्थित जमीन उपलब्ध कराने की मांग रखेंगे ताकि शहर को ट्रैफ्रिक से निजात मिले और व्यापारियों का काम भी सुचारू रूप से चल सके।

इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, सलाहकार गुरजीत सिंह संधू, कार्यकारी अध्यक्ष– राधाकिशन सुंदरानी, राजेश वासवानी, जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष– लोकेश चंद्रकांत जैन, मनीष प्रजापति, मंत्री राजेंद्र पारख, ट्रांसपोर्ट चेम्बर अध्यक्ष हरचरण सिंह साहनी, छत्तीसगढ़ परचून ट्रांसपोर्ट संघ के महामंत्री कमल किशोर गोलछा, महावीर जैन, याकूब मोकाती,अशोक लोहिया, फिरोज अहमद, विष्णु गुप्ता, आशीष अग्रवाल, राजधानी गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा, पिंटू सिंह, रोशन शर्मा, उमेश वर्मा एवं रूपक चंद्रवंशी, अनुज गर्ग, गुरप्रीत सिंह बग्गा, देवेंद्र वर्मा, विशाल हुन्दानी, हरीश पंजवानी, पंकज अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल, हनुमान प्रसाद मिश्रा, सतीश तिवारी, सोनू नायक, संदीप सिंह, शेख शाबीर, नरेश साहू, विकास अग्रवाल, कुशाल पांडे, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, जगदीश, सौरभ विश्वकर्मा, प्रदीप साहू, अनिल चैहान, शब्बीर अली सहित बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर्स उपस्थित रहे।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

10 बड़े बकायादारों की सूची शीघ्र सार्वजनिक करने की तैयारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम का राजस्व विभाग नगर निगम को सम्पतिकर अदा नहीं कर रहे 100 बड़े बकायादारों के नाम सूची तैयार करने के बाद शीघ्र सार्वजनिक करने की तैयारी कर रहा है. नगर निगम के प्रत्येक जोन के 10 बड़े बकायादारों और नगर निगम क्षेत्र के सभी 10 जोनों के कुल 100 बड़े बकायादारों के नाम सम्बंधित बकायादारों द्वारा रायपुर नगर निगम राजस्व विभाग को तत्काल अदा नहीं किये जाने पर उनके नाम और विवरण सार्वजनिक करने की तैयारी की जा रही है. बकाया अदा नहीं किये जाने पर सम्बंधित बड़े बकायादारों पर कुर्की और सीलबंदी करने की नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी. कार्यवाही की परेशानी से बचमे सम्बंधित बड़े बकायादार नगर निगम राजस्व विभाग को तत्काल अपना सम्पूर्ण बकाया अदा कर दें. सभी सम्पतिकरदाता नागरिक अपना देय सम्पतिकर तत्काल नगर निगम रायपुर के राजस्व विभाग को अदा कर दें और अंतिम नियत तिथि के पूर्व करों की अदायगी नहीं होने पर नियमानुसार 17 प्रतिशत अधिभार सहित वसूली की कार्यवाही की परेशानी से बचें.

नगर निगम रायपुर के समस्त 10 जोन कार्यालय के राजस्व विभाग अंतिम देय तिथि दिनांक 31 मार्च 2026 तक प्रत्येक शनिवार और रविवार के शासकीय अवकाश दिनों में जनसुविधा हेतु राजस्व वसूली के लिए सामान्य कार्यालयीन दिवसों की तरह खुले रहेंगे. सम्पतिकरदाता नागरिक जोन कार्यालय जाकर अपना देय साथ रायपुर एप को प्ले स्टोर से डाउनलोड करके ऑनलाइन सम्पतिकर भुगतान की सुविधा निरन्तर उपलब्ध है।

वन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर दें जोर-वन मंत्री कश्यप

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

वन मंत्री केदार कश्यप ने आज छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम लिमिटेड द्वारा विजन 2030 द् छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के लिए उच्च विकास व्यवसाय मॉडल का निर्माण विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन अरण्य भवन सभागार, नया रायपुर में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में वन मंत्री कश्यप ने निगम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम राज्य की वन आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वन संसाधनों का वैज्ञानिक और सतत प्रबंधन, वनोपज का मूल्य संवर्धन तथा उद्योगों के साथ बेहतर समन्वय के माध्यम से निगम की गतिविधियों का विस्तार किया जाना आवश्यक है।

वन मंत्री कश्यप ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएं समय की आवश्यकता हैं। इनके माध्यम से विभिन्न राज्यों के अनुभव साझा करने का मौका मिलता है, उद्योग जगत की अपेक्षाएं और विशेषज्ञों के सुझाव एक मंच पर प्राप्त होते हैं, जिससे भविष्य के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने में मदद मिलती है। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए वन विकास निगम के अधिकारियों को बधाई दी और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कार्यशाला से प्राप्त सुझावों के आधार पर निगम के लिए सुदृढ़ और उच्च विकास क्षमता वाला रोडमैप तैयार किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के प्रबंध संचालक प्रेम कुमार ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कार्यशाला के उद्देश्य तथा विजन 2030 के अंतर्गत निगम के दीर्घकालिक लक्ष्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निगम वन संसाधनों के सतत उपयोग, मूल्य संवर्धन तथा नए अवसरों के माध्यम से राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने भी कहा कि वन विकास निगम लगातार बेहतर कार्य कर रहा है और वनवासियों को आजीविका के अवसर प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत सफलतापूर्वक संपन्न

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में आज दिनांक 14 मार्च 2026 को जिला न्यायालय दुर्ग में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस गरिमामयी आयोजन का औपचारिक शुभारंभ मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़, रमेश सिन्हा के करकमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में, न्यायालय परिसर पहुँचने पर मुख्य न्यायाधीश एवं पोर्टफोलियो जज की एनसीसी कैडेट्स के एक अनुशासित दस्ते द्वारा भव्य अगवानी की गई और उन्हें सम्मानपूर्वक मंच तक एस्कॉर्ट किया गया। कैडेट्स की इस भागीदारी ने समारोह की गरिमा और अनुशासन में अभिवृद्धि की। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की उपस्थिति ने न्यायिक बिरादरी और पक्षकारों में उत्साह का संचार किया। अपने संबोधन में मुख्य न्यायाधीश महोदय ने कहा कि लोक अदालत केवल प्रकरणों के बोझ को कम करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज में सुलह से न्याय की भावना को स्थापित करने का एक सशक्त मंच है। विधिक जागरूकता को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से, इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश महोदय द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व पर आधारित एक विशेष पंडवानी गीत का विमोचन किया गया ,इस अवसर पर न्यायमूर्ति कुमार चंद्रवंशी, न्यायाधीश, उच्च उपस्थिति रहे। कार्यक्रम में सांस्कृतिक उत्साह का संचार करते हुए, जिला न्यायालय बार के सदस्यों की सांस्कृतिक एवं नुक्कड-नाटक टीम द्वारा न्यायालय परिसर में इस विशेष पंडवानी गायन एवं गीत प्रदर्शित किया गया।

जनगणना 2027 हेतु पण्डित रविशंकर शुक्ल वार्ड क्षेत्र में सर्वे का कार्य किया गया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जनगणना निदेशालय के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 4 की टीम द्वारा नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी के मार्गनिर्देशन और कार्यपालन अभियंता श्री शेखर सिंह , सहायक अभियंता श्री दीपक देवांगन एवं अन्य सम्बंधित जोन अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में स्थल पर शंकर नगर में जनगणना 2027 हेतु नगर निगम जोन 4 क्षेत्र अंतर्गत पण्डित रविशंकर शुक्ल वार्ड क्षेत्र के अंतर्गत जनगणना सर्वे का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है. शीघ्र ही जोन 4 सहित रायपुर नगर निगम क्षेत्र के अन्य वार्डों में जनगणना 2027 हेतु जनगणना निदेशालय के निर्देशानुसार जनगणना हेतु सर्वे कार्य और मकानों की नंबरिंग का कार्य नगर निगम रायपुर की सम्बंधित जोन टीमों द्वारा किया जायेगा.

शासकीय प्राथमिक शाला चुनाभट्ठी के जीर्णोद्धारित नए भवन का विधायक पुरंदर मिश्रा ने सभापति सूर्यकान्त राठौड़ सहित लोकार्पण कर दी शानदार सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने रायपुर उतर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 2 अंतर्गत रमण मन्दिर वार्ड क्रमांक 14 के क्षेत्र में चुनाभट्टी में सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत लगभग 9 लाख मेंजीर्णोद्धारित नवीन स्वरूप में शासकीय प्राथमिक शाला चुनाभट्टी के नए भवन का लोकार्पण नगर निगम सभापति सूर्यकान्त राठौड़, नगर निगम जोन 2 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता पी. डी. धृतलहरे सहित शिक्षक – शिक्षिकाओं, छात्र – छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति के मध्य शानदार सौगात दी. रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने मंच से शासकीय प्राथमिक शाला चुनाभट्टी में मिडिल स्कूल लगाने एक अतिरिक्त नया भवन बनाने रायपुर उत्तर विधायक निधि मद से 10 लाख रू. का स्वेच्छानुदान देने की घोषणा की.

एमआईसी सदस्य महेन्द्र खोडियार, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि मोहन एंटी, नगर निगम

दुधाधारी कॉलेज में शुरू हुआ 12 दिवसीय प्रशिक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

शासकीय दुधाधारी गर्ल्स पीजी कॉलेज, रायपुर में भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के तत्वावधान में 12 दिवसीय सूक्ष्म उद्यमिता विकास कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ उद्यमिता विकास केंद्र तथा वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं युवाओं में उद्यमिता के प्रति जागरूकता विकसित करना, उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना तथा स्थानीय संसाधनों पर आधारित सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। यह पहल मुख्यमंत्री के विकसित छत्तीसगढ़ के विज़न को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में जिला उद्योग एवं व्यापार केंद्र की प्रतिनिधि प्रीती खंडेलवाल, स्टार्टअप प्रोग्राम मैनेजमेंट यूनिट उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को उद्यमिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए विभाग द्वारा

संचालित योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी।

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान से गुरुकल्याण नायक, मुकुल वेदी, डॉ. संदीप यादव तथा विनय यादव भी कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने प्रतिभागियों को उद्यमिता के महत्व, आत्मनिर्भरता के अवसरों तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से व्यवसाय स्थापित करने की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी दी।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. जया तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में उद्यमिता युवाओं के लिए एक सशक्त करियर विकल्प के रूप में उभर रही है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रोफेसर कीर्ति श्रीवास, प्रोफेसर ऋतु मरवाह और मुक्ता मल्होत्रा भी उपस्थित रहीं। उन्होंने छात्राओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

12 दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को उद्यमिता की अवधारणा और महत्व, व्यवसायिक अवसरों की पहचान, स्थानीय संसाधनों पर आधारित उद्यम स्थापना, बाजार सर्वेक्षण एवं विश्लेषण, व्यवसाय योजना और परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, लागत एवं लाभ विश्लेषण, वित्तीय प्रबंधन, बैंकिंग प्रणाली एवं ऋण सुविधाओं की जानकारी, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं का परिचय, विपणन रणनीतियां, डिजिटल मार्केटिंग, उत्पाद की ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग, ग्राहक प्रबंधन तथा उद्यम संचालन से जुड़े कानूनी एवं पंजीकरण संबंधी पहलुओं की जानकारी दी जाएगी।

इसके साथ ही प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण, समूह चर्चा, केस स्टडी, विशेषज्ञ व्याख्यान और फील्ड विजिट के माध्यम से उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर भी मिलेगा।

आज कान्यकुब्ज समाज का भव्य होली मिलन समारोह

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कान्यकुब्ज सभा-शिक्षा मंडल, आशीर्वाद भवन, बैरन बाजार, रायपुर द्वारा आगामी 15 मार्च रविवार को भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन संध्या 6 बजे से, आशीर्वाद भवन बैरन बाजार रायपुर में किया जा रहा है। समाज के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा एवं सचिव राज कुमार दीक्षित ने बताया कि इस अवसर पर समाज के ऐसे दम्पत्ति जिन्होने अपने वैवाहिक जीवन के 50 वर्ष पूर्ण कर लिये है उनका स्वर्णिम युगल दम्पत्ति सम्मान समारोह, ऐसे सदस्य जिन्होने अपने जीवन के 75 वर्ष पूर्ण कर चुके है उनका वरिष्ठजन सम्मान समारोह एवं समाज के ऐसे सदस्य जिन्होने समाज का सम्मान बढ़ाया है उनका विशिष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह से सम्मानित किया जाएगा।

FSSAI नियमों में बड़े सुधार से छोटे खाद्य व्यापारियों को बड़ी राहत - अमर पारवानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी ने बताया कि देशभर के व्यापारियों द्वारा समय-समय पर उठाए गए मुद्दों और उनके समाधान के लिए किए गए सतत प्रयासों का एक महत्वपूर्ण परिणाम हाल ही में खाद्य व्यवसायों से संबंधित नियमों में किए गए व्यापक सुधारों के रूप में सामने आया है। इस संबंध में राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी ने कहा कि Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) द्वारा जारी हालिया अधिसूचनाओं के माध्यम से खाद्य व्यापारियों को बड़ी राहत प्रदान की गई है।

पारवानी ने बताया कि राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के समक्ष देशभर के व्यापारियों ने समय-समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग बैठकों एवं बोर्ड मीटिंग्स के माध्यम से स्वस्थ्य लाइसेंस से जुड़ी जटिलताओं, अनुपालन प्रक्रियाओं तथा व्यावहारिक समस्याओं को उठाया था। इन सुझावों और मांगों को व्यवस्थित रूप से संबंधित मंत्रालयों तक पहुँचाया गया, जिसके परिणाम स्वरूप भारत सरकार द्वारा नियमों को अधिक सरल एवं व्यापार-अनुकूल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि नए प्रावधानों के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से मूल पंजीकरण के लिए वार्षिक कारोबार की सीमा ?12 लाख से बढ़ाकर ?1.5 करोड़ कर दी गई है। इस निर्णय से देशभर के सूक्ष्म एवं लघु खाद्य व्यवसायों को अनुपालन के बोझ से बड़ी राहत मिलेगी तथा छोटे व्यापारियों के लिए व्यवसाय करना अधिक सरल होगा। पारवानी ने आगे बताया कि नगर निकायों में पंजीकृत स्ट्रीट वेंडर्स को अब स्वस्थ्य के अंतर्गत स्वत: पंजीकृत माना जाएगा, जिससे विभिन्न विभागों में अलग-अलग पंजीकरण कराने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। इस निर्णय से देश के 10 लाख से अधिक स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने यह भी बताया कि स्वस्थ्य लाइसेंस को स्थायी वैधता (Perpetual Validity) प्रदान करने का प्रावधान भी किया गया है, जिससे बार-बार लाइसेंस नवीनीकरण की जटिल प्रक्रिया समाप्त होगी और नियामकीय व्यवस्था का ध्यान खाद्य सुरक्षा निगरानी तथा जोखिम-आधारित निरीक्षण प्रणाली पर अधिक केंद्रित पारवानी ने भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए करने के साथ-साथ देश के खाद्य व्यापार को अधिक संगठित, सुरक्षित और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा।

8 व्यवसायिक परिसरों को तत्काल ताला लगाकर किया सीलबंद

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व श्रीमती कृष्णा खटीक, उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू और जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार एवं नगर निगम जोन 8 सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन और राजस्व निरीक्षक राजेश मिश्रा, सहायक राजस्व निरीक्षक सर्वनरेन्द्र ठाकुर, खगेंद्र सोनी, राम कुमार औसर की उपस्थिति में नगर पालिक निगम जोन 8 की राजस्व विभाग की टीम द्वारा नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 अंतर्गत वीर सावरकर नगर वार्ड कमांक 1 और पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 क्षेत्र अंतर्गत 8 बडे बकायादारों द्वारा विगत कई वर्षों से बकाया राशि नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा डिमांड बिल डिमांड नोटिस एवं अंतिम नोटिस जारी करने के उपरांत भी नगर निगम जोन 8 राजस्व विभाग को बकाया राशि अदा नहीं करने पर अभियान चलाकर संबंधित 8 बड़े बकायादारो के 8 व्यवसायिक परिसरो को तत्काल ताला लगाकर सीलबंद करने की कडी कार्यवाही की गयी है,इनमें से एक बड़े बकायादार हैदर रजा द्वारा अपनी सम्पति का कर वार्ड कमांक 1 अंतर्गत 529434 रू. के बकायेदार प्रितम सिंग जीत सिंग, 225857 रू. के बकायेदार अशोक कुमार, विजय कुमार, विनोद कुमार नवानी, 452317 रू. के बकायेदार हरवंश सिंग, महेन्द्र सिंग, सुरजीत गुरविंदर सिंग, 836874 रू.के बकायादार संतोषी देवी के संबंधित व्यवसायिक परिसर में तत्काल ताला लगाकर सीलबंदी की कार्यवाही बकाया राशि रायपुर नगर पालिक निगम जोन 8 राजस्व विभाग को अदा नहीं करने पर की गई।

आयुक्त साहू ने फिल्टरप्लांट की पेयजल प्रबंधन की तैयारी का किया निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त श्री लोकेश्वर साहू ने रावणभाठा फिल्टरप्लांट का औचक निरीक्षण कर फिल्टरप्लांट संचालन, पंप मोटर की स्थिति, फिल्टरेशन प्रक्रिया, प्रयोगशाला में टेस्टिंग की स्थिति , सभी टंकियों में जलभराव , स्काडा मॉनिटरिंग का प्रत्यक्ष अवलोकन कर स्काडा सिस्टम संचालन हेतु आवश्यक निर्देश एवं सुझाव दिए. अपर आयुक्त ने इंटेकवेल की जानकारी सभी प्लांट की व्यवस्था का निरीक्षण कर ग्रीष्मकालीन पेयजल की तैयारी हेतु आवश्यक निर्देश दिए. इस दौरान नगर निगम कार्यपालन अभियंता जल श्री नर सिंह फरेन्द्र एवं फ़िल्टरप्लांट के अन्य सम्बंधित अधिकारी एवं कर्मचारीगण की उपस्थिति रही.

स्कूल खोलने का समय बदला गया, सुबह 7.30 बजे से लगेगी क्लास

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा परिपत्र जारी कर शाला संचालन के लिए समय निर्धारण किया गया है। 16 मार्च से प्रात: 7.30 बजे से 11.30 बजे तक कक्षाएं लगेंगी। इस आशय का परिपत्र सभी विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्य शासकीय हाई एवं हायर सेकण्डरी स्कूल और प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला को जारी कर दिया गया है। परिपत्र में कहा गया है कि 16 मार्च से सुबह प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय की वार्षिक परीक्षाएं प्रारंभ हो रही है। अत: केन्द्रीकृत समय सारिणी में दिये गए समयानुसार उक्त परीक्षाएं संचालित करने हेतु जिले की समस्त शालाएं प्राथमिक से लेकर उच्चततर माध्यमिक तक 16 मार्च से प्रात: 7.30 बजे से 11.30 बजे तक लगाने के निर्देश दिए जाते है। प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक विद्यालयों एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार संचालित होगी। यह आदेश जिले की समस्त अशासकीय शालाओं पर भी लागू होगा तथा बोर्ड की परीक्षाएं एवं मूल्यांकन कार्य इस आदेश से प्रभावित नहीं होंगे। शेष निर्देश यथावत रहेंगे।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

अनिद्रा की महामारी

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं।

एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं।

युद्ध की आंच में झुलसती वैश्विक अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई का खतरा

लॉजिस्टिक्स कंपनियों के अनुसार युद्ध के कारण शिपिंग कंपनियों ने कई नए आकस्मिक शुल्क लागू कर दिए हैं। सामान्य परिस्थितियों में जहां एक कंटेनर की ढुलाई लागत लगभग 800 से 1500 डॉलर के बीच होती थी वहीं अब यह लागत कई गुना बढ़ गई है। कई मामलों में प्रति कंटेनर लगभग 4000 डॉलर तक अतिरिक्त शुल्क देना पड़ रहा है। इन अतिरिक्त शुल्कों में युद्ध जोखिम अधिभार आपातकालीन लागत वसूली शुल्क और पीक सीजन शुल्क जैसे कई नए चार्ज शामिल हैं। इससे निर्यातकों की लागत अचानक बढ़ गई है और उनके मुनाफे पर गंभीर असर पड़ रहा है। इस संकट का सबसे अधिक असर उन वस्तुओं पर पड़ रहा है जो जल्दी खराब हो जाती हैं। बंदरगाहों पर बड़ी मात्रा में तरल माल निकासी की प्रतीक्षा कर रहा है जबकि लगभग 939 टन जल्दी खराब होने वाला माल भी फंसा हुआ है।

कांतिलाल मांडोत।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब केवल दो देशों का सैन्य टकराव नहीं रह गया है बल्कि यह धीरे धीरे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला संकट बनता जा रहा है। पश्चिम एशिया में चल रहा यह संघर्ष वैश्विक ऊर्जा बाजार व्यापारिक गतिविधियों और वित्तीय बाजारों पर गहरा असर डाल रहा है। युद्ध के दसवें दिन ही दुनिया ने इसका आर्थिक प्रभाव साफ तौर पर महसूस करना शुरू कर दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेज वृद्धि और शेयर बाजारों में आई गिरावट ने यह संकेत दे दिया है कि यदि यह संघर्ष लंबा चला तो इसका असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि हर देश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों के जीवन पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में तेजी इस संकट का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आई है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर लगभग 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं जो जुलाई 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। कुछ ही दिनों में तेल की कीमतों में लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। तेल की कीमतों में इतनी तेज वृद्धि का सीधा कारण पश्चिम एशिया में पैदा हुई अनिश्चितता और आपूर्ति बाधित होने की आशंका है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक और निर्यातक क्षेत्रों में से एक है इसलिए वहां होने वाला कोई भी सैन्य संघर्ष वैश्विक ऊर्जा बाजार को तुरंत प्रभावित करता है। निवेशकों और व्यापारियों को डर है कि यदि युद्ध और फैलता है तो तेल की आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है जिससे कीमतों में और तेजी आ सकती है। तेल की कीमतों में इस उछाल का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। भारत दुनिया के उन प्रमुख देशों में शामिल है जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करते हैं। इसलिए कच्चे तेल की कीमतों में हर बढ़ोतरी सीधे देश की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित करती है। इसी आशंका के कारण भारतीय शेयर बाजार में भी भारी गिरावट देखने को मिली। दो दिन के अवकाश के बाद जब बाजार खुला तो निवेशकों में डर और अनिश्चितता का माहौल था। परिणामस्वरूप बाजार खुलते ही भारी बिकवाली शुरू हो गई और सेंसेक्स लगभग 1800 अंक नीचे खुला। थोड़ी ही देर में गिरावट बढ़कर 2492 अंकों तक पहुंच गई जिसने निवेशकों को और चिंतित कर दिया। दिन के अंत में बाजार में थोड़ी स्थिरता जरूर दिखाई दी लेकिन नुकसान काफी बड़ा रहा। सेंसेक्स अंतत: 1352.74 अंकों की गिरावट के साथ 77566.16 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 422 अंकों से अधिक गिरकर 24028 के आसपास बंद हुआ। लगातार गिरावट के कारण दोनों प्रमुख सूचकांक लगभग ग्यारह महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

बाजार में आई इस गिरावट का सबसे अधिक असर उन क्षेत्रों पर पड़ा जो सीधे तेल और परिवहन लागत से जुड़े हैं। तेल कंपनियां ऑटोमोबाइल उद्योग धातु उद्योग एविएशन और लॉजिस्टिक कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। बाजार में इस गिरावट से निवेशकों की लगभग आठ लाख करोड़ रुपये की पूंजी कम हो गई जो इस संकट की गंभीरता को दर्शाती है। सरकार का कहना है कि फिलहाल महंगाई पर इसका बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि देश में मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत नियंत्रित स्तर पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार युद्ध शुरू होने से पहले भारतीय तेल बास्केट की कीमतें गिरावट की ओर थीं और दो मार्च तक यह लगभग 69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से बढ़कर 80 डॉलर के आसपास पहुंची थीं। उनका कहना है कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और यदि जरूरत पड़ी तो आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि आम लोगों पर इसका असर कम से कम पड़े। हालांकि आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतों में यह तेजी लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर परिवहन लागत उत्पादन खर्च और अंतत: उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों पर जरूर पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि महंगाई बढ़ने का खतरा पूरी तरह टला नहीं है। ऊर्जा बाजार के अलावा इस युद्ध ने वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है। समुद्री मार्गों में बढ़ते जोखिम के कारण कई जहाजों को अपने रास्ते बदलने पड़ रहे हैं और कुछ जहाजों को यात्रा बीच में ही रोकनी पड़ रही है। इसके कारण दुनिया भर के कई कंटेनर बंदरगाहों और समुद्री मार्गों में फंस गए हैं। भारत का लगभग 12000 करोड़ रुपये मूल्य का निर्यात माल भी इसी संकट में फंसा हुआ है। यह स्थिति भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी चिंता का कारण बन गई है क्योंकि माल की डिलीवरी में देरी होने से व्यापारिक अनुबंध प्रभावित हो सकते हैं और कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इन वस्तुओं को भारी नुकसान हो सकता है। इसके अलावा समुद्र में फंसे कंटेनरों में लगभग चार लाख टन बासमती चावल भी शामिल है जो भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों में से एक है। बासमती चावल का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों में निर्यात किया जाता है और यदि युद्ध के कारण वहां व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो भारतीय किसानों और निर्यातकों दोनों को नुकसान हो सकता है। इसी तरह भारत का काबुली चना भी खाड़ी क्षेत्र के देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। पिछले दो वर्षों में इसका निर्यात लगभग दोगुना हो गया था और इसमें ईरान अरब देशों और तुर्किए की बड़ी हिस्सेदारी रही है। लेकिन वर्तमान युद्ध के कारण इन देशों के साथ व्यापारिक गतिविधियां बाधित हो रही हैं जिससे इस निर्यात पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो भारतीय कृषि निर्यात को भी बड़ा झटका लग सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल की कीमतों में आई वृद्धि को इस संघर्ष की परिस्थितियों मं उचित बताया है। उनका कहना है कि यदि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न खतरे को समाप्त करना है तो कुछ समय के लिए तेल की कीमतों में वृद्धि को स्वीकार करना पड़ेगा। उनका दावा है कि जब यह खतरा समाप्त हो जाएगा तब तेल की कीमतें तेजी से नीचे आ जाएंगी और बाजार फिर से स्थिर हो जाएगा। हालांकि फिलहाल वैश्विक बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है और निवेशक आने वाले दिनों को लेकर सतर्क हैं। स्पष्ट है कि युद्ध का प्रभाव केवल सीमा रेखाओं तक सीमित नहीं रहता बल्कि वह आर्थिक व्यवस्था के हर स्तर को प्रभावित करता है। तेल की कीमतों में तेजी शेयर बाजारों में गिरावट और वैश्विक व्यापार में बाधा इस बात का संकेत है कि यदि यह संघर्ष जल्द समाप्त नहीं हुआ तो दुनिया की अर्थव्यवस्था के सामने एक बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। ऐसे समय में सरकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे आर्थिक स्थिरता बनाए रखें और आम नागरिकों को महंगाई तथा आर्थिक अस्थिरता से बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।

युद्ध काल में ऊर्जा संकट भारत की संतुलित रणनीति

विनोद कुमार सिंह।

वैश्विक परिपेक्ष में आज विश्व ऐसे दौर से गुजर रही है। जहाँ युद्ध,ऊर्जा संकट,आपूर्ति श्रृंखला की अस्थिरता और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और कूटनीति को नए सिरे से परिभाषित करना शुरू कर दिया है। ऐसे समय में भारत सरकार द्वारा आयोजित अंतर-मंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस केवल प्रशासनिक जानकारी साझा करने का मंच नहीं थी,बल्कि यह उस व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि का संकेत भी थी। जिसके माध्यम से भारत बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए एक संतुलित और जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी भूमिका को स्पष्ट कर रहा है। विदेश, पेट्रोलियम, वाणिज्य और ऊर्जा से जुड़े मंत्रालयों के प्रतिनिधियों ने वैश्विक युद्ध परिस्थितियों, ऊर्जा बाजार की अनिश्चितताओं, अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों और भारत की दीर्घकालिक रणनीति पर विस्तार से जानकारी दी। यह स्पष्ट किया गया कि वर्तमान समय में वैश्विक राजनीति का केंद्र केवल सैन्य शक्ति नहीं रहा,बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला, प्रौद्योगिकी और बहुपक्षीय कूटनीति भी उतने ही महत्वपूर्ण कारक बन चुके हैं। आज दुनिया जिस सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही है,युद्ध की बढ़ती विभीषिका। विशेष रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। फरवरी 2022 में शुरू हुआ यह संघर्ष अब केवल दो देशों के बीच सीमित युद्ध नहीं रह गया,बल्कि उसने ऊर्जा बाजार, खाद्यान्न आपूर्ति और वैश्विक व्यापार मार्गों को प्रभावित किया है। यूरोप में गैस संकट पैदा हुआ, अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में भारी

भारत पर भी इन परिस्थितियों का अप्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है और प्राकृतिक गैस की बड़ी मात्रा भी विदेशों से आती है ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों की अस्थिरता का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था,परिवहन लागत और औद्योगिक उत्पादन पर पड़ सकता है। यही कारण है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को अपनी राष्ट्रीय नीति के प्रमुख स्तंभ के रूप में स्थापित किया है।

उतार-चढ़ाव आया और कई देशों की मुद्रास्फीति दरें तेजी से बढ़ीं। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार इस युद्ध के कारण वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

भारत की ऊर्जा रणनीति का एक महत्वपूर्ण पहलू विविध स्रोतों से आयात सुनिश्चित करना है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने तेल आयात के अपने स्रोतों का विस्तार किया है और विभिन्न देशों के साथ ऊर्जा सहयोग को मजबूत किया है। इस संदर्भ में रूस से रियायती दरों पर कच्चे तेल की खरीद ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2021 में जहाँ भारत के कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बहुत कम थी,वहीं 2024-25 तक यह बढ़कर लगभग 35 प्रतिशत के आसपास पहुँच गई। इससे भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजार की ऊँची कीमतों से काफी राहत मिली। इसी प्रकार पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी भारत के ऊर्जा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे देशों के साथ दीर्घकालिक तेल और गैस आपूर्ति समझौते भारत की ऊर्जा नीति की स्थिरता को सुनिश्चित करते हैं। कतर भारत को तरलीकृत प्राकृतिक गैस का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है और भारत की गैस आधारित ऊर्जा संरचना में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ भारत स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। भारत का लक्ष्य 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता स्थापित करना है। इस दिशा में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी बढ़ रहा है और भारत नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर है। विदेश नीति के स्तर पर भारत ने जिस संतुलित दृष्टिकोण को अपनाया है, वह वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में विशेष महत्व रखता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने किसी एक पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संवाद और कूटनीतिक समाधान पर जोर दिया। संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर भारत ने बार-बार यह कहा कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता और सभी पक्षों को बातचीत के माध्यम से समाधान तलाशना चाहिए।यह संतुलित नीति भारत को पश्चिमी देशों और रूस दोनों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने की क्षमता देती है।

संवेदनशील बने न्यायिक तंत्र, कई बार अनकही रह जाती है पीड़ा

ऋतु सारस्वत।

पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को रद कर दिया, जिसमें यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम, 2012 (पोक्सो) के एक मामले में समन के महत्व को कम कर दिया गया था। जज सूर्यकांत, जायमाल्य बागची और एनवी अंजारी की पीठ ने ट्रायल कोर्ट के मूल समन आदेश को बहाल किया और कहा कि प्रथमदृष्ट्या आरोपों से दुष्कर्म करने का 'प्रयास' प्रतीत होता है, न कि केवल 'तैयारी'। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने लैंगिक संवेदनशीलता के नवीन मानकों को स्थापित करते हुए यौन अपराधों के मुकदमों में अधिक संवेदनशील और एकसमान न्याय-निर्णय के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की। इन निर्देशों को जारी करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने लैंगिक रूढ़ियों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2023 में जारी की गई हैंडबुक को रद कर दिया। उक्त मामला 17 मार्च, 2025 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस निर्णय से संबंधित है, जिसमें उसने ट्रायल कोर्ट के समन को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत दुष्कर्म के आरोप से घटाकर धारा 354 बी के तहत 'वस्त्र उतारने के इरादे से हमला' कर दिया था। इसके साथ ही पोक्सो के संबंधित प्रविधानों को भी धारा 18 से घटाकर धारा 10 कर दिया गया था, जिसमें आजीवन कारावास की आधी सजा का नियम है, जबकि धारा 18 में 5-7 वर्ष के कारावास का प्रविधान है। सुप्रीम कोर्ट ने यह माना कि देश की विभिन्न अदालतों में संवेदनशीलता को लेकर बरती जाने वाली सावधानी में कहीं न कहीं चूक हो जाती है, इसीलिए उसने यह कार्य प्रशिक्षण प्रणाली को सौंप दिया तथा भोपाल स्थित राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी से एक विशेषज्ञ

सुप्रीम कोर्ट लगातार देश की विभिन्न अदालतों द्वारा यौन अपराधों के मामलों में प्रदर्शित संवेदनात्मक कमी और रूढ़िगत दृष्टिकोण पर आपत्ति व्यक्त करता रहा है। हालिया निर्णय में भी सुप्रीम कोर्ट ने इसी चिंता को दोहराते हुए कहा, 'हमारे सभी निर्णयों में करुणा, मानवता एवं समझ की भावना झलकनी चाहिए। यही तत्व एक निष्पक्ष एवं प्रभावी न्यायप्रणाली के निर्माण के लिए जरूरी हैं।'

समिति गठित करने का आग्रह किया। समिति को भाषाई विविधता और आम लोगों के लिए सुगम्यता का ध्यान रखते हुए एक व्यापक रिपोर्ट और दिशा-निर्देशों का मसौदा तैयार करने को कहा गया है। न्यायालय का इस पर विशेष जोर था कि समिति प्रतिवेदन तैयार करते समय राष्ट्र की भाषाई विविधता को ध्यान में रखे। उसने यह भी इंगित किया कि विभिन्न क्षेत्रों की बोलियों में प्रचलित अनेक ऐसे शब्द एवं अभिव्यक्तियां हैं, जो सामान्य बोलचाल में प्रयुक्त होती हैं, पर वे दंड विधि के तहत आपत्तिजनक या अपराध की श्रेणी में आ सकती हैं। अत: समिति का यह दायित्व होगा कि वह विभिन्न भाषाओं के ऐसे शब्दों की पहचान कर उनका संकलन करे, ताकि वे न्यायिक प्रक्रिया में अनदेखे न रह जाएं। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञ समिति से इस विषय पर एक समग्र रिपोर्ट तैयार करने को कहा कि यौन अपराध के मामलों में न्यायिक प्रक्रिया में संवेदनशीलता कैसे विकसित की जाए। इससे पूर्व 'अपर्णा भट बनाम मध्य प्रदेश राज्य, 18 मार्च, 2021' मामले में शीर्ष न्यायालय ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी से कहा था कि वह युवा न्यायाधीशों के प्रशिक्षण और न्यायाधीशों की सतत शिक्षा में लैंगिक संवेदनशीलता से संबंधित आवश्यक सामग्री को शीघ्रता से तैयार करे, जिसमें न्यायिक तर्क में अंतर्निहित रूढ़ियों और अचेतन पूर्वाग्रहों के प्रति पर्याप्त जागरूकता कार्यक्रम शामिल हों। यह टिप्पणी सिर्फ एक न्यायिक अवलोकन भर नहीं, संवेदनशील न्यायशास्त्र की दिशा में किया गया एक सशक्त और ऐतिहासिक हस्ताक्षर है। यह यौन शोषण से गुजरी पीड़िता के लिए आश्वस्ति और सहानुभूति का संदेश देती है। एक ऐसा ही संदेश हाल में उड़ीसा उच्च न्यायालय ने तब दिया, जब उसने कहा कि यौन अपराधों में सेक्सुअल इंटेट यानी यौन मंशा सबसे महत्वपूर्ण है। उसने यह भी कहा कि किसी लड़की के शरीर के ऊपरी हिस्से को छूना, दबाना और खींचना यौन उत्पीड़न है। नि:संदेह यौन अपराध की यातना को उसकी संपूर्ण गहराई में वही समझ सकता है, जिसने उस आघात को अपने जीवन में भोगा हो। न्यायपालिका की यह मानवीय दृष्टि न केवल विधिक प्रक्रिया को अधिक करुणामय और उत्तरदायी बनाती है, बल्कि पीड़ितों के मन में न्याय व्यवस्था के प्रति विश्वास और गरिमा की भावना को भी पुनर्जीवित करती है। यह कथन उल्लेखनीय है कि 'यौन अपराध की यातना को गहराई से वही समझ सकता है, जिसने उसे भोगा हो।' इस तथ्य से इन्कार नहीं किया जा सकता कि न्यायपालिका की जटिल और औपचारिक शब्दावलियों के बीच कई बार वह मानवीय पीड़ा अनकही रह जाती है।

विकल्पहीन मजबूरी है इच्छा मृत्यु से जीवन के अंत का फैसला

मनोज कुमार अग्रवाल।

यूं तो देश की अदालतें हर साल तकरीबन सौ से अधिक मुलजिमों को फांसी की सजा सुनाती हैं तब न्याय की कुर्सी पर बैठे किसी जज को कोई ग्लानि या अफसोस नहीं होता है लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक ऐसा फैसला दिया जिसे लिखते हुए उनकी आंखें सजल हो गईं क्यों कि यह फैसला एक जीवन से जंग लड़ रहे इंसान को कष्ट मुक्ति के लिए मौत की ओर सहयोग करने का है। आपको बता दें कि शीर्ष अदालत ने एक अभूतपूर्व फैसले में इच्छामृत्यु को मंजूरी दी है। अदालत ने 32 साल के हरीश राणा के लिए इच्छामृत्यु की इजाजत दी। सुप्रीम कोर्ट में जब जस्टिस जे. बी. पारदीवाला यह फैसला सुना रहे थे तो इस दौरान वे बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई थी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को उनकी जीवनरक्षक चिकित्सा हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। अपना फैसला पढ़ते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और अपनी पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में मुख्य सवाल यह नहीं होता कि मरीज के लिए मौत बेहतर है या नहीं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि जीवन को बनाए रखने वाला इलाज मरीज के हित में है या नहीं। अदालत ने कहा कि हरीश राणा में सिर्फ सोने जागने के चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन वह किसी भी तरह की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे हैं। वह अपने दैनिक कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हैं। अदालत ने यह भी बताया कि हरीश को पीईजी ट्यूब के जरिए क्लिनिकली एडमिनिस्टरड न्यूट्रिशन दिया जा रहा है और इतने सालों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है।

जब एक इंसान का जीवन इतना कष्ट मय और लाइलाज हो जाए कि मौजूदा तमाम मेडिकल उपचार अनुपयोगी हो जाए और क्षण क्षण तड़प रही जिंदगी को कष्ट से बचाने का कोई उपाय न रहे तब जीवन से मुक्ति के लिए मौत ही एक मात्र विकल्प रह जाता है मौजूदा घटनाक्रम के अनुसार 20 अगस्त 2013 को हरीश राणा अपने छात्रावास की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उनके सिर में गहरी चोट लगी और लंबे इलाज के बावजूद वे कोमा से निकल नहीं पाए हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उनके अभिभावकों ने ही इच्छामृत्यु की प्रार्थना की थी। जिस पर दिसंबर 2025 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा की

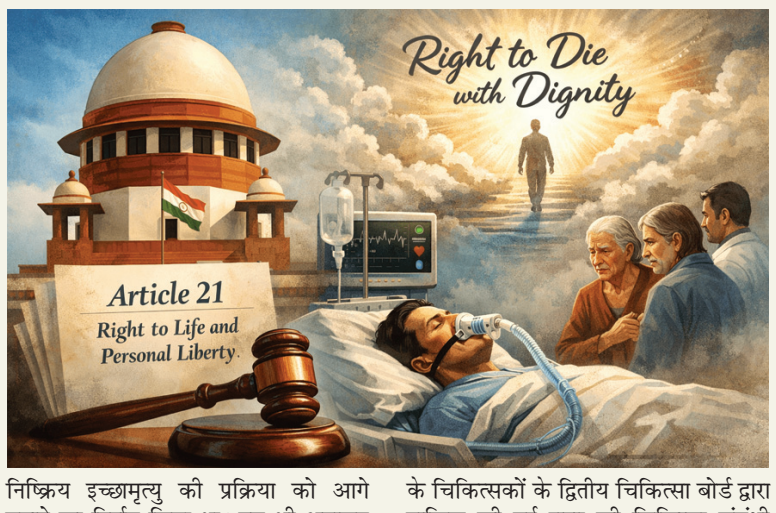

निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। तब भी अदालत ने कहा था कि हरीश पिछले 13 वर्षों से गंभीर स्थिति में हैं, और उन्हें इस हालत में जीने नहीं दिया जा सकता। हरीश राणा को ट्यूब के जरिए पोषण पहुंचाकर जिंदा तो रखा गया, लेकिन वे किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे थे और लगातार बिस्तर पर होने के कारण उनकी शारीरिक अवस्था भी सही नहीं थी। उनकी चिकित्सा रिपोर्टर्स में इन सारी तकलीफों का विस्तार से वर्णन किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नई दिल्ली में एम्स के चिकित्सकों के द्वितीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट दुखद है। प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति बेहद दयनीय स्थिति में है। पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया है ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार को एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे। आमतौर पर यही कहा जाता है कि जब आप किसी व्यक्ति को जीवन दे नहीं सकते, तो जीवन लेने का हक भी आपको नहीं है। कई देशों में इसी आधार पर मृत्युदंड पर भी बहस छिड़ी रहती है, क्योंकि एक बार सांसों की डोर टूट गई, तो फिर उसे जोड़ने का कोई उपाय नहीं है। लेकिन अगर व्यक्ति जिंदा होकर भी किसी मृतप्राय व्यक्ति की तरह हो जाए, जिसके लिए कोई इलाज कारगर न साबित हो, जो असहनीय तकलीफों से गुजरे तो क्या उसे इच्छामृत्यु की इजाजत दी जा सकती है। तब क्या इसे हत्या या आत्महत्या या मृत्युदंड से अलग न्यायोचित ठहराया जा सकता है। ऐसे कई सवाल इच्छामृत्यु के फैसले पर उठते रहे हैं। बुधवार को आए इस फैसले के बाद सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी राइट टू डाई विद डिग्निटी जैसे अहम सवाल पर नयी चर्चा शुरु हो सकती है। दरअसल भारत में ऐसा ही एक मामला 1973 में आया था, जब मुंबई के केईएम अस्पताल के वार्डबॉय सोहनलाल वाल्मीकि ने नर्स अरुणा शानबाग के साथ बेरहमी से यौन उत्पीड़न किया और गला दबाया था, जिससे वे स्थायी रूप से कोमा में चली गई थी। उनके माता-पिता नहीं थे और इस घटना के बाद परिजनों ने भी उनका त्याग कर दिया था। मगर अस्पताल की साथी नर्सों ने उन्हें कोमा में होने के बावजूद जीवित रखने की पूरी कोशिश की। 2009 में पत्रकार पिंकी विरानी ने उनकी दर्दनाक हालत को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में इच्छा मृत्यु की याचिका दायर की थी, अदालत ने 7 मार्च 2011 को याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उनका इलाज करने वाली नर्सें और डॉक्टर उन्हें जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध थे। हालांकि, कोर्ट ने पैसिव यूथेनेशिया लाइफ सपोर्ट हटाना को अनुमति दी, जिसमें कहा गया कि जब तक मरीज की हालत सुधरने की उम्मीद न हो, तब तक यह लिया जा सकता है। इसके बाद 18 मई 2015 को निमोनिया के कारण अरुणा शानबाग का निधन हो गया। हालांकि 42 वर्ष तक कोमा में रहने का कष्ट उन्होंने सहा है। इस मामले ने भारत में गरिमापूर्ण मृत्यु से संबद्ध कानून की एक नई पहल हुई है अरुणा शानबाग मामले के बाद इच्छामृत्यु पर स्पष्ट कानून की जरूरत महसूस की जाने लगी। इसी मुद्दे को लेकर कॉमन कॉज़ नाम के एनजीओ ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 9 मार्च 2018 को ऐतिहासिक फैसला सुनाया।

विकास कार्यों के भूमिपूजन व लोकार्पण समारोह में शामिल हुए उप मुख्य मंत्री साव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम बीरगांव के बुधवार बाजार में शनिवार को विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर रायपुर लोकसभा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल,रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू बीरगांव महापौर नंदलाल देवांगन, निगम आयुक्त युगल किशोर उर्वशा, सभापति कृपाराम निषाद, नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश साहू, की गरिमामयी उपस्थिति में लगभग 55 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया गया।

हितग्राहियों को चेक वितरित किए गए

कार्यक्रम के दौरान राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत आर.टी.ओ. कार्यालय के पीछे रावांभाठा क्षेत्र में 156.60 लाख रुपये की लागत से निर्मित उद्यान का लोकार्पण किया गया। वहीं अधोसंरचना मद के अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में सी.सी. सड़क, आर.सी.सी. नाली सहित कुल 88 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया, जिनकी कुल लागत 584.91 लाख रुपये है। इन कार्यों से क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा और नागरिकों को बेहतर आवागमन तथा स्वच्छता की सुविधाएं मिलेंगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि बीरगांव के विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। राज्य सरकार शहरों के समग्र विकास और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़कों, नालियों, पेयजल और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है।

इस अवसर पर नागरिकों को आधुनिक और सरल सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम बीरगांव की व्हाट्सएप चैटबॉट सेवा का भी शुभारंभ किया गया। इस सेवा के माध्यम से आम नागरिक घर बैठे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे, विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे तथा नगर निगम से संबंधित सेवाओं का लाभ आसानी से ले सकेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना तथा प्रधानमंत्री आवास योजना और पीएम स्वनिधि योजना के हितग्राहियों को चेक वितरित किए गए। हितग्राहियों ने सरकार की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाली स्वच्छता दीदियों को सम्मानित कर उनके समर्पण को नमन किया गया। इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि बीरगांव केवल एक क्षेत्र नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की धड़कन है। यहां के श्रमिकों और नागरिकों का जीवन सुगम बनाना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि उपमुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में पिछले दो वर्षों में बीरगांव नगर निगम क्षेत्र में लगभग 125 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जा चुके हैं, जबकि आने वाले पांच वर्षों में 500 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सांसद अग्रवाल ने रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बीरगांव में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और आने वाले समय में यह क्षेत्र मोती की तरह चमकेगा। उन्होंने जानकारी दी कि बीरगांव में स्वच्छ पेयजल व्यवस्था के लिए 104 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जबकि अतिरिक्त 22 करोड़ रुपये की एक और योजना स्वीकृत कराने का प्रयास जारी है। इसके अलावा गली-गली की सड़कों के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है तथा क्षेत्र में नए कॉलेज और आत्मानंद स्कूल भी प्रारंभ किए गए हैं।

बिजली बिल और सरचार्ज में छूट का स्वागत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नहरपारा विकास समिति के अध्यक्ष व पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, कार्यकारी अध्यक्ष कुलदीप चावला, उपाध?यक्ष सुरेंद्र छाबडा तथा महामंत्री किशोर आहूजा ने बिजली बिल और अधिभार में छूट घोषित योजना का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार माना है, आहूजा ने कहा है की सरचार्ज में सौ प्रतिशत छूट व मूल बिल में 75 प्रतिशत की छुट एकल बत्ती कनेक्शन धारियो व किसानों के लिए बेहद लाभकारी है योजना में मात्र 10 प्रतिशत राशि जमा करा कर पंजियन कराया जा सकता है

7शेष राशि किश्तो में जमा करना है द्य योजना 30 जून तक लागू है, आहूजा ने कहा की साय किसानो व एकल बत्ती कनेक्शन धारियो के हितैषी है द्य आहूजा ने कहा कि मुख्यमंत्री साय बेहद संवेदनशील हैं, उन्हें समाज के हर वर्ग का ख्याल है, वे जनसमस्याओं का सतत् निराकरण कर विकास कार्यों के माध्यम से आम लोगों की जरूरत को पूरा कर रहे हैं ।

कांदूल में शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण, प्रशासन की कार्रवाई

कलेक्टर के निर्देश पर कांदूल में शासकीय भूमि से हटाया गया अवैध कब्जा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

।कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार एवं एसडीएम रायपुर नंदकुमार चौबे के मार्गदर्शन में आज तहसील रायपुर अंतर्गत ग्राम कांदूल में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई।

प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कांदूल के खसरा नंबर 141/1 की शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया था। उक्त भूमि पर ग्राम कांदूल से मुरा तक सड़क निर्माण का प्रस्ताव है। प्रस्तावित सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन की टीम द्वारा बुलडोजर की सहायता से हटाया गया।प्रशासन ने बताया कि शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने तथा प्रस्तावित सड़क निर्माण कार्य को सुचारु रूप से आगे बढ़ाने के लिए यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर राकेश कुमार देवांगन, अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), हल्का पटवारी उमा प्रधान तथा ग्राम कोटवार सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्व मंत्री ने 7 करोड़ से अधिक की लागत के नवापारा-सतभांवा मार्ग का किया भूमिपूजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने रविवार को विकासखंड सिमगा अंतर्गत ग्राम सकरी में नवापारा -सकरी -सतभांवा मार्ग का विधि -विधान से पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया। पुल पुलियों सहित 7 करोड़ 82 लाख 58 हजार रुपए की लागत इस मार्ग का निर्माण होगा।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि इस सड़क के बनने से लोगों का आवागमन सुगम होगा। हमारी सरकार लगातार विकास कार्य कर रही है। इस बार जिले में कई सड़कों के निर्माण की स्वीकृति मिली है। प्रदेश में अच्छी सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है.। उन्होंने कहा कि समर्थन मूल्य पर किसानों से धान खरीदने के बाद कृषक उन्नति योजना के तहत शेष राशि का एकमुश्त भुगतान भी होली के पहले किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में मोदी की अधिकांश गारंटी पूरी हो गई है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने हम सभी को मिलकर काम करना होगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष आनंद यादव, जनपद अध्यक्ष डॉ दौलतराम पाल.जिला पंचायत सदस्य डॉ मोहव वर्मा, सरपंच कविता वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

क्रिकेट का महासंग्राम- 23वाँ डी.आर.एम. कप 2026 समापन समारोह

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेल खेल संघ, रायपुर द्वारा आयोजित क्रिकेट के महासंग्राम 23वें डी.आर.एम. कप 2026 का भव्य समापन समारोह दिनांक 13 मार्च 2026 को सेकरसा मैदान में उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद जी रहे। कार्यक्रम में मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री भंडारी जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं वरिष्ठ मंडल क्रीड़ा अधिकारी एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री राहुल गर्ग की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। फाइनल मुकाबला ऑपरेटिंग एवं वैगन रिपेयरिंग शॉप (डब्ल्यू.आर.एस.) के बीच खेला गया। इससे पूर्व सेमीफाइनल में ऑपरेटिंग टीम ने ट्रैक मशीन ऑपरेशन को तथा डब्ल्यू.आर.एस. ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। फाइनल मैच का शुभारंभ शानदार आतिशबाजी एवं ढोल-नगाड़ों के बीच हुआ।

टॉस जीतकर डब्ल्यू.आर.एस. ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवरों में 9 विकेट पर 81 रन बनाए। डब्ल्यू.आर.एस. की ओर से रूद्र मूर्ति ने 29 रन तथा के. साई कुमार ने 21 रन का योगदान दिया। ऑपरेटिंग की ओर से ओमप्रकाश सिंह ने 15 रन देकर 3 विकेट तथा श्रीनू ने 2 विकेट हासिल किए।82 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑपरेटिंग टीम की शुरुआत को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि टीम आसानी से लक्ष्य प्राप्त कर लेगी, किंतु डब्ल्यू.आर.एस. के खिलाड़ियों की संघर्षपूर्ण खेल भावना ने मैच का रुख बदल दिया। जीत की दहलीज पर महत्वपूर्ण विकेट गिरने से मुकाबला टाई हो गया। अंतिम ओवर में अम्बिकेश गिरि की सधी हुई गेंदबाजी के सामने ऑपरेटिंग टीम जीत के लिए आवश्यक 10 रन नहीं बना सकी। निर्णय के लिए हुए सुपर ओवर में ऑपरेटिंग की ओर से टिकेंद्र और हेमंत ने एक छक्का और एक चौके की मदद से 11 रन बनाए। जवाब में डब्ल्यू.आर.एस. की ओर से साई और राजा बल्लेबाजी करने उतरे, किंतु वे लक्ष्य तक नहीं पहुँच सके और इस प्रकार ऑपरेटिंग टीम ने रोमांचक मुकाबले में जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की।

टूर्नामेंट में तीसरा स्थान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम ने प्राप्त किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। ओमप्रकाश सिंह को मैन ऑफ द मैच के साथ-साथ बेस्ट बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट के खिताब से नवाजा गया। आरपीएफ के एन. के. महाना को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज तथा अधिकतम छक्के लगाने के लिए पुरस्कृत किया गया। ट्रैक मशीन के ओम प्रकाश को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक तथा उदित नारायण को बेस्ट इमरजिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब ट्रैक मशीन के डोमेश साहू को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्रदान किया गया।

इस वर्ष मंडल में कार्यरत महिला कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने हेतु महिला दिवस के अवसर पर प्रथम महिला डी.आर.एम. कप 2026 का भी आयोजन किया गया। फाइनल मुकाबले में मेकैनिकल टीम ने इलेक्ट्रिक लोको शेड भिलाई को पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम की। कुमारी पंकज सांगवान को उनके उत्कृष्ट ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए विमेन ऑफ द फाइनल तथा विमेन ऑफ द सीरीज चुना गया।

अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन का बुलडोजर, कई स्थानों पर तोड़ी गई अवैध संरचनाएं

कांदूल, भाठागांव, डोमा और दतरेंगा में अवैध प्लाटिंग पर प्रशासन का प्रहार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर रायपुर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश एवं एसडीएम रायपुर के मार्गदर्शन में आज तहसील रायपुर अंतर्गत विभिन्न ग्रामों में अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध कार्रवाई की गई। प्रशासन द्वारा बिना वैध अनुमति के की जा रही प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माणों को हटाया गया। ग्राम कांदूल में लगभग 2-2 एकड़ क्षेत्र में की गई अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई करते हुए निर्मित प्लिंथ को तोड़ा गया तथा बनाए गए अवैध रोड-रास्तों को काटा गया। इस दौरान अतिरिक्त तहसीलदार श्री राकेश कुमार देवांगन सहित अन्यहल्का पटवारी, कोटवार एवं नगर निगम की टीम मौजूद रही। इसी क्रम में ग्राम भाठागांव स्थित खसरा नंबर 940/1, 940/4 एवं 944/1 की लगभग 5 एकड़ भूमि में की जा रही अवैध प्लाटिंग पर भी कार्रवाई की गई। इस दौरान राजस्व विभाग की ओर से नायब तहसीलदार प्रवीण परमार, हल्का पटवारी, कोटवार एवं नगर निगम की टीम मौजूद रही।

इसके अलावा ग्राम डोमा में एक एकड़ तथा ग्राम दतरेंगा में 3 एकड़ से अधिक भूमि में की जा रही अवैध प्लाटिंग पर भी प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई। इस दौरान तहसीलदार राममूर्ति दीवान, हल्का पटवारी एवं ग्राम कोटवार उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

दो दिवसीय छत्तीसगढ़ ग्रीन समिट 2026 का समापन, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पर हुआ व्यापक मंथन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दो दिवसीय आयोजन का समापन समारोह आज पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सभागार में गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के बीच व्यापक चर्चा हुई।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप, मेघालय लोकायुक्त के चेयरमैन सी.पी. मारक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हेड ऑफ फॉरेस्ट) वी. श्रीनिवास राव, मैक कॉलेज की सचिव श्रीमती सरिता अग्रवाल, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला तथा कुलसचिव शैलेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में प्राध्यापक, शोधार्थी, छात्र-छात्राएँ और कला-संस्कृति से जुड़े लोग भी शामिल हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन से हुआ। स्वागत उद्बोधन में वी. श्रीनिवास राव ने कहा कि यह ग्रीन समिट जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के विषय में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे विशेषज्ञों और विद्यार्थियों को पर्यावरणीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श करने तथा सतत विकास के लिए नए समाधान तलाशने का अवसर मिला है।

कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए ज्ञान, शोध और नवाचार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का सशक्त माध्यम भी है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों और शोधार्थियों को अपने अनुभव और शोध साझा करने का अवसर मिलता है। वन मंत्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी समृद्ध वन संपदा, आदिवासी संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के लिए विशेष पहचान रखता है। पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के लिए सरकार, समाज और युवाओं को मिलकर कार्य करना होगा।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर के प्राणीशास्त्र विभाग, ने 12 13 मार्च 2026 को विश्वविद्यालय परिसर में जलवायु परिवर्तन, सतत विकास और स्मार्ट कृषि पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICSS-2026) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। दो दिवसीय इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत तथा विदेशों से आए वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा उभरती हुई पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके सतत समाधान पर विचार-विमर्श किया। सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि सुनील मिश्रा, आईएफएस, नोडल अधिकारी,

छत्तीसगढ़ राज्य जलवायु परिवर्तन केंद्र द्वारा किया गया। अपने संबोधन में मिश्रा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए व्यक्तिगत जीवनशैली और उपभोग के तरीकों में बदलाव आवश्यक है। उन्होंने समाज से अधिक जिम्मेदार और सतत आदतों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन और उपभोग से बचना चाहिए। मिश्रा ने वैश्विक संघर्षों और युद्धों का प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में भी बताया। उन्होंने विशेष रूप से आर्द्रभूमि (वेटलैंड) और अन्य संवेदनशील पारिस्थितिक तंत्रों का उल्लेख किया, जो ऐसे संकटों के दौरान अक्सर क्षरण और नुकसान का सामना करते हैं। उन्होंने आगे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू की गई विभिन्न पहलों और योजनाओं का भी उल्लेख किया। इनमें वन संरक्षण, जलवायु-अनुकूल विकास तथा प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं। उद्घाटन सत्र में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती समंती सरकार, वैज्ञानिक 'एफ' एवं प्रमुख, मौसम विज्ञान केंद्र, रायपुर भी उपस्थित रहीं। अपने संबोधन (रूश्वस्) के कार्यक्षेत्र के बारे में प्रदान करने में भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मौसम पूर्वानुमान, जलवायु सेवाओं और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के माध्यम से किसानों को सही समय पर जानकारी मिलती है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

बस्तर सांसद ने किया करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिपूजन

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर लोकसभा के विकासखंड बकावंड के ग्राम कोसमी, राजनगर, बोरीगाँव और पाउरबेल में बस्तर सांसद महेश कश्यप एक दिवसीय सघन प्रवास पर रहे। इस दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। ग्रामों में पहुँचने पर स्थानीय ग्रामीणों और पारंपरिक लोक कलाकारों ने गाजे बाजे के साथ बस्तर सांसद महेश कश्यप का आत्मीय व भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने पुष्पहारों और पारंपरिक तिलक के साथ अपने जनप्रतिनिधि का अभिनंदन किया।

सांसद श्री कश्यप ने इस दौरे के माध्यम से क्षेत्र के शैक्षणिक और

सांस्कृतिक ढांचे को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपये की लागत वाले विभिन्न निर्माण कार्यों की आधारशिला रखी। उन्होंने ग्राम कोसमी और तोंगकोंगेरा में 100-100 सीटर प्री-मैट्रिक छात्रावास भवनों का विधिवत भूमिपूजन किया। इन छात्रावासों के निर्माण से वनांचल और दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को रहने और शिक्षा प्राप्त करने के लिए सुसज्जित एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध होगा। इसी क्रम में उन्होंने ग्राम बोरीगाँव में हाई स्कूल भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया, जिससे क्षेत्र में उच्च शिक्षा की सुगमता बढ़ेगी। क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर और देव-परंपरा के संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए सांसद श्री कश्यप ने राजनगर में बाली उत्सव हेतु विशेष मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने राजनगर और पाऊरबेल में आयोजित बाली उत्सव में शामिल हुए। उत्सव के दौरान उन्होंने स्थानीय देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर बस्तर की सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विकास केवल सड़कों और भवनों तक भी हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष सोनबारी भद्रे, भाजपा मंडल अध्यक्ष तरुण पांडे, जितेंद्र पाणिग्रही, पीतांबर कश्यप, धनुर्जय कश्यप, अनिल बीसाई, उपस्थिति रहे।

शहर के दो होटलों से तीन घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त, खाद्य विभाग ने की कार्रवाई

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार खाद्य विभाग की टीम द्वारा होटलों एवं प्रतिष्ठानों में दबिश देकर घरेलू गैस सिलेण्डर का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग करने वाले संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में आज खाद्य अमले द्वारा धमतरी शहर के गोलबाजार एवं बठेना, बस स्टैण्ड स्थित दो होटलों में तीन घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त कर संचालकों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार निरीक्षण के दौरान बैगा होटल गोल बाजार में अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग किया जाना पाया गया। होटल संचालक से दो

घरेलू गैस सिलेण्डर, एक रेगुलेटर पाईप सहित बर्नर की जप्ति की गई। इसी तरह बठेना-बस स्टैण्ड स्थित दीपू होटल व कैलाश होटल में जांच के दौरान घरेलू गैस सिलेण्डर का अवैध उपयोग करते पाए जाने पर उक्त प्रतिष्ठान के संचालक के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एक घरेलू गैस सिलेण्डर, एक सिंगल बर्नर चूल्हा और पाईप सहित रेगुलेटर जब्त किया गया।

उक्त प्रतिष्ठानों पर द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय और वितरण विनियम) आदेश 2000 की कंडिका 03 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 सहपठित धारा 7 के उल्लंघन के तहत नियमानुसार कार्रवाई की गई। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में अवैध रूप से घरेलू गैस सिलेण्डरों का उपयोग करने वाले संचालकों के विरूद्ध आगे भी सतत् कार्रवाई की जाएगी।

धारदार हथियार लहरा डरा रहा आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर जिले के थाना नगरनार क्षेत्र में लोगों को धारदार हथियार दिखाकर डराने-धमकाने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से एक धारदार लोहे का हथियार बरामद किया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 12 मार्च

को सूचना मिली कि ग्राम मारकेल रोड स्थित चिंगडु ट्रैक्टर गैरेज के सामने एक व्यक्ति धारदार हथियार लहराकर लोगों को डरा-धमका रहा है, जिससे आसपास के लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी का नाम राजु यादव ग्राम मारकेल थाना नगरनार है। आरोपी के कब्जे से एक धारदार लोहे का हथियार बरामद कर जब्त किया गया। आरोपी का कृत्य आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत अपराध पाए जाने पर थाना नगरनार में अपराध क्रमांक 35/2026 दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

बस्तर के शिक्षा दूतों का सम्मान

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण और नवाचार की इबारत लिखते हुए बस्तर जिले में जिला स्तरीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिला शिक्षा विभाग और ओपन लिंक्स फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में उन शिक्षकों को मंच प्रदान किया गया, जिन्होंने अपनी कार्यकुशलता से बस्तर की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की नींव रखी है। यह पूरा अभियान कलेक्टर आकाश छिकारा के कुशल नेतृत्व और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षकों के भीतर छिपी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना है।

इस गरिमामयी समारोह के दौरान जिले के 14 चुनिंदा शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'बोलेगा बचपन' पुरस्कार एवं सम्मान से नवाजा गया। सम्मानित होने वाले इन शिक्षकों में वैशाली त्यागी, गीता सिन्हा, पूर्णिमा मांडवी, श्रीमती अपर्णा पॉल, संगीता शोरी, रिंकी नेताम, उपासना साहू, रीना साहू, किरण तिवारी, थलेश गंजीर, कामेश्वरी कश्यप, खिरमनी तिवारी, ऋतु राजवाड़े और नोगेश्वर कुमार साहू शामिल हैं। इन सभी शिक्षकों ने अपने-अपने विद्यालयों में पारंपरिक शिक्षण पद्धतियों से हटकर अभिनव प्रयोग किए और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

उल्लेखनीय है कि यह पुरस्कार ओपन लिंक्स फाउंडेशन के 'आचार्य विनोबा भावे सहायक शिक्षक कार्यक्रम' की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके अंतर्गत 'पोस्ट ऑफ द मंथ' जैसी पहलों के माध्यम से उन शिक्षकों को पहचान दी जा रही है जो बच्चों के भाषा कौशल, कविता पाठ और स्पोकन इंग्लिश जैसी गतिविधियों में सुधार के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

29 घरेलू सिलेंडर जब्त

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर खाद्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सख्त कार्रवाई की है। टीम ने जिले के विभिन्न होटल और ढाबों की गहन जांच कर 14 प्रतिष्ठानों से 29 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए।

खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि जांच के दौरान कोंडागांव क्षेत्र में लक्ष्मी विलास होटल से 4, शैलेश होटल से 1 तथा हयात फूड कॉर्नर से 1 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया।

इसी प्रकार फरसगांव क्षेत्र में पुष्पा होटल बोरगांव से 2, राजवंशी होटल बोरगांव से 3, अमृत सागर स्वीट्स फरसगांव से 2 तथा मनसा डेली नीड्स बेडमा से 2 तथा इब्राहिम चाय-नाश्ता केंद्र केशकाल से 3 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। होटल फरसगांव से 1 सिलेंडर जब्त किया गया। साथ ही बड़ेराजपुर क्षेत्र में पूर्णिमा होटल विश्रामपुरी से 5 , निषाद होटल से 1, महेंद्र ढाबा से 1 और चमक होटल से 1 सिलेंडर जब्त किया गया और केशकाल क्षेत्र में सिंघनपुर ढाबा से 2, शारदा

रेत की अवैध खुदाई, भस्कली नदी से पोकलेन मशीन जब्त

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले में खनिज संपदा के अवैध दोहन को रोकने के लिए कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कड़ी में शनिवार को तहसील बकावंड के ग्राम तारापुर में खनिज विभाग द्वारा एक बड़ी कार्रवाई की गई।

खनि अधिकारी श्री चेरपा के मार्गदर्शन में खनिज दल ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्य की अंतर्राज्यीय सीमा पर स्थित भस्कली नदी पर औचक जहाँ बड़े पैमाने पर रेत का अवैध उत्खनन किया जा रहा था।

खनिज विभाग के जाँच के दौरान मौके पर रेत निकालते हुए एक पोकलेन मशीन पाई गई, जिसे विभाग ने तत्काल प्रभाव से सील कर सुपुर्दगी में ले लिया है। साथ ही उक्त प्रकरण में नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जा रही है।

पुरंगेल, बड़ेपल्ली-बेंगपाल का होगा कायाकल्प

दंतेवाड़ा, प्रतिदिन राजधानी

दंतेवाड़ा प्रशासन जिले के दुर्गम गांव में पहुंचकर अंतिम व्यक्ति को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने संकल्पित हैं। इसी कड़ी में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने जिले के दूरवर्ती गांवों पुरंगेल, बड़ेपल्ली और बेंगपाल का सघन दौरा शनिवार को किया।

पुरंगेल का सफर पगडंडियों और वन क्षेत्रों से संभव हो पाता है। इससे इस गांव की पहुंच का अनुमान लगाया जा सकता है। इसके फलस्वरूप कलेक्टर द्वारा पुरंगल तक सफर हेतु दोपहिया को माध्यम बनाया गया। जब जिला प्रशासन ग्रामीणों तक पहुंचा तो ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी नजर आई। पुरंगेल, बेंगपाल और बड़ेपल्ली जैसे आश्रित गांवों की स्थिति का जायजा लेते हुए कलेक्टर ने पाया कि यहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ विकास के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा हैं।

ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं को सुनते हुए श्री ध्रुव ने स्पष्ट किया कि अब इन गांवों की तस्वीर बदलेगी। उन्होंने मौके पर ही प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अधिकारियों को पुरंगेल तक अविलंब प्राक्कलन तैयार कर सड़क निर्माण करने का आदेश दिया। कलेक्टर का मानना है कि सड़कें विकास की प्रथम सीढ़ी है। उन्होंने घोषणा की कि सड़क बनते ही यहाँ आंगनबाड़ी और सर्वसुविधायुक्त स्कूल भवनों की स्वीकृति दी जाएगी।

आर्थिक सक्षमता पर जोर

ग्रामीणों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए भी चौतरफा रणनीति बनाई गई है। कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल के लिए कुंआ, नलकूप और हैंडपंप की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। वहीं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ग्रामीणों को बकरी और सूअर पालन जैसी आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जाएगा।

उद्यानिकी एवं मत्स्य विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन का अवलोकन

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने शुक्रवार को ग्राम जरेबेन्दरी में उद्यानिकी विभाग की योजनाओं

से लाभान्वित किसान लुमन भण्डारी द्वारा किए जा रहे समन्वित कृषि कार्यों का अवलोकन किया। श्री भण्डारी को राज्य पोषित योजनान्तर्गत घटक समेकित उद्यानिकी विकास योजना के विभिन्न घटकों जैसे फेंसिंग, नलकूप खनन सह पम्प प्रतिस्थापन, फलोद्यान एवं अन्तरवर्ती फसल के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये की अनुदान राशि प्रदान की गई है। कृषक द्वारा समन्वित कृषि प्रणाली के तहत सूरजमुखी की खेती के साथ ही बत्तख पालन, मुर्गी पालन, टर्की पालन एवं सुअर पालन का कार्य भी किया जा रहा है। कलेक्टर ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए इसे अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायी बताया।

इसके पश्चात कलेक्टर ने कोंडागांव विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम बड़ेबेन्दरी के किसान श्री भरत राम द्वारा संकर बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत की जा रही लौकी एवं बैंगन फसलों का निरीक्षण किया। किसान द्वारा बताया गया कि इस कार्य से प्रति हेक्टेयर लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये तक का शुद्ध लाभ प्राप्त हो रहा है। इस कार्य के लिए उद्यानिकी

मटवाल जनसमस्या निवारण शिविर, दिव्यांगों को सहायक उपकरण

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

जनपद पंचायत कोंडागांव अंतर्गत मटवाल में शुक्रवार को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने कहा कि शासकीय योजनाओं की पहुंच हेतु शिविर के माध्यम से आसानी से एक ही जगह पर लाभ दिलाने प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। इसी प्रकार जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम और जिला पंचायत सदस्य यशोदा रामचन्द्र कश्यप और जनपद उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर ने भी ग्रामीणों को को शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूक किया। कलेक्टर सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने शिविर में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण कर प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली और अधिकारियों को आवेदनों का समुचित एवं त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामवासियों से 241 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर के दौरान समाज कल्याण विभाग द्वारा 10 दिव्यांगजनों को ट्रायसिकल एवं अन्य सहायक उपकरण प्रदान की गई। इसी प्रकार विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10 आयुष्मान कार्ड, राजस्व विभाग द्वारा मौके पर ही आवेदनों का निराकरण करते हुए 4 ऋण पुस्तिकाएं वितरित की गईं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 01 गोदभराई का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसी प्रकार मत्स्य विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को मछली जाल का वितरण, 14 जाति प्रमाण पत्र, 8 जन्म प्रमाण पत्र सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं के तहत कई हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

आयुष्मान और वय वंदन कार्ड वितरण में प्रदेश का अग्रणी जिला बना बस्तर

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बीच बसे बस्तर जिले ने जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य पोर्टल द्वारा 11 मार्च 2026 तक जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार बस्तर जिला आयुष्मान भारत और वय वंदन कार्ड वितरण के मामले में प्रदेश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिलों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो गया है। कठिन रास्तों और भाषाई विविधताओं के बावजूद जिला प्रशासन की सक्रियता का ही परिणाम है कि आज बस्तर स्वास्थ्य सुरक्षा के मामले में कई विकसित और शहरी जिलों को पीछे छोड़ते हुए सफलता की नई इबारत लिख रहा है। बस्तर की इस अभूतपूर्व सफलता की पटकथा लिखने में जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उल्लेखनीय है कि जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य

अधिकारी-कर्मचारी के अधिकांश पदों पर महिलाओं की नियुक्ति है, जिन्होंने अपनी संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा से इस अभियान को जन-आंदोलन बना दिया है। इन महिला स्वास्थ्य अधिकारियों-कर्मचारियों ने हाट-बाजारों से लेकर सुदूर दुर्गम गाँवों तक पहुँचने की रणनीति अपनाई, जिससे भाषाई और भौगोलिक बाधाएं भी विकास की राह नहीं रोक सकीं। आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत कवरेज की दिशा में बढ़ते हुए बस्तर ने अब तक 98.2 प्रतिशत आबादी को सुरक्षा कवच प्रदान कर दिया है। जिले के कुल निर्धारित 7,87,364 सदस्यों के लक्ष्य के मुकाबले 7,73,468 कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो न केवल जिले की औसत 90.8 प्रतिशत से भी कहीं अधिक है। विशेष रूप से पारीवारिक कवरेज के मामले में तो बस्तर ने अपने लक्ष्य को पार करते हुए 116.4 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है, जो इस बात का प्रमाण है कि जिले का हर परिवार अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के दायरे में आ चुका है।

बस्तर हेरिटेज मैराथन के लिए प्री-इवेंट, दलपत सागर द्वीप में योग और जुम्बा सत्र

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर हेरिटेज मैराथन के आयोजन को लेकर शहर में उत्साह का माहौल बनता जा रहा है। आगामी 22 मार्च को आयोजित होने वाली बस्तर हेरिटेज मैराथन में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को प्री-इवेंट के तहत शहर के दलपत सागर के द्वीप में योग एवं जुम्बा सत्र का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर महापौर संजय पांडे ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में पहला फुल मैराथन बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन 22 मार्च को किया जा रहा है। बड़ी संख्या में मैराथन के लिए पंजीयन कर सकारात्मक ऊर्जा के साथ बस्तर हेरिटेज मैराथन में शामिल हो और दौड़े जरूर । बस्तर में फुल मैराथन का आयोजन जरूरी था जिस प्रकार से शासन-प्रशासन शांति, एकता, संस्कृति के साथ विकास का प्रयास कर रही है। उसी के साथ ही बस्तर की विविध क्षेत्र में छुपी हुई प्रतिभाओं को अवसर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में खेल गतिविधियों के लिए बस्तर ओलंपिक और बस्तर के जनजातीय सांस्कृतिक विविधता के संरक्षण के लिए बस्तर पण्डुम का आयोजन किया जाता रहा है। इस मैराथन में अधिक से अधिक लोगों की पंजीयन और दौड़ में शामिल होने से क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को अवसर के साथ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा साथ ही दूरगामी सुखद परिणाम भी हमको देखने मिलेंगा।

इस अवसर पर कमिश्नर डोमन सिंह ने मैराथन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मैराथन में अधिक संख्या में लोगों की भागीदारी के लिए यह प्री इवेंट किया गया था। इस बस्तर मैराथन में अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, प्रदेश के धावक अन्य स्थलों से आ रहे हैं उनका स्वागत हमे बेहतर तरीके से करना है ताकि बस्तर से वे अच्छी यादों के साथ जाए। आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि बस्तर संभाग में अबूझमाड़ पीस मैराथन (21 किमी) के साथ अब फुल मैराथन के लिए बस्तर हेरिटेज मैराथन का आयोजन किया जा रहा है यह क्षेत्र में शांति, एकता और सद्भावना के साथ विकास का बढ़ावा देने का संदेश है। इस मैराथन में देश-विदेश से धावक आएंगे इसलिए अधिक सहभागिता तथा मेहमानों का खुले दिल से स्वागत करते हुए कार्यक्रम को यादगार व सफल बनाने का प्रयास किया जाएगा।

गुण्डाधुर कॉलेज में श्री अन्न पोषण मेला

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोण्डागांव की प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम के निर्देशन में छत्तीसगढ़ शासन की रुसा 2.0 योजना द्वारा प्रायोजित 'श्री अन्न (मिलेट) पोषण मेला' का आयोजन महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग एवं रुसा इकाई के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में मिलेट (श्री अन्न) के पोषणात्मक महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा पारंपरिक खाद्यान्नों के उपयोग को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई तथा मुख्य स्रोत वक्ता के रूप में शासकीय राजीव लोचन महाविद्यालय राजिम के सहायक प्राध्यापक डॉ. भानु प्रताप नायक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की प्रस्तावना का वाचन कार्यक्रम की समन्वयक नेहा बंजारे द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने श्री अन्न के महत्व, कार्यक्रम के उद्देश्य तथा आयोजन की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्राचार्य डॉ. सरला आत्राम ने कहा कि मिलेट केवल पारंपरिक अनाज ही नहीं बल्कि भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी और स्वास्थ्यवर्धक खाद्यान्न हैं।

इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज हारे

मेदवेदेव ने 6-3, 7-6 से हराया, विमेंस सिंगल्स के फाइनल में आर्यना सबालेंका पहुंची, रायबाकिना से होगा मुकाबला

नई दिल्ली। कैलिफोर्निया में चल रहे इंडियन वेल्स ओपन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को मेन्स सिंगल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। रूस के डेनियल मेदवेदेव ने अल्काराज को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अल्काराज ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन अपने नाम किया था। वहीं, विमेंस सिंगल्स में टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताब के लिए उनका मुकाबला एलिना रायबाकिना से होगा।

मेदवेदेव ने अल्काराज को संभलने का मौका नहीं दिया

मेन्स सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव और कार्लोस अल्काराज 6-3, 7-6(3) से हराया। रूसी खिलाड़ी ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक लेकर मैच पर नियंत्रण बना लिया और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में अल्काराज ने वापसी की कोशिश की और खेल को टाई-ब्रेकर तक खींच ले गए। हालांकि, टाई-ब्रेक में मेदवेदेव ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 7-6(3) से जीत दर्ज की और फाइनल का टिकट पक्का किया।

जैनिक सिनर से होगा मेदवेदेव का फाइनल मुकाबला

खिताबी मुकाबले में मेदवेदेव के सामने वर्ल्ड नंबर-2 जैनिक सिनर की चुनौती होगी। सिनर ने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को एकतरफा अंदाज में 6-2, 6-4 से मात दी। ज्वेरेव एटीपी मास्टर्स-1000 के सभी नौ टूर्नामेंट में सेमीफाइनल खेलने वाले सिर्फ पांचवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले राफेल नडाल, नोवाक जोकोविच, रोजर फेडरर और एंडी मरे यह उपलब्धि हासिल किया था।

सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को सीधे सेटों में हराया

विमेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने चेक रिपब्लिक की लिंडा नोस्कोवा को 6-3, 6-4 से शिकस्त दी।

बीसीसीआई ने फिक्सिंग में फंसे वीडियो एनालिस्ट राजा पर लगाया आजीवन प्रतिबंध

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने रणजी ट्रॉफी मैच में फिक्सिंग को देखते हुए वीडियो एनालिस्ट राजा रेड्डी पर प्रतिबंध लगा दिया है। बोर्ड ने इस एनालिस्ट को भ्रष्ट तरीके अपनाने के लिए आजीवन प्रतिबंधित कर दिया है। प्राप्त जानकार के अनुसार बीसीसीआई की एक समिति ने बोर्ड की एंटी-करप्शन विंग की जांच के बाद वीडियो एनालिस्ट राजा पर ये प्रतिबंध लगाया है। ये मामला फरवरी, 2024 की है उस समय इंदौर में आंध्र और मध्य प्रदेश के बीच हुए रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मैच में राजा रेड्डी ने आंध्र के खिलाड़ी गिरिनाथ रेड्डी से फिक्सिंग के लिए संपर्क किया था। राजा उस क्वार्टर फाइनल मैच में बीसीसीआई के एनालिस्ट थे। वह पीएमओव से मान्यता प्राप्त थे और उन्हें थर्ड अंपायर और मैच रेफरी के लिए तय कमरे में बैठने की अनुमति थी। आंध्र टीम मैनेजर की शिकायत के बाद एसीयू अधिकारी ने इस मामले में कदम उठाये। आंध्र टीम के खिलाड़ी गिरिनाथ ने एसीयू को दिए बयान में बताया कि मैच से एक दिन पहले राजा ने उनसे अंतिम ग्यारह की जानकारी मांगी और दो ओवर में पांच रन देने के बदले 5 लाख रुपये का प्रस्ताव रखा। इस दौरान व्हाट्सएप कॉल और चैट हिस्ट्री से पता चला कि राजा ने बार-बार गिरिनाथ से संपर्क करने का प्रयास किया पर गिरिनाथ ने साफ मना कर दिया और कहा कि वह यह घटना अपने टीम मैनेजर को बताएंगे। बोर्ड की समिति के सदस्य अरुण मिश्रा के अनुसार जांच के दौरान राजा रेड्डी ने अपनी व्हाट्सएप हिस्ट्री डिलीट कर दी थी, उन्होंने गिरिनाथ को फोन करने की बात मानी पर पैसे देने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि वह अंतिम ग्यारह का पता इसलिए लगाना चाहते थे ताकि टीम में गुटबाजी और अन्य समस्याओं का कारण पता चल सके।

टी20 सीरीज : कप्तान अमेलिया केर की तूफानी पारी न्यूजीलैंड ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 80 रन से हराया

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज की शुरुआत रविवार को हुई। बे ओवल में खेले गए पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 80 रन के बड़े अंतर से हराकर सीरीज 1-0 की बढ़त ले ली है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 190 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया प्लिमर ने 44 गेंदों पर 3 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 63 और कप्तान अमेलिया केर ने 44 गेंदों पर 2 छक्कों और 11 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 83 गेंदों पर 146 रन की साझेदारी हुई। इस साझेदारी ने ही शून्य पर पहला विकेट गंवा चुकी न्यूजीलैंड के बड़े और सुरक्षित स्कोर की नींव रखी। प्लिमर और केर के अलावा कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सकीं। दक्षिण अफ्रीका के लिए मासाबाता क्लास और नाडिन डे क्लार्क ने 2-2 विकेट लिए। अयाबोंगा खाका, एन मल्बा को 1-1 विकेट मिला।

191 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम न्यूजीलैंड की कसी हुई और घातक गेंदबाजी के सामने 20 ओवर में 7 विकेट पर 110 रन ही बना सकी और 80 रन से मुकाबला हार गई। तंजिम ब्रिट्स ने सर्वाधिक 29 और कायला रेनेके ने नाबाद 24 रन बनाए। नाडिन डे क्लार्क ने 19 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड के लिए जेस केर ने 2 और सोफी डिवाइन ने 4 ओवर में 12 रन देकर 4 विकेट लिए। 78 रन की पारी खेलने वाली न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। न्यूजीलैंड ने इस जीत के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। दूसरा मुकाबला 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा।

विश्व कप हीरो संजू सैमसन को केरल सरकार करेगी सम्मानित, आज आयोजित होगा विशेष कार्यक्रम

तिरुवनंतपुरम। भारतीय क्रिकेट टीम को टी20 विश्व कप 2026 में चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को उनके गृह राज्य केरल की सरकार द्वारा आज सम्मानित किया जाएगा। इसकी पुष्टि केरल सरकार के खेल मंत्रालय ने की है। मंत्रालय के मुताबिक, राज्य सरकार टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्य और टूर्नामेंट के श्रेष्ठ खिलाड़ी रहे संजू सैमसन को सम्मानित करेगी। सम्मान आज शाम 4 बजे तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेडियम में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान करेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार के अन्य मंत्री और विभागों के मुख्य सचिव और गणमान्य अतिथि कार्यक्रम का हिस्सा बनेंगे। राज्य खेल मंत्रालय ने संजू सैमसन के स्वागत के लिए शानदार इंतजाम किया है। इससे पहले विश्व कप के बाद पहली बार तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर एयरपोर्ट पर संजू सैमसन का गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। संजू सैमसन टी20 विश्व कप 2026 में अपने प्रदर्शन के दम पर सबसे अहम और चर्चित खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती चरण के अधिकांश मैचों से बाहर रहे सैमसन को टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में मौका मिला था। उस मैच में सैमसन ने 15 गेंदों पर 24 रन बनाए थे। इस छोटी पारी में उनका आत्मविश्वास साफ दिखा था। इसके बाद अगले तीन मैचों में संजू सैमसन की खेली तीन यादगार पारियों ने न सिर्फ भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने में सबसे अहम भूमिका अदा की, बल्कि उनका नाम भी इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित करा दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्वार्टरफाइनल जैसे मुकाबले में 50 गेंदों पर नाबाद 97 रन की पारी खेल सैमसन ने भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचाया था।

सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 42 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल इस दाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज ने टीम इंडिया को फाइनल का टिकट दिलाया। फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन की पारी खेल भारत की खिताबी जीत की पटकथा लिखी।

वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच रहे संजू सैमसन ने टूर्नामेंट में केवल 5 मैच खेले और लगभग 200 की स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाए। उन्हें टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के सम्मान से नवाजा गया। सैमसन की पारियों ने दुनियाभर के भारतीय क्रिकेट फैंस को रोमांचित कर दिया था।

इंडोरामा वेंचर्स ओपन 2026 : तीसरे राउंड के बाद सप्तक तलवार और ध्रुव श्योराण संयुक्त रूप से शीर्ष पर

अहमदाबाद। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के यूएस300,000 (लगभग 2.7 करोड़) पुरस्कार राशि वाले इंडोरामा वेंचर्स ओपन गोल्फ चैंपियनशिप 2026 के तीसरे राउंड के बाद सप्तक तलवार और ध्रुव श्योराण संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर हैं। यह टूर्नामेंट अहमदाबाद के कलहार ब्लूज़ एंड ग्रीन्स गोल्फ क्लब में खेला जा रहा है। सप्तक (68-71-69) और ध्रुव (69-69-70) दोनों का कुल स्कोर आठ अंडर 208 रहा। सप्तक के बिना किसी बोगी के 69 के स्कोर ने उन्हें तीन स्थान ऊपर पहुंचाया, जबकि ध्रुव के 70 के स्कोर ने उन्हें एक स्थान ऊपर पहुंचाया। मनु गंडास ने दिन का संयुक्त रूप से सबसे कम 67 का स्कोर बनाया और 11 स्थान की छलांग लगाकर सात अंडर 209 के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए। आर्यमान आदित्य मोहन ने भी दिन का संयुक्त रूप से सर्वश्रेष्ठ 67 का स्कोर बनाया और छह अंडर 210 के साथ चौथे स्थान पर रहे। उनके साथ अर्जुन प्रसाद (69) और फ्रांस के क्लेमेंट सोर्दे (71) भी संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। हम अपने टूर्नामेंट के टाइटल स्पॉन्सर इंडोरामा वेंचर्स का उनके सहयोग के लिए धन्यवाद करते हैं। हम अपने ऑफिशियल अम्ब्रेला पार्टनर डीपी वर्ल्ड तथा टूर पार्टनर्स अमूल, एक्सिस बैंक, विक्टोरियस चॉइस, कैम्पा, अमृतांजन इलेक्ट्रो प्लस, गोल्फ प्लस मंथली और गोल्फ डिजाइन इंडिया के भी आभारी हैं, जिन्होंने टूर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सप्तक तलवार, जो दूसरे राउंड के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर थे और लीड से दो शॉट पीछे थे, ने शनिवार को अपने बिना बोगी के शानदार राउंड से खिताबी दावेदारी मजबूत की। ग्रेटर नोएडा के रहने वाले और पिछले वर्ष डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई के विजेता रहे सप्तक ने चौथे, आठवें और 12वें होल पर 10 से 20 फीट की दूरी से तीन बर्डी लगाईं। सप्तक ने कहा, 'मैं लगातार बर्डी के मौके बना रहा हूं। पटर उतना साथ नहीं दे रहा जितना मैं चाहता था, लेकिन मैंने पहले तीन दिनों में सिर्फ तीन बोगी के साथ गलतियों को कम रखा है। मुझे लगता है कि मेरा खेल सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह कोर्स टी शॉट्स के लिहाज से काफी चुनौतीपूर्ण है और मुझे लगता है कि मैंने अब तक अपने टी शॉट्स अच्छे खेले हैं।' ध्रुव श्योराण, जो दूसरे राउंड के बाद तीसरे स्थान पर थे और लीड से एक शॉट पीछे थे, उन्होंने भी लगातार अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। गुरुग्राम के रहने वाले और तीन खिताब जीत चुके ध्रुव ने शनिवार को चार बर्डी और दो बोगी के साथ अपना राउंड पूरा किया। उन्होंने तीसरे दिन 10 से 15 फीट की दूरी से कुछ शानदार पुट भी डाले। ध्रुव, जो पिछले सप्ताह डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई की 72 द लीग जीतने वाली राजस्थान रेगल्स टीम का हिस्सा थे, ने कहा, 'मैंने अपने गेम प्लान पर कायम रहते हुए खेला। मैं खुद से यही कहता रहा कि गेंद को खेल में बनाए रखना है। जब हवा तेज हुई तो मैंने गेंद को हवा के नीचे रखने की कोशिश की और परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाला। चौथे राउंड में खिताब की दौड़ में बने रहना मेरे लिए उत्साहजनक है। पिछले दो हफ्तों में 72 द लीग खेलने से मुझे दबाव की स्थिति में खेलने के लिए अच्छी तैयारी मिली है।' दूसरे राउंड के बाद संयुक्त बढ़त पर रहने वाले झेरेड हैक और बृजेश कुमार का प्रदर्शन तीसरे दिन कमजोर रहा। झेरेड ने 74 और बृजेश ने 76 का स्कोर बनाया। जहां झेरेड पांच अंडर 211 के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं, वहीं बृजेश तीन अंडर 213 के साथ संयुक्त 16वें स्थान पर खिसक गए।

ईरान महिला फुटबॉल टीम की 3 और सदस्य लौटेंगी

ऑस्ट्रेलिया में रिफ्यूजी बनकर रहने का फैसला बदला, अब सिफ 4 खिलाड़ी सिडनी में रूकीं

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने का फैसला करने वाली सात ईरानी महिला फुटबॉल टीम की तीन खिलाड़ियों ने अपना निर्णय बदल लिया है और अब वे अपने देश ईरान लौट रही हैं। ऑस्ट्रेलिया के गृह मंत्री टोनी बर्क ने रविवार को जारी बयान में इसकी पुष्टि की। इन तीन खिलाड़ियों के लौटने के बाद, अब केवल चार खिलाड़ी ही ऑस्ट्रेलिया में रह गई हैं।

दरअसल, एशिया कप के दौरान साउथ कोरिया के खिलाफ मैच में ईरानी टीम ने अपना राष्ट्रगान नहीं गाया था। इसके बाद ईरान में कुछ लोगों ने टीम की कड़ी आलोचना की और खिलाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इसी डर के चलते पहले पांच खिलाड़ियों ने और बाद में टीम के दो अन्य सदस्यों ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार से शरण मांगी थी।

ऑस्ट्रेलिया ने उन्हें मानवीय आधार पर वीजा देकर देश में रहने की अनुमति दी थी। टीम में कुल 26 खिलाड़ी और स्टाफ मौजूद थे, लेकिन सात खिलाड़ियों ने ही शरण मांगी थी।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने फैसले पर दोबारा सोचने का मौका दिया : गृह मंत्री टोनी बर्क ने बताया कि ईरानी टीम की तीन सदस्यों ने बाकी टीम के साथ जुड़ने और ईरान वापस जाने का फैसला किया। बर्क के मुताबिक, जब इन खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों को अपने फैसले के बारे में बताया, तो उन्हें अपनी पसंद और विकल्पों पर दोबारा विचार करने के लिए कई मौके दिए गए, ताकि वे बिना किसी दबाव के निर्णय ले सकें।

मलेशिया के रास्ते होगी ईरान वापसी

सरकारी अधिकारियों के अनुसार, तीन सदस्य सिडनी से कुआलालंपुर (मलेशिया) के लिए रवाना हुए। ईरान की टीम ऑस्ट्रेलिया से निकलने के बाद से कुआलालंपुर में ही रुकी हुई है। ईरान की तसनीम न्यूज एजेंसी ने बताया कि लौटने वाले इन तीन सदस्यों में दो खिलाड़ी और एक सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं।

ईरानी मीडिया ने इसे 'प्रोजेक्ट' की विफलता बताया

खिलाड़ियों के वापस लौटने के फैसले पर ईरान की न्यूज एजेंसी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। तसनीम न्यूज एजेंसी ने इसे 'अमेरिकी-ऑस्ट्रेलियाई प्रोजेक्ट' की शर्मनाक हार करार दिया है। साथ ही इसे डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक और विफलता बताया है। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में बचे हुए तीन सदस्यों के भविष्य को लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

फीफा विश्व कप 2026 : प्ले-ऑफ के लिए प्राइवेट प्लेन से मेक्सिको जाएगी इराक की टीम

नई दिल्ली। इराक फुटबॉल एसोसिएशन के प्रमुख अदनान दिरजाल ने रविवार को कहा कि टीम 31 मार्च को मेक्सिको के मॉन्टेरी में होने वाले फीफा विश्व कप 2026 इंटरकॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ में हिस्सा लेगी। अमेरिका-इजरायली हमले शुरू होने और ईरान के आस-पास के दूसरे देशों पर मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करके जवाबी हमला करने के बाद 28 फरवरी से मिडिल ईस्ट का एयरस्पेस बंद है। सफर में आने वाली दिक्कतों के बावजूद इराक फुटबॉल टीम प्राइवेट प्लेन से मेक्सिको जाएगी, जिसने पहले ही सभी खिलाड़ियों को जरूरी प्लेऑफ के लिए वीजा दे दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दिरजाल ने कहा, 'इन्फेंटिनो (फीफा अध्यक्ष) ने मैटियास ग्राफस्ट्रॉम (फीफा महासचिव) को हमारी राष्ट्रीय टीम के मेक्सिको जाने में मदद करने और सभी मुश्किलों को दूर करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय टीम इस सप्ताह के आखिर में एक निजी प्लेन से मेक्सिको के लिए रवाना होगी।' दिरजाल ने कहा, 'टीम का लक्ष्य मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई करना है, और खिलाड़ियों को सिर्फ उसी पर ध्यान देना चाहिए। मेरा सभी के लिए संदेश है, सिर्फ 17 दिन बचे हैं, और हमें मैच की तैयारी पर ध्यान देना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'इराकी फुटबॉल एसोसिएशन और कोचिंग स्टाफ में हमारा ध्यान खिलाड़ियों को इस मैच पर ध्यान देने और इराकी फैन्स का सपना पूरा करने के लिए सभी सही हालात देने पर है। इस बीच, इराक का सामना प्ले-ऑफ में बोलीविया या सूरीनाम से होगा, जिसका विजेता 2026 वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की कर लेगा। इराक ने आखिरी बार 1986 में वर्ल्ड कप खेला था, और वे महीने के आखिर में खेले जाने वाले प्ले-ऑफ में 39 साल का सूखा खत्म करना चाहेंगे। इराक ने क्वालिफायर में अच्छा प्रदर्शन किया। टीम ने पांचवें राउंड में यूनाइटेड अरब अमीरात के खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज करके इंटरकॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली।

सैमसन को प्लेइंग इलेवन में लाने का फैसला आक्रामक सोच से प्रेरित, वह पावर प्ले में मैच जीता सकते हैं : गौतम गंभीर

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि टी20 विश्व कप 2026 के दौरान संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन में लाने का फैसला आक्रामक सोच से प्रेरित था। किसी तकनीकी खामी की वजह से उन्हें टीम में नहीं लाया गया था। गंभीर ने कहा कि संजू के पास पावर प्ले में मैच का रुख अपनी टीम के पक्ष में मोड़ने की क्षमता है। गंभीर ने जियोस्टार पर कहा, 'मुझे पता है कि बहुत से लोग इस बारे में बात करेंगे कि हम टॉप पर मौजूद तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों से हो रही समस्या से कैसे निपटना चाहते थे। हमें लगा कि हम और ज्यादा आक्रामक होना चाहते हैं क्योंकि पिछले डेढ़ साल में हमारी सोच यही रही है कि हम मैदान पर जाकर जितना हो सके उतना आक्रामक रहें। संजू को लाने का कारण दूसरे छोर से ऑफ-स्पिनर को मैनेज करना नहीं था। मेरा मानना है कि एक अच्छा बल्लेबाज किसी भी तरह के गेंदबाज के खिलाफ अच्छा होगा, चाहे वह ऑफ-स्पिनर हो या लेफ्ट-आर्म स्पिनर। यह इस बारे में था कि क्या हम टॉप पर और भी ज्यादा आक्रामक रहते हुए पहले छह ओवरों में और ज्यादा रन बना सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि संजू क्या कर सकता है। उसकी प्रतिभा और खेल पर किसी को कभी कोई शक नहीं था। अगर वह अच्छा खेलता है, तो वह आपको पहले छह ओवर में ही मैच जिता सकता है। सोचिए कि अभिषेक, संजू और ईशान आपके टॉप तीन खिलाड़ी हैं, और फिर आपके पास सूर्या, हार्दिक, तिलक, शिवम और अक्षर जैसे खिलाड़ी हैं। तो, आप इससे ज्यादा कुछ नहीं मांग सकते।' सैमसन की प्लेइंग इलेवन में वापसी पर विस्तार से बात करते हुए गंभीर ने कहा, 'मैंने उसे जिम में यह बताया। हम दोनों साथ में ट्रेनिंग कर रहे थे। मैंने बस उसे बताया कि तुम जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलोगे, और उसने कहा, 'आने दो।' हमारी इस तरह की बातचीत होती है। यह हेड कोच और खिलाड़ी के रिश्ते जैसा नहीं है। यह एक ऐसा रिश्ता है जहां हमारी ज्यादातर आमने-सामने की बातें अभ्यास सत्र के दौरान होती हैं।'

ला लीगा : रियल मैड्रिड, एटलेटिको और गिरोना ने दर्ज की जीत

नई दिल्ली। रियल मैड्रिड ने एल्चे को 4-1 से हराकर ला लीगा की खिताबी दौड़ को रोमांचक बना दिया है। इस जीत के बाद रियल मैड्रिड अंक तालिका में टॉप पर मौजूद बार्सिलोना से महज 1 अंक पीछे रह गया है। मैड्रिड के सैंटियागो बर्नाबेउ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में रियल मैड्रिड ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। टीम के लिए पहला गोल एंटोनियो रुडिगर ने 39वें मिनट में किया। एल्चे फ्री किक को सही तरीके से क्लियर नहीं कर पाया और इसका फायदा उठाते हुए रुडिगर ने जोरदार शॉट लगाकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद फेडेरिको वाल्वरडे ने किनारे से शानदार शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया। वाल्वरडे का यह गोल उनके शानदार फॉर्म को दर्शाता है, क्योंकि उन्होंने हाल ही में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ एक हैट्रिक लगाई थी। रियल मैड्रिड का तीसरा गोल डीन हुइजसेन ने 66वें मिनट में शानदार हेडर के जरिए किया। अर्दा गुलेर ने चौथा गोल कर रियल मैड्रिड की बढ़त 4-1 की कर दी, जो आखिर में निर्णायक साबित हुई। एल्चे के लिए एकमात्र गोल तब हुआ जब रियल मैड्रिड के युवा खिलाड़ी मैनुअल एंजेल से गलती से गेंद अपने ही नेट में चली गई। दूसरे मुकाबले में एटलेटिको मैड्रिड ने स्थानीय डर्बी में गेटाफे सीएफ को 1-0 से हराया। मैच का एकमात्र गोल नहुएल मोलिना ने सातवें मिनट में किया। एक अन्य मैच में रियल ओविएडो ने वालेंसिया को 1-0 से हराया। टीम के कप्तान डेविड कोस्टास ने कॉर्नर के बाद जोरदार शॉट लगाकर मैच का एकमात्र गोल किया, जिससे टीम की रेलीगेशन से बचने की उम्मीदें बरकरार रहीं। वहीं गिरोना एफसी ने अपने घरेलू मैदान पर एथलेटिक बिलबाओ को 3-0 से हराकर महत्वपूर्ण जीत दर्ज की।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार, 16 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सभी टॉप 10 कंपनियों के मार्केट कैप में 4.48 लाख करोड़ रुपये की गिरावट एसबीआई को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में शामिल सभी दस कंपनियों के मार्केट कैम में गिरावट आ गई। शीर्ष स्थान पर मौजूद इन दस कंपनियों के मार्केट कैप में सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद 4.48 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आ गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को हुआ। इसी तरह एचडीएफसी बैंक नुकसान उठाने के मामले में दूसरे स्थान पर रहा। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्केट कैप में 4,48,478.27 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। मार्केट कैप में जबरदस्त गिरावट आने के कारण लार्सन एंड टूब्रो इस सप्ताह टॉप 10 कंपनियों की सूची से बाहर हो गई, जबकि भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने मार्केट कैप में तुलनात्मक तौर पर कम गिरावट आने की वजह से एक बार फिर इस सूची में अपनी जगह बना ली। नौ मार्च से 13 मार्च के बीच हुए कारोबार के दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 89,306.22 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 9,66,261.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 61,715.32 करोड़ रुपये गिर कर 12,57,391.76 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति को नई उड़ान...जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड का 'इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग' सेशन का प्रथम दिन

रायपुर। जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड द्वारा मैक कॉलेज में 'इफेक्टिव पब्लिक स्पीकिंग' सत्र के पहले दिन का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाना और उनकी कम्युनिकेशन स्किल्स को बेहतर बनाना था। इस सेशन का संचालन जेसीआई रायपुर सुपर चैप्टर कोच, JFS JCI सीनेटर अमिताभ दुबे जी ने किया, जो इस कार्यक्रम के पायलट फैकल्टी थे। उन्होंने अपने अनुभव और सरल तरीकों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रभावशाली ढंग से बोलने की कला सिखाई। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ मंच पर बोलना, अपनी बात को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करना तथा व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में प्रभावशाली संवाद स्थापित करने के महत्वपूर्ण गुर बताए गए। कार्यक्रम मैक के चेयरमैन श्री रमेश अग्रवाल जी, पूर्व चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल जी, प्राचार्या डॉ. जैस्मिन जोशी, उप-प्राचार्या डॉ. श्वेता तिवारी, चैप्टर इंचार्ज जेसी डॉ. ऋषि पांडे , चैप्टर प्रेसिडेंट जेसी अर्क पीयूष पांडे तथा चैप्टर सेक्रेटरी जेसी अनंत दुबे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। यह सत्र बेहद रोचक और इंटरएक्टिव रहा, जिसमें कई एक्टिविटीज, ग्रुप टास्क और प्रैक्टिकल अभ्यास कराए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को स्टेज फियर को दूर करने, बॉडी लैंग्वेज सुधारने और अपने विचारों को प्रभावी तरीके से व्यक्त करने का अभ्यास कराया गया। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया, जिससे सेशन और भी जीवंत और प्रेरणादायक बन गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने इस सेशन को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया तथा आने वाले दिनों में और सीखने के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

अगले सप्ताह तीन नए आईपीओ की लॉन्चिंग, तीन शेयरों की हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। सोमवार यानी 16 मार्च से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में तीन कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से दो कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि एक आईपीओ एसएमई सेगमेंट का है। इन नई लॉन्चिंग के अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुले एक आईपीओ में भी इस सप्ताह 17 मार्च तक निवेशक बोली लगा सकेंगे। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह तीन कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें दो कंपनी मेनबोर्ड सेगमेंट की है।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 16 मार्च को जीएसपी क्रॉप साइंसेज का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 18 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 307 रुपये से लेकर 320 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 46 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 24 मार्च को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी तरह सप्ताह के अगले कारोबारी दिन 17 मार्च को नोवस लॉयल्टी का 60.15 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 20 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 139 रुपये से लेकर 146 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 25 मार्च को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अलावा सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 20 मार्च को देश की मिनी रत्न कंपनी सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइनिंग (सीएमपीडीआई) का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। है। इस इश्यू में 24 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इस इश्यू के लिए अभी प्राइस बैंड और लॉट साइज का ऐलान नहीं किया गया है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 30 मार्च को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह दस मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले इनोविजन लिमिटेड के 305.76 करोड़ रुपये के आईपीओ में 17 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। पहले ये इश्यू 12 मार्च को क्लोज होने वाला था।

बॉलीवुड समाचार

हम बचपन से ही अनिल कपूर के बड़े प्रशंसक रहे हैं : सुरेश त्रिवेणी

तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों से अपनी खास पहचान बना चुके बॉलीवुड निर्देशक सुरेश त्रिवेनी एक बार फिर अपनी नई फिल्म सुबेदार के जरिए दर्शकों के सामने एक भावनात्मक कहानी लेकर आए हैं। सुरेश त्रिवेणी का कहना है कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास और व्यक्तिगत महत्व रखती है। हाल ही में उन्होंने बताया कि इस प्रोजेक्ट पर काम करना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा रहा, क्योंकि इसमें उन्हें अपने बचपन के पसंदीदा अभिनेता अनिल कपूर को निर्देशित करने का मौका मिला। सुरेश त्रिवेणी ने अपने बचपन की यादें साझा करते हुए कहा कि वह झारखंड के रांची से आते हैं और बचपन से ही अनिल कपूर के बड़े प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब फिल्म तेजाब रिलीज हुई थी, तब 'मुन्ना' का किरदार लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय था और वह भी उस दौर में अनिल कपूर के स्टाइल से काफी प्रभावित थे। उन्होंने हंसते हुए कहा कि उन्हें आज भी याद है कि वह फिल्म लाडला से प्रेरित होकर ऑरेंज शर्ट पहनकर बड़े शौक से घूमते थे। उनके मुताबिक उस समय उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन उन्हें अपने पसंदीदा अभिनेता के साथ काम करने का मौका मिलेगा। निर्देशक के अनुसार 'सुबेदार' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक भावनात्मक यात्रा भी है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में यह सिर्फ एक साधारण विचार था, लेकिन धीरे-धीरे यह एक गहरी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता में बदल गया। त्रिवेणी ने बताया कि इस फिल्म की कहानी भावना, विश्वास और उनके अपने अनुभवों से प्रेरित है। उन्होंने यह भी बताया कि जब उन्होंने फिल्म का विचार साझा किया तो उन्हें तुरंत समर्थन मिला। सुरेश के अनुसार जैसे ही उन्होंने यह आइडिया निर्माता विक्रम के साथ साझा किया, उन्होंने तुरंत अनिल कपूर को फोन किया। निर्देशक के लिए सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि अनिल कपूर ने बिना किसी झिझक के इस प्रोजेक्ट पर भरोसा जताया। फिल्म 'सुबेदार' 5 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है और इसे दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इस प्रोजेक्ट के बाद सुरेश त्रिवेणी अब अपनी अगली फिल्म मां बहन की तैयारी में जुट गए हैं, जिसे नेटफलीक्स के लिए बनाया जा रहा है।

शूटिंग के समय घड़ी नहीं देखते, मोबाइल के जमाने में लंबे समय तक पेजर यूज किया, तकनीक से ज्यादा काम पर फोकस : आमिर खान

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहे जाने वाले आमिर खान 61 साल के हो गये। करीब चार दशक लंबे करियर में उन्होंने सिर्फ हिट फिल्में ही नहीं दीं, बल्कि अभिनय और कहानी कहने के तरीके को भी नई दिशा दी है। 8 साल की उम्र में फिल्म 'यादों की बारात' से चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर कैमरे के सामने आने वाले आमिर ने आगे चलकर 'लगान', 'गजनी', '3 इडियट्स' और 'दंगल' जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई। किरदार के लिए महीनों तैयारी करना, स्क्रिप्ट पर गहराई से काम करना और हर फिल्म में कुछ नया करने की कोशिश उनकी खास पहचान बन चुकी है। इतना ही नहीं शूटिंग के दौरान आमिर घड़ी नहीं देखते है, मोबाइल के जमाने में लंबे समय तक पेजर यूज किया। उनका मानना था कि तकनीक से ज्यादा जरूरी काम पर ध्यान देना है। यही वजह है कि उन्हें इंडस्ट्री में 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है।

8 साल की उम्र में पहली बार कैमरे के सामने

आमिर खान का फिल्मों से रिश्ता बचपन से ही जुड़ गया था। वे सिर्फ 8 साल की उम्र में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर फिल्म 'यादों की बारात' में नजर आए थे। यह फिल्म उनके चाचा नासिर हुसैन ने बनाई थी। उस समय आमिर को फिल्मों की दुनिया का ज्यादा अंदाजा नहीं था, लेकिन कैमरे के सामने आने का अनुभव उन्हें हमेशा याद रहा। बाद में उन्होंने अभिनय को ही अपना करियर बनाया और बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद अभिनेताओं में शामिल हो गए। उनका मानना है कि शुरुआती अनुभव ही किसी कलाकार के भीतर आत्मविश्वास पैदा करते हैं।

फिल्म सेट ही बन गया एक्टिंग स्कूल

बचपन में आमिर अक्सर अपने पिता और परिवार के साथ फिल्म के सेट पर जाया करते थे। वे घंटों बैठकर शूटिंग देखते और कलाकारों को अभिनय करते हुए देखते थे। यही उनका पहला एक्टिंग स्कूल बन गया। आमिर खान ने कहा था, 'मैं प्रशिक्षित अभिनेता नहीं हूं। मैंने अभिनय किसी संस्थान से नहीं सीखा, बल्कि सेट पर देखकर सीखा।' आमिर के मुताबिक हर फिल्म और हर किरदार उन्हें कुछ नया सिखाता है। यही वजह है कि वे हर रोल को बिल्कुल नए नजरिए से समझने की कोशिश करते हैं।

स्कूल के दिनों में स्टेट लेवल टेनिस खिलाड़ी

फिल्मों से पहले आमिर खान की जिंदगी में खेल का भी बड़ा स्थान था। स्कूल के दिनों में उन्हें टेनिस खेलने का बहुत शौक था और वे स्टेट लेवल टेनिस खिलाड़ी भी रह चुके हैं। खेल ने उन्हें अनुशासन और धैर्य सिखाया। यही गुण बाद में उनके अभिनय करियर में भी काम आए। आमिर अक्सर कहते हैं कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए लगातार अभ्यास और फोकस जरूरी होता है। खेल से मिली यह सीख उनके काम करने के तरीके में भी साफ नजर आती है।

मोबाइल के दौर में भी पेजर इस्तेमाल

जब मोबाइल फोन तेजी से लोकप्रिय हो रहे थे, तब भी आमिर खान लंबे समय तक पेजर इस्तेमाल करते रहे। वे नई तकनीक अपनाने में जल्दबाजी नहीं करते थे। उनका मानना था कि तकनीक से ज्यादा जरूरी काम पर ध्यान देना है। यही कारण है कि वे सोशल मीडिया और नई तकनीक का इस्तेमाल भी बहुत सोच-समझकर करते हैं।

सड़क किनारे पानी-पूरी खाने का किस्सा

आमिर खान की सादगी के कई किस्से मशहूर हैं। एक बार वे सड़क किनारे पानी-पूरी खाने के लिए रुक गए और आम लोगों के साथ खड़े होकर चाट खाते नजर आए। वहां मौजूद लोगों को यह देखकर काफी हैरानी हुई। इतने बड़े स्टार का इस तरह आम लोगों के बीच बिना किसी दिखावे के खाना उनके स्वभाव की सादगी को दिखाता है।

क्यों कहा जाता है 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट'

आमिर खान को बॉलीवुड में 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है क्योंकि वे अपने किरदार के लिए महीनों तक तैयारी करते हैं। वे स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर किरदार की मानसिकता समझने तक हर चीज पर गहराई से काम करते हैं। आमिर खान ने कहा था, 'मैं खुद को परफेक्शनिस्ट नहीं मानता। मुझे बस अपने काम से प्यार है और मैं उसे ईमानदारी से करना चाहता हूं।' आमिर का कहना है कि किसी भी फिल्म को बेहतर बनाने के लिए पूरी टीम की मेहनत जरूरी होती है।

एक सीन के लिए कई बार रिहर्सल

आमिर खान एक सीन को परफेक्ट बनाने के लिए कई बार रिहर्सल करते हैं। अगर उन्हें लगता है कि सीन सही नहीं हुआ है तो वे बिना हिचकिचाहट के दोबारा शॉट देने के लिए तैयार रहते हैं। उनके साथ काम कर चुके कई कलाकार बताते हैं कि आमिर सेट पर बेहद फोकस्ड रहते हैं। उनका मानना है कि छोटी-छोटी चीजें ही किसी सीन को खास बनाती हैं। यही वजह है कि उनकी फिल्मों में अभिनय की गहराई अलग नजर आती है।

शूटिंग के दौरान घड़ी नहीं देखते

आमिर खान शूटिंग के दौरान समय से ज्यादा काम की गुणवत्ता पर ध्यान देते हैं। वे सीन पूरा होने तक लगातार काम करते रहते हैं और घड़ी नहीं देखते। हिंदुस्तान टाइम्स को दिए इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा था, 'फिल्म बनाना टीमवर्क है। अगर हम सब मिलकर ईमानदारी से काम करें तो परिणाम भी बेहतर आता है।'

'लगान' के लिए गांव में रहकर तैयारी

फिल्म 'लगान' की शूटिंग के दौरान आमिर खान और पूरी टीम लंबे समय तक गांव में रही। इसका मकसद फिल्म के माहौल को असली बनाना था। कलाकारों ने क्रिकेट की खास ट्रेनिंग भी ली। टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में आमिर खान ने बताया था, 'हम चाहते थे कि फिल्म पूरी तरह असली लगे, इसलिए हम सबने उस माहौल में रहकर काम किया।' उनके मुताबिक यही कारण है कि फिल्म के कई दृश्य इतने वास्तविक लगे।

'गजनी' के लिए बनाया 8-पैक बॉडी

फिल्म 'गजनी' के लिए आमिर खान ने अपने शरीर को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने कड़ी ट्रेनिंग और सख्त डाइट के जरिए 8-पैक एब्स बनाए। उस समय बॉलीवुड में ऐसा ट्रांसफॉर्मेशन बहुत कम देखने को मिलता था। आमिर का यह लुक काफी चर्चा में रहा और फिटनेस के मामले में एक नया ट्रेंड भी बना।

'दंगल' के लिए वजन बढ़ाया और घटाया

फिल्म 'दंगल' के लिए आमिर खान ने पहले लगभग 95 किलो तक वजन बढ़ाया ताकि वे उम्रदराज पहलवान पिता के किरदार में असली लगें। इसके बाद उन्होंने कुछ ही महीनों में वजन घटाकर एथलेटिक लुक हासिल किया। यह ट्रांसफॉर्मेशन दर्शकों के बीच काफी चर्चा में रहा। इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में आमिर खान ने कहा था, 'अगर आप किरदार में सच दिखाना चाहते हैं तो आपको उसके लिए पूरी तरह समर्पित होना पड़ता है।'

विजय-तृषा की निजी जिंदगी में दखल देना सही नहीं : विक्रांत भट्ट

साउथ के सुपरस्टार थलापति विजय की उनकी पत्नी संगिता सोर्नालिंगम के साथ तलाक की खबरों और अभिनेत्री तृषा क्रष्नन के साथ कथित अफेयर की अफवाहों के बीच सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। हाल ही में एक शादी समारोह में विजय और तृषा को साथ देखे जाने के बाद कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इसी बीच फिल्ममेकर विक्रांत भट्ट ने एक लंबी पोस्ट लिखकर दोनों का समर्थन किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। विक्रम भट्ट ने अपनी पोस्ट में कहा कि विजय और तृषा की निजी जिंदगी को लेकर जिस तरह की चर्चाएं हो रही हैं, उस पर वह अपनी राय रखना चाहते हैं। उन्होंने लिखा कि उन्हें नहीं पता कि इंटरनेट पर फैल रही अफवाहें सच हैं या नहीं, लेकिन अगर उनमें कुछ सच्चाई भी है, तो भी लोगों को किसी की निजी जिंदगी पर फैसला सुनाने से बचना चाहिए।

विक्रम ने अपने हाल के अनुभवों का जिक्र करते हुए कहा कि जीवन में कुछ परिस्थितियां इंसान को आजादी की अहमियत समझा देती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी कैद वह होती है, जब उसकी खुशी और उसकी आत्मा किसी ऐसे रिश्ते में बंध जाए, जिसका समय खत्म हो चुका हो। फिल्ममेकर ने आगे कहा कि कई बार समाज लोगों को ऐसे रिश्तों में बने रहने के लिए मजबूर करता है, जहां वे खुश नहीं होते। उनके अनुसार इंसान का दिल स्वाभाविक रूप से उसी दिशा में जाता है, जहां उसे खुशी मिलती है। विक्रम भट्ट ने लिखा कि लोग खुशी पाने के लिए रिश्तों में आते हैं और अगर वही खुशी खत्म हो जाए तो अलग होने का फैसला भी ले सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि किसी रिश्ते से सम्मान के साथ बाहर निकलना गलत नहीं है। पोस्ट में विक्रम ने विजय और तृषा के बारे में कहा कि उन्हें उन दोनों में एक तरह की सच्चाई दिखाई देती है। उनके अनुसार किसी भावना या रिश्ते को छिपाने की बजाय उसे स्वीकार करने में भी एक गरिमा होती है। उन्होंने साफ कहा कि कलाकारों की फिल्में और काम दर्शकों के लिए होते हैं, लेकिन उनकी निजी जिंदगी पर समाज का अधिकार नहीं होना चाहिए। गौरतलब है कि हाल के दिनों में ऐसी खबरें सामने आई हैं कि विजय की पत्नी संगीता ने तलाक के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है और याचिका में कथित एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का भी जिक्र किया गया है।

नौ साल बाद भी 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' को मिल रहा दर्शकों का प्यार

बॉलीवुड की ऑन स्क्रीन जोडी वरुन धवन और आलिया भटट की शानदार केमिस्ट्री ने कई फिल्मों में दर्शकों का दिल जीता है। ऐसी ही फिल्म है बद्रीनाथ की दुल्हनियां, जिसने अपनी रिलीज के नौ साल पूरे कर लिए हैं। वर्ष 2017 में रिलीज हुई यह फिल्म उस समय बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी और आज भी इसके गाने और डायलॉग दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। फिल्म के निर्देशक शशांक खेतान ने इस खास मौके पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का एक क्लिप साझा करते हुए लिखा कि 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' को रिलीज हुए नौ साल पूरे हो गए हैं और आज भी दर्शकों से मिल रहा प्यार उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने सभी दर्शकों का आभार जताते हुए कहा कि फिल्म को मिले इस स्नेह के लिए वह दिल से आभारी हैं। इस फिल्म में आलिया भट्ट ने वैदेही त्रिवेदी का किरदार निभाया था, जो एक पढ़ी-लिखी और महत्वाकांक्षी युवती होती है।

वह अपनी पढ़ाई और करियर को लेकर बेहद जागरूक रहती है और जीवन में आत्मनिर्भर बनने का सपना देखती है। वहीं वरुण धवन बद्रीनाथ बंसल के किरदार में नजर आए थे, जो एक छोटे शहर का युवक होता है और शुरुआत में उसकी सोच काफी पारंपरिक होती है। फिल्म की कहानी बद्री और वैदेही के रिश्ते और शादी के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां दोनों के विचारों और सपनों के बीच टकराव भी देखने को मिलता है।

हर रोल में कुछ नया करना चाहता हूं : सुधांशु पांडे

छोटे परदे के अभिनेता सुधांशु पांडे चर्चित शो दो दुनिया एक दिल में निगेटिव किरदार अदा कर रहे हैं। अगले एपिसोड में इस शो की कहानी में कई दिलचस्प मोड़ आने वाले है। हाल ही में एक बातचीत में अभिनेता ने बताया कि इस सीरियल में उनका रोल काफी जटिल और कई परतों वाला है, जो दर्शकों को समय-समय पर चौंका सकता है। सुधांशु पांडे का कहना है कि वह हर किरदार में कुछ नया और अलग करने की कोशिश करते हैं ताकि दर्शकों को कहानी में अनपेक्षित और दिलचस्प पल देखने को मिलें। उनके मुताबिक अभिनय की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि हर बार दर्शकों को कुछ नया अनुभव कराया जाए। उन्होंने बताया कि शो में उनका किरदार ऊपर से भले ही निगेटिव दिखाई देता है, लेकिन इसके कई आयाम हैं, जो धीरे-धीरे कहानी के साथ सामने आएंगे और दर्शकों को पात्र की असली परतों से परिचित कराएंगे। अभिनेता ने कहा कि उनकी हमेशा कोशिश रहती है कि वह ऐसे किरदार निभाएं जो दर्शकों के दिल में बस जाएं और लंबे समय तक याद रखे जाएं। उनके अनुसार अगर कोई पात्र दर्शकों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बना लेता है, तो यह किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। बातचीत के दौरान उनसे यह भी पूछा गया कि शो में वह एक पिता की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि कई लोगों का मानना है कि वह अभी पिता के रोल के लिए काफी युवा दिखते हैं। इस पर सुधांशु पांडे ने कहा कि पिता बनने का मतलब यह नहीं है कि किसी व्यक्ति के बाल या दाढ़ी सफेद हो जाएं। उन्होंने कहा कि वह वास्तविक जीवन में भी पिता हैं और फिट तथा एक्टिव रहना उनकी जीवनशैली का हिस्सा है। उनके अनुसार समाज में पिता के लुक को लेकर एक पारंपरिक सोच बनी हुई है, जिसे बदलने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि फिटनेस और ऊर्जा हर उम्र में जरूरी होती है। उनका मानना है कि शादीशुदा और बच्चों वाले लोग भी उतने ही ऊर्जावान और सक्रिय हो सकते हैं जितने कि अविवाहित लोग। इसलिए लोगों को पुराने और सीमित सोच वाले नजरिए से बाहर निकलने की जरूरत है। शो की कहानी में डिजिटल अपराध और आधुनिक तकनीक के जरिए होने वाले जटिल घोटालों को भी दिखाया जा रहा है।

खनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास हेतु 4.12 करोड़ से अधिक के कार्य स्वीकृत

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

खनिज प्रभावित क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और स्थानीय नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा जिला सरगुजा में जिला खनिज संस्थान न्यास (क्डथ्) के अंतर्गत विभिन्न कार्यों के लिए कुल 412.73 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इन कार्यों के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन तथा अधोसंरचना विकास के क्षेत्रों में व्यापक सुधार सुनिश्चित किया जाएगा।

उच्च प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत शिक्षा सेक्टर में विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, मरम्मत कार्य, जिले में संचालित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों के लिए टेबल टेनिस बोर्ड की खरीदी तथा रायपुर स्थित स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल केटरिंग टेक्नोलॉजी एंड अप्लाइड न्यूट्रीशन में अध्ययनरत खनिज प्रभावित क्षेत्रों के छात्रों की शुल्क राशि के लिए कुल 97.06 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं मिल सकेंगी।

स्वास्थ्य देखभाल सेक्टर में जिला अस्पताल के एनआरसी भवन के जीर्णोद्धार, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में शेड निर्माण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के अधीन संचालित प्रथम संदर्भन इकाई (एफआरयू) को क्रियाशील करने के लिए स्वीकृत पदों पर मानदेय राशि, बाईक एम्बुलेंस की खरीदी, एक्स–रे (एक्सपोसर) मशीन क्रय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर में 10 बिस्तरीय पोषण पुनर्वास केन्द्र का संचालन तथा शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नावापारा में ऑपरेशन थियेटर के संचालन के लिए आवश्यक उपकरणों की आपूर्ति हेतु कुल 242.78 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार होगा।

कृषि क्षेत्र में ग्राम पंचायत रोपाखार, मैनपाट में डीएमएफ और मनरेगा के अभिसरण से मिश्रित फलदार पौधों के रोपण हेतु चेनलिंक फेंसिंग, सिंचाई के लिए बोरवेल खनन तथा सोलर पंप स्थापना के कार्यों के लिए 10.43 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे किसानों की आय बढ़ाने और कृषि आधारित आजीविका को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

पशुपालन सेक्टर के अंतर्गत शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र दरिमा में प्रशिक्षण केन्द्र के निर्माण तथा सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण के लिए 32.85 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे मत्स्य पालन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

अन्य प्राथमिकता क्षेत्रों में ऊर्जा एवं जल विभाजक विकास सेक्टर के अंतर्गत नई दिशा कन्या आवासीय छात्रावास गंगापुर में सोलर गर्म जल संयंत्र की स्थापना हेतु 1.23 लाख रुपये तथा भौतिक अधोसंरचना सेक्टर में सैनिक स्कूल मेण्ड्राकला, अम्बिकापुर में बैडमिंटन कोर्ट में वुडन फ्लोरिंग के कार्य के लिए 28.38 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इन सभी कार्यों के पूर्ण होने से खनिज प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और अधोसंरचना के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन आएगा तथा स्थानीय नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

घाटबर्रा स्कूल में शिविर लगाकर विद्यार्थियों को नि:शुल्क जाति प्रमाण पत्र वितरित

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया सरल और सुलभ बनाने के लिए सरगुजा जिला प्रशासन द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री अजीत वसंत के निर्देशानुसार अब स्कूली छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र बनवाने के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे, बल्कि विद्यालय परिसर में ही शिविर लगाकर उन्हें जाति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जा रहा है।

इसी क्रम में उदयपुर एसडीएम श्री बनसिंह नेताम के मार्गदर्शन में तहसील उदयपुर अंतर्गत पूर्व माध्यमिक शाला घाटबर्रा में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शाला के पात्र छात्र–छात्राओं के दस्तावेजों का सत्यापन कर उन्हें मौके पर ही नि:शुल्क जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत की मंशा के अनुरूप विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसके लिए विद्यालय स्तर पर ही राजस्व दस्तावेजों की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। शनिवार को आयोजित शिविर के दौरान संबंधित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में तैयार प्रमाण पत्रों का वितरण किया गया।

एसडीएम श्री बनसिंह नेताम ने बताया कि विकासखंड के दूरस्थ क्षेत्रों के पात्र विद्यार्थियों का चयन कर उनके आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन मौके पर ही किया जा रहा है। विद्यालय स्तर पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होने से अब छात्रों और उनके अभिभावकों को तहसील कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

पहुंचविहीन सुदूर क्षेत्रों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता : कलेक्टर अजीत वसंत

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक लेकर जिले में संचालित विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा– निर्देश दिए। बैठक में जिले में स्वास्थ्य केंद्रों, चिकित्सकों, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनय अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी. एस. मार्को सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, डीपीएम, बीपीएम तथा सर्वसम्बन्धित उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने विकासखण्डवार समीक्षा की तथा कहा कि विकासखण्ड में लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी बीएमओ की है, इसलिए गम्भीरता से दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि जिले के पहुंचविहीन सुदूर क्षेत्रों में लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना हमारी

प्राथमिकता है। पीवीटीजी बसाहटों में विशेष मॉनिटरिंग की आवश्यकता है। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि चिरायु की टीम नियमित रूप से स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों में जाकर बच्चों का स्वास्थ्य जांच करें। उन्होंने आयुष्मान भारत कार्ड में पंजीयन की जानकारी ली तथा सीएमएचओ को पंजीयन संख्या बढ़ाने निर्देशित किया। उन्होंने शेष आयुष्मान कार्ड को समय पर पूर्ण करने निर्देशित किया।

उन्होंने टी.बी. उन्मूलन के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा जांच, पॉजिटिव मरीजों की संख्या, निक्षय निरामय जांच एवं उपचार अभियान के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि उपचार में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने सभी बीएमओ को अपने–अपने क्षेत्र के टीबी मरीजों की जानकारी सम्बंधित जनपद पंचायत सीईओ को उपलब्ध कराने कहा ताकि ग्राम पंचायत के माध्यम से मरीजों को पोषण आहार सहायता मिल सके।कलेक्टर श्री वसंत ने जिले में वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की जानकारी ली तथा नियमित जांच, पॉजिटिव मरीजों का पूर्ण रूप से इलाज सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने चिकित्सकों द्वारा प्राइवेट चिकित्सालयों में मरीजों के अनावश्यक रेफरल की जानकारी ली तथा कहा कि इस प्रकार की स्थिति ना बने अन्यथा सम्बन्धित पर आवश्यक कार्रवाई होगी। बैठक में आयुष विभाग द्वारा जारी कार्यक्रमों पर भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

बैठक में कलेक्टर वसंत ने जिले में स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों एवं स्टाफ की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने एनएचएम अंतर्गत रिक्त पदों पर जारी भर्ती प्रक्रिया में प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन संस्थानों के नवीन भवन बनकर तैयार हैं, वहां पदों की जानकारी उपलब्ध कराएं। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र भवनों की उपलब्धता की जानकारी ली।

आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

गरियाबंद। कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना गरियाबंद के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 01 एवं आंगनबाड़ी सहायिका के 02 पद, इस प्रकार कुल 03 रिक्त पद भरे जाने हैं। जिनमें सेक्टर पीपरछेड़ी के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र भुंजिया पीपरछेड़ी, ग्राम भुंजिया पीपरछेड़ी, ग्राम पंचायत पीपरछेड़ी में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का 01 पद रिक्त है। सेक्टर धवलपुर के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र कुकुरार 01, ग्राम कुकुरार, ग्राम पंचायत आमामोरा में आंगनबाड़ी सहायिका का 01 पद रिक्त है। इसी प्रकार सेक्टर गरियाबंद के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र पारागांव में आंगनबाड़ी सहायिका का 01 पद रिक्त है। आवेदन प्रक्रिया ई–भर्ती पोर्टल एडब्ल्यूडब्ल्यूडॉटई भर्ती डॉट इन के माध्यम से दिनांक 13 मार्च से 28 जून 2026 तक संचालित रहेगी। भर्ती से संबंधित जानकारी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

बिहान से मिली नई पहचान, संध्या मानिकपुरी बनीं 'लखपति दीदी'

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

धमतरी जिले के वनांचल क्षेत्र सिहावा (नगरी) की निवासी श्रीमती संध्या सुभाष मानिकपुरी आज आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ﬁबिहानﬁ से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने जीवन की दिशा बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी है। जीवन में कई कठिन परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद संध्या ने हार नहीं मानी। पति के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। ऐसे समय में उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर स्वरोजगार के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का संकल्प लिया।

बारहवीं तक शिक्षित संध्या को सिलाई कार्य में रुचि थी। उन्होंने इस हुनर को आजीविका का माध्यम बनाने का निर्णय लिया। गांव की 10 महिलाओं को साथ लेकर उन्होंने ﬁओम स्व–सहायता समूहﬁ का गठन किया और समूह की महिलाओं को बिहान योजना की जानकारी देते हुए उन्हें भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

संध्या मानिकपुरी ने न केवल स्वयं सिलाई कार्य शुरू किया, बल्कि समूह की महिलाओं को भी आर्थिक प्रबंधन और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने महिलाओं को वित्तीय साक्षरता के तहत गरीबी के चक्र से बाहर निकलने, भविष्य के लिए वित्तीय लक्ष्य तय करने, समझदारी से खर्च करने तथा आवश्यकताओं और इच्छाओं के बीच अंतर समझने जैसे विषयों पर प्रशिक्षण भी दिया। योजना की अच्छी समझ और सक्रियता के कारण वे एफएलसीआरपी के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं।

आज संध्या अपने सिलाई कार्य के माध्यम से ब्लाउज, पेटीकोट, डिजाइनर सूट, शाला गणवेश, बच्चों के कपड़े, शर्ट–पैंट और सलवार–कुर्ती सिलती हैं। इस कार्य से उन्हें प्रतिमाह लगभग 10 हजार से 12 हजार रुपए तक की आय होने लगी है। गांव की अधिकांश महिलाएं अब अपने कपड़े सिलवाने के लिए संध्या के पास ही आती हैं, जिससे उनकी आय में लगातार वृद्धि हो रही है।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रहा आर्थिक संबल

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत माध्यम बनती जा रही है। योजना के माध्यम से महिलाओं को हर महीने मिलने वाली सहायता राशि उनके परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ग्राम पंचायत गुमगरा कला की निवासी गायत्री साहू ने बताया कि उन्हें महतारी वंदन योजना का नियमित लाभ मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। उन्होंने बताया कि योजना से मिलने वाली राशि से घर के छोटे–मोटे खर्च आसानी से पूरे हो

जाते हैं और बच्चों की पढ़ाई–लिखाई में भी काफी सहयोग मिल रहा है।

गायत्री साहू ने कहा कि हर महीने मिलने वाली यह सहायता राशि महिलाओं के लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। इससे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में सहूलियत मिलती है और महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ रहा है।

उन्होंने इस योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की इस पहल से प्रदेश की हजारों महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिल रही है और उनका जीवन बेहतर बन रहा है।

शपथपत्र

मैं के.वी.एन शर्मा (K.V.N SHARMA) उर्फ कन्दुकरी विश्वेश्वरैया नरसिम्हा शर्मा उम्र–81 वर्ष पिता श्री के. एस. आर. मुर्ति पता–84 राम कुटीर परसुलीडीह संदीपनी विद्या मंदिर ग्राम–टेकारी 2, रायपुर छ.ग. वर्तमान पता– एम.आई.जी–8, पत्रकार कालोनी हाउसिंग बोर्ड कचना रायपुर छ.ग का स्थाई निवासी हूँ शपथपूर्वक निम्न कथन करता हूँ कि:–

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्त अनुसार सत्य व सही है एवं मेरा आधार नं–3672 0272 2363 है।
2. यह कि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड में मेरा पूरा नाम कन्दुकरी विश्वेश्वरैया नरसिम्हा शर्मा पिता श्रीरामा मूर्ति कन्दुकरी दर्ज है एवं मेरे सर्विस रिकॉर्ड, राशन कार्ड एवं पास बुक में मेरा नाम संक्षिप्त रूप में के.वी.एन. शर्मा (K.V.N SHARMA) दर्ज है।
3. यह कि मेरे उक्त दोनों नाम के. वी.एन. शर्मा एवं कन्दुकरी विश्वेश्वरैया नरसिम्हा शर्मा के कारण उत्पन्न हो रही विसंगती को दूर करने के लिए मैं आज दिनांक के पश्चात से अपने पूरे नाम कन्दुकरी विश्वेश्वरैया नरसिम्हा शर्मा के स्थान पर अपने संक्षिप्त नाम के.वी.एन शर्मा (K.V.N SHARMA) को ही जारी रखना चाहता हूँ।
4. यह कि उक्त दोनों नाम के. वी.एन शर्मा एवं कन्दुकरी विश्वेश्वरैया नरसिम्हा शर्मा एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे ही नाम हैं। अब आज दिनांक से मुझे एकमात्र नाम के.वी.एन शर्मा (K.V.N SHARMA) पिता श्री रामा मूर्ति कन्दुकरी के नाम से जाना पहचाना एवं पुकारा जावे तथा मुझसे सम्बंधित समस्त अभिलेखों में मेरा यही नाम दर्ज किया जावे।
5. यह कि उपरोक्त सम्बन्ध में / दस्तावेजों के सम्बन्ध में कुछ भी असत्यता पाए जाने पर मैं स्वयं जिम्मेदार रहूँगा ।
6. यह कि मैं अपने नाम कन्दुकरी विश्वेश्वरैया नरसिम्हा शर्मा के स्थान पर के.वी.एन शर्मा (K.V.N SHARMA) संबंधी नाम परिवर्तन हेतु भारत के राजपत्र (गजट) में प्रकाशन करवाना चाहता हूँ, जिस हेतु मैं यह शपथ पत्र सक्षम अधिकारी के समक्ष पेश कर रहा हूँ, पूर्व में इस सम्बन्ध में कोई कोई प्रकाशन नहीं कराया गया है।
7. यह कि उक्त प्रकाशन के पश्चात में अपना नाम के. वी.एन शर्मा (K.V.N SHARMA) को ही (प्रचलित) चलाना चाहता हूँ।

शपथकर्ता
के.वी.एन शर्मा

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस – कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

मॉं एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 29269/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 14/03/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29269
वार्ड का नाम - 55 - रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651D00706 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MAHESH KUMAR DEWANGAN पिता/पति श्री/श्रीमती UDAY RAM DEWANGAN के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. प्रांशु दुबे, 2. पूर्वी दुबे पिता/पति श्री/श्रीमती दोनो के पिता श्री संतोष दुबे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 29216/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 14/03/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29216
वार्ड का नाम - 50 - पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 50 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR445G00085 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती AMRIT LAL NAGAR पिता/पति श्री/श्रीमती BAJRANG LAL NAGAR के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री शत्रुघन लेखवानी पिता/पति श्री/श्रीमती पिता श्री मेंघाराम लेखवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)
-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 29303/ न.पा.नि./ जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 14/03/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29303
वार्ड का नाम - 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652S12D55 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती KISHAN LAL RAMNANI पिता/पति श्री/श्रीमती WASHURAM RAMNANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती SMT. SAVITA PANKAJ KUMAR पिता/पति श्री/श्रीमती W/O MR. PANKAJ KUMAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र -01 सिरपुर भवन
व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई-मेल-eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल उपाध्याय नगर के अतंर्गत, भवनों में से फ्लैट/भवन क्रमांक एम.आई.जी.-I/259, सेक्टर- 01, में श्री व्ही. करूप्पा सामी पिता श्री व्ही. वेल्लू मुथू को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित/नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 22.10.2016 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट / भवन के दान हेतु दिनांक 13.10.2025 को नोटरी द्वारा सत्यापित दान शपथ पत्र (बिना प्रतिफल के) की प्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट/भवन प्रजापति ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय विश्व विधालय के लिए संचालिका ब्रम्हाकुमारी सविता दीदी के नाम से दान करने के लिए दान अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के दान के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जावेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़)

// ईश्तहार //

क्रमांक / 202602111500035 / अ-6/वर्ष 2025-26
रायपुर, दिनांक 12.03.2026
ग्राम फाफाडीह, प.ह.नं. 48,
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदकगण 1. श्रीमति शांति साहू पति भीतू साहू 2. भीतू साहू पिता पुरुषोत्तम साहू दोनो निवासी मकान नं. एच. 203 आरडीए कालोनी बोरियाखुर्द संतोषी नगर रायपुर तहसील व जिला रायपुर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि उनके द्वारा ग्राम फाफाडीह, प.ह.नं. 48, रा.नि.नं. 06 रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नं. 218/1, रकबा 643 वर्गफुट भूमि को विक्रेता राजेन्द्र जैन व श्रीमति शीतल जैन से से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 08/08/2024 के माध्यम से स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। उक्त विक्रेता के हक में रायपुर विकास प्राधिकरण रायपुर द्वारा उपरोक्त भूमि को फ्री-होल्ड किया जा चुका है। जो राजस्व अभिलेख में रायपुर विकास प्राधिकरण के नाम पर दर्ज हैं। अत: उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदकगण के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।

अत: आवेदिका द्वारा प्रस्तुत आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा/ आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 09/03/2026 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/03/2926 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर
अतिरिक्त तहसीलदार,
रायपुर (छ.ग.)

कलेक्टर-एसएसपी ने कानून-व्यवस्था के संबंध में ली बैठक

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुन्दन कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभा कक्ष में जिले में कानून-व्यवस्था के संबंध में बैठक ली। बैठक में जिले की वर्तमान कानून-व्यवस्था की स्थिति, समन्वय तथा विभिन्न प्रकरणों के निराकरण को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान पीएम राहत योजना से संबंधित वीडियो का अवलोकन किया गया तथा अधिकारियों को योजना और उससे जुड़े प्रावधानों की जानकारी दी गई। कलेक्टर ने कहा कि जिले में होने वाले सभी दुर्घटना (एक्सीडेंट) के मामलों का पीएम राहत योजना के अंतर्गत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि हिट एंड रन तथा पीएम राहत से संबंधित प्रकरणों में गंभीरता से कार्य करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने पर खाद्य एवं औषधि विभाग के सहायक संचालक तथा नगर पालिका मुंगेली के (सीएमओ) को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि सभी शासकीय एवं पात्र निजी अस्पतालों के बाहर पीएम राहत योजना से संबंधित पोस्टर एवं हेल्पलाइन नंबर चस्पा किए जाएं। साथ ही जिला अस्पताल में पीएम राहत योजना से संबंधित सहायता प्रदान करने के लिए एक हेल्प डेस्क स्थापित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिले में अफीम व अन्य मादक पदार्थों की अवैध खेती तथा पेड़ों की कटाई के संबंध

में चर्चा कर कृषि, उद्यानिकी, राजस्व, खाद्य एवं औषधि विभाग तथा पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर जांच करने और अवैध खेती पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही वनांचल क्षेत्रों में वन विभाग की टीम द्वारा भी नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि गैस, पेट्रोल एवं डीजल की आपूर्ति में कमी के कारण यदि कहीं कानून-व्यवस्था की स्थिति निर्मित होती है, तो वहां राजस्व एवं पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। साथ ही संबंधित एजेंसियों में उपलब्ध स्टॉक की जानकारी राजस्व अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से ली जाएगी, ताकि जिले में आमजन के बीच किसी प्रकार की अप्रिय घटना की स्थिति उत्पन्न न हो।

कलेक्टर ने खाद्य एवं औषधि विभाग के सहायक संचालक को निर्देशित किया कि जिले के सभी मेडिकल स्टोर्स की नियमित रूप से जांच की जाए तथा नारकोटिक्स श्रेणी की दवाइयों के अवैध विक्रय पर कड़ी निगरानी रखते हुए रोकथाम की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आबकारी विभाग से पूछा कि निर्धारित राजस्व प्राप्त करने में विभाग को क्या समस्याएं आ रही हैं। उन्होंने आबकारी एवं पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि अवैध रूप से शराब बेचने वाले लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए, जिससे निर्धारित राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति में कोई कमी न हो। साथ ही जिले में कहीं भी कच्ची शराब बनाए जाने पर आबकारी, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर जांच एवं आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में स्थित बोर एवं कुओं की जानकारी एकत्रित कर उन्हें सुरक्षित रूप से कवर कराया जाए, ताकि किसी भी आमजन के जान-माल को खतरा न हो। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम को निर्देशित किया कि वे संयुक्त रूप से समन्वय बनाकर पीएम राहत एवं हिट एंड रन के मामलों का बेहतर ढंग से निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही इस बात का विशेष ध्यान रखने को कहा गया कि कोई भी अपात्र व्यक्ति इस योजना का लाभ न ले सके। एसएसपी ने कहा कि गैस, पेट्रोल एवं डीजल की कमी जैसे संवेदनशील मामलों में यदि कहीं कानून-व्यवस्था की स्थिति निर्मित होती है, तो पुलिस की टीम उसे पूरी समझदारी और सतर्कता के साथ संभालेगी।

उन्होंने कहा कि ऐसे संभावित हालात से निपटने के लिए पुलिस द्वारा कानून-व्यवस्था का मास्टर प्लान तैयार रखकर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में नशे के विरुद्ध कार्रवाई में पुलिस अपनी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करेगी तथा संदिग्ध व्यक्तियों और अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अचानकमार टाइगर रिजर्व के उप संचालक यू.आर.गणेश, जिला वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पांडेय तिवारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती नवनीत कौर छाबड़ा, अपर कलेक्टर जी.एल. यादव सहित मुंगेली, लोरमी और पथरिया के सभी एसडीएम तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जल संचय जन भागीदारी 2.0 पर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

मुंगेली, प्रतिदिन राजधानी

जिला पंचायत के सभाकक्ष में जल संचय जन भागीदारी 2.0 पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने जिले में जल संरक्षण, भू-जल प्रबंधन पर आगामी कार्ययोजना के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिले की भौगोलिक स्थिति, उपलब्ध जल संसाधनों तथा वर्तमान जल प्रबंधन व्यवस्था पर प्रकाश डाला गया। इसके पश्चात जल बजट एवं जल दोहन की स्थिति की समीक्षा की गई और जल संसाधनों के संतुलित उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही भू-जल स्तर के प्रभाव और मूल्यांकन पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने कहा कि जल संरक्षण और भू-जल प्रबंधन के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में भू-जल स्तर की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और जल संरक्षण के उपायों को प्राथमिकता के साथ लागू किया जाए। इस दौरान जिले में अब तक किए गए प्रयासों के तहत मोर गांव मोर पानी महाअभियान के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की जानकारी प्रस्तुत की गई। अभियान के माध्यम से गांवों में जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। बैठक में कुछ केस स्टडी भी प्रस्तुत की गईं, जिनमें जल संरक्षण के सफल प्रयासों और उनके सकारात्मक परिणामों को साझा किया गया। इसके अलावा जल संचय जन भागीदारी समिति 2.0 के क्रियान्वयन हेतु कार्य योजना और पोर्टल के संचालन की भी जानकारी दी गई। कलेक्टर ने वीबीजीरामजी योजना के अंतर्गत वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। कार्यशाला के दौरान वॉटर कंजर्वेशन का डेमो प्रस्तुत किया गया। इस डेमो में दो प्रकार की परिस्थितियां दिखाई गई, एक बंजर जमीन और दूसरा हरा-भरा इलाका, जिसमें पेड़-पौधे और खेत शामिल थे। कलेक्टर और एसएसपी कार्यशाला में बैठक में अचानकमार टाइगर रिजर्व के उप संचालक वनमंडलाधिकारी अभिनव कुमार, जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हाथियों की लगातार हो रही मौत को लेकर युकांइयों ने सौंपा ज्ञापन

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

रायगढ़ जिले में लगातार हो रही हाथियों के मौत को लेकर एवं तीन दिन पहले घरघोड़ा के कुरकुट नदी में दो हाथी शावक के शव मिलने के मामले में भारतीय युवा कांग्रेस ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उच्चतरीय जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग के संबंध में जिला कलेक्टर को आज ज्ञापन सौंपा है।

भारतीय युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष उस्मान बेग में अपने ज्ञापन के माध्यम से कहा है कि घरघोड़ा क्षेत्र के कुरकुट नदी में दो हाथियों के शावकों की शव मिलने की घटना अत्यंत गंभीर है। विगत कई वर्षो से रायगढ़ जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में करंट लगने, अवैध

फेसिंग, असुरक्षित एवं ढीले विद्युत तार, पानी में डूबने के अलावा संदिग्ध परिस्थितियों में कई हाथियों की मौत हो चुकी है। लगातार इस तरह की घटनाएं यह दर्शाता है कि हाथियों की सुरक्षा, निगरानी और संरक्षण में वन विभाग के द्वारा गंभीरता नही बरती जा रही है।

भारतीय युवा कांग्रेस का यह भी कहना है कि हाथी देश का अत्यंत संरक्षित वन्यजीव है। जिसकी सुरक्षा के लिये वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के अंतर्गत कठोर कानूनी प्रावधान है। इसके बावजूद लगातार हाथियों की मौत होना अत्यंत चिंताजनक है।

समय रहते इस विषय पर ठोस एवं प्रभावी कदम नही उठाये गए तो आने वाले समय में इस तरह की घटनाओं में और अधिक वृद्धि होनें की आशंका है। भारतीय युवा कांग्रेस ने अपनी पांच सूत्रीय मांग के संबंध में जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपते हुए कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

एनएचएम संघ ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात कैशलेस सुविधा एवं लंबित मांगों पर हुई विस्तृत चर्चा

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ के प्रदेश प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से उनके विधानसभा कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री से भेंट के पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री से भी विशेष मुलाकात कर कर्मचारियों की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में एनएचएम कर्मचारियों की अहम कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने का पुरजोर आग्रह किया। प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारी सुशासन की सरकार कर्मचारियों के हितों के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। मोदी की गारंटी के तहत हर वर्ग की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि एनएचएम कर्मचारियों की सभी जायज मांगों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर बना समाधान का मंच

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

तमनार में आयोजित जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आम नागरिकों के लिए समाधान का प्रभावी मंच बनकर सामने आया। यहां लोग केवल आवेदन लेकर ही नहीं, बल्कि उम्मीद और विश्वास के साथ पहुंचे थे। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एक ही मंच पर उपस्थित रहे और आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। योजनाओं का लाभ मिलने पर हितग्राहियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

शिविर में कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी स्वयं पहुंचे और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का

निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से परीक्षण कर उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को शीघ्र राहत मिल सके। शिविर में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और आमजनों से आवेदन प्राप्त किए गए। बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं के समाधान और विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए शिविर में पहुंचे।

पीएम आवास निर्माण में लापरवाही

दो पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आवास निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने के मामले में सीईओ जिला पंचायत के निर्देश पर जनपद पंचायत लैलूंगा के ग्राम पंचायत चिराईखार के पंचायत सचिव श्याम लाल सिदार एवं ग्राम पंचायत बैस्कीमुड़ा के पंचायत सचिव अशोक कुमार पटेल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत वैस्कीमुड़ा में कुल 131 आवास स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 128 हितग्राहियों को प्रथम किश्त की राशि प्राप्त हो चुकी है। इसके बावजूद अब तक केवल 02 आवास ही पूर्ण हो पाए हैं, जबकि 38 आवास प्लिंथ लेवल तक पहुंचे हैं और 82 आवासों का निर्माण अभी तक प्रारंभ भी नहीं कराया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत चिराईखार में 113 आवास स्वीकृत किए गए थे, जिनमें से 107 हितग्राहियों को प्रथम किश्त की राशि मिल चुकी है। इसके बावजूद अब तक एक भी आवास पूर्ण नहीं हुआ है, 16 आवास प्लिंथ लेवल तक हैं और 87 आवासों का निर्माण कार्य शुरू ही नहीं कराया गया है। अधूरे और अप्रारंभ आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के लिए संबंधितों को कई बार निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। निरीक्षण के दौरान उच्चाधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार करने और अपने पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के कारण प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। इस संबंध में पंचायत सेवा (आचरण) नियम 1998 के नियम 3 के उपनियम (1) (एक), (दो) एवं (तीन) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में निर्देश दिए गए हैं कि प्राप्ति के तीन निर्धारित समय-सीमा में जवाब एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई है, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित ग्राम पंचायत सचिव की होगी।

जुआ कार्रवाई, दो पुलिसकर्मी लाइन अटैच

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह को बीते 11 मार्च को चौकी रैरूमाखुर्द क्षेत्र के बरपाली जंगल में जुआ खेले जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। इस संबंध में उनके द्वारा चौकी प्रभारी रैरूमाखुर्द एएसआई बृज किशोर गिरी से जानकारी ली गई, लेकिन उनके द्वारा मामले की स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने नाराजगी जताई और रक्षित केंद्र, थाना घरघोड़ा तथा रैरूमाखुर्द पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर तत्काल जुआ रेड कराई। कार्रवाई के दौरान चार जुआरियों को मौके से गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से 5 मोटरसाइकिल, 3 मोबाइल फोन और 10,600 नगद जप्त किया गया। आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

एएसआई बृज किशोर गिरी तथा बीट के प्रधान आरक्षक लक्ष्मी का अभाव तथा पदीय कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही पाए जाने पर द्वारा दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से लाइन अटैच कर दिया गया है।

ओडिशा का गांजा तस्कर गिरफ्तार

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन तलाश के तहत थाना तमनार पुलिस को फरार गांजा सप्लायर को पकड़ने में बड़ी सफलता मिली है।

जानकारी अनुसार 17 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति एक नीले रंग की डीलक्स मोटरसाइकिल से अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर टपरिया-हमीरपुर बॉर्डर से धौराभांठा की ओर जा रहे हैं। सूचना पर थाना तमनार

पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों मनोज कुमार प्रधान, (42), निवासी ग्राम गाला थाना पत्थलगांव जिला जशपुर, संजय कुमार देहरी (36), निवासी ग्राम गाला थाना पत्थलगांव जिला जशपुर को पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 1.150 किलोग्राम गांजा (कीमत लगभग 9200 रुपये), दो मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जप्त की थी। प्रकरण में थाना तमनार में धारा 20(बी) छक्क् एक्ट के तहत मामला दर्ज कर था। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने गांजा सप्लायर का मोबाइल नंबर बताया। मोबाइल डिटेल के आधार पर पुलिस ने की, जो टपरिया थाना हिमगीर जिला सुंदरगढ़ (ओडिशा) का निवासी है।

इसके बाद थाना प्रभारी तमनार निरीक्षक प्रशांत राव और उनकी टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को सुंदरगढ़ (ओडिशा) से गिरफ्तार किया।

रायगढ़ में कांग्रेस की बैठक, 25 तक बूथ-पंचायत-वार्ड कमेटी गठन के निर्देश

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिला कांग्रेस कमेटी रायगढ़ ग्रामीण द्वारा 12 मार्च गुरुवार को दोपहर 3 बजे जिला मुख्यालय स्थित कांग्रेस भवन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नगेंद्र नेगी के मार्गदर्शन में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से बूथ, पंचायत एवं वार्ड कमेटियों के गठन तथा बीएलए की नियुक्ति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता तारेन्द्र डनसेना ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा निर्देश पर प्रदेश के सभी जिला में बुथ स्तर से लेकर जिला तक कांग्रेस पार्टी के द्वारा संगठन सृजन अभियान में संगठन का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश के सभी जिला के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लिए प्रभारी बनाया गया है। जिसमें रायगढ़ जिला कांग्रेस ग्रामीण के लिए बिलाईगढ़ के पूर्व विधायक चंद्रदेव राय को प्रभारी बनाया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के बैठक लेने पहुंचे प्रभारी एवं बिलाईगढ़ के पूर्व विधायक चंद्रदेव राय का कांग्रेस भवन पहुंचने पर उनका कार्यकर्ताओं के द्वारा गर्मजोशी के साथ जोरदार बैठक को संबोधित करते हुए चंद्रदेव राय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की ताकत बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से ही बनती है। उन्होंने सभी ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्षों को निर्देशित किया कि 25 मार्च तक गठन कर संबंधित प्रपत्र जिला कांग्रेस कमेटी में जमा कराएं, ताकि संगठनात्मक ढांचे को और अधिक प्रभावी और सक्रिय रूप से बनाया जा सके। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष नगेन्द्र नेगी ने भी जिले के सभी ब्लॉक एवं मंडल अध्यक्षों को निर्धारित समय सीमा के अंदर कमेटियों का गठन करने तथा जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका महत्वपूर्ण है, और सभी को मिलकर संगठन को सशक्त बनाना होगा।

अवैध शराब संग दो आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

एसएसपी रायगढ़ शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन आघात के तहत 12 मार्च को थाना कोतवाली और कोतरारोड क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ तीन अलग-अलग कार्रवाई की गई और 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सफेद रंग की एक्टिवा में दो व्यक्ति अवैध शराब लेकर स्टेशन की ओर से कालीबाड़ी की तरफ आ रहे हैं। सूचना पर कालीबाड़ी मस्जिद के पास घेराबंदी कर वाहन को रोका गया। पूछताछ कमलेश महिष (23), दोनों निवासी ग्राम धनागर जिला रायगढ़ बताया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 34 पाव देशी प्लेन शराब, 20 पाव अंग्रेजी शराब (कुल 54 पाव लगभग 9.720 बल्क लीटर) तथा शराब परिवहन में प्रयुक्त होंडा एक्टिवा वाहन जब्त किया गया। दोनों आरोपियों को आबकारी एक्ट की कार्यवाही में गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

केलो नदी के उद्गम स्थल को पर्यटन के रूप में किया जाएगा विकसित

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

/ कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने लैलूंगा विकासखंड अंतर्गत केलो नदी के उद्गम स्थल पहाड़ लुड़ेग तथा खम्हार पाकुट जलाशय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन संभावनाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ग्राम पहाड़ लुड़ेग में केलो नदी के उद्गम स्थल के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर चतुर्वेदी ने स्थानीय ग्रामीणों से चर्चा कर नदी के इतिहास और उद्गम स्थल से जुड़ी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह स्थल प्राकृतिक और

सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे सुरक्षित और संरक्षित रखने के साथ-साथ पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। ग्रामीणों की मांग पर कलेक्टर ने लैलूंगा से पहाड़ लुड़ेग तक सड़क निर्माण की आवश्यकता पर भी विचार करने का आश्वासन दिया। साथ ही ग्राम पंचायत पहाड़ लुड़ेग को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित करने के संबंध में भी सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। कलेक्टर ने ग्रामीणों से अपेक्षा की कि केलो नदी के उद्गम स्थल को सुरक्षित और संरक्षित बनाए रखने में वे सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि गांव के समग्र विकास और उद्गम स्थल के संरक्षण के लिए ग्रामीण अपने सुझाव 15 दिनों के भीतर प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि उन्हें आगामी योजनाओं में शामिल किया जा सके। कलेक्टर ने ग्राम पंचायत जाम बहार स्थित खम्हार पाकुट जलाशय योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जल संसाधन संभाग धरमजयगढ़ के कार्यपालन अभियंता तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान खम्हार पाकुट जलाशय में आदिवासी मत्स्य समिति लैलूंगा द्वारा किए जा रहे मछली पालन कार्य की सराहना करते हुए उत्पादन को और बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर कराने हेतु जल संसाधन संभाग धरमजयगढ़ के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया गया, ताकि भविष्य में इस क्षेत्र को आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा सके।

डीएमएफ मद से लैलूंगा क्षेत्र में रागी की खेती को दिया जा रहा बढ़ावा, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

जिले में मोटे अनाज की खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लैलूंगा विकासखंड में डीएमएफ के सहयोग से रागी की खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने विकासखंड लैलूंगा के सलखिया स्थित गुरुकुल आश्रम का भ्रमण कर वहां संचालित रागी की खेती का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों द्वारा अपनाई जा रही जैविक खेती की पद्धति और तकनीकी प्रबंधन की जानकारी ली।

लैलूंगा विकासखंड में डीएमएफ के सहयोग से लगभग 50 किसान इस वर्ष रागी की खेती कर रहे हैं। किसान पूरी तरह जैविक तरीके से खेती करते हुए आधुनिक तकनीकों को अपना रहे हैं। किसानों को रागी उत्पादन की उन्नत तकनीकों की जानकारी देने के लिए छत्तीसगढ़ के रागी विशेषज्ञ श्री जैकब के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे खेती को अधिक वैज्ञानिक और लाभकारी बनाया जा सके। सलखिया क्षेत्र में ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर रागी की विशेष ऑर्गेनिक खेती कराई जा रही है। इस फसल की विशेषता यह है कि इसमें किसी भी प्रकार के रासायनिक खाद या कीटनाशक का उपयोग नहीं किया गया है और पूरी तरह जैविक पद्धति अपनाई गई है। किसानों को मास्टर ट्रेनर के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, ताकि रागी की खेती को बेहतर तरीके से किया जा सके।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, सोमवार 16 मार्च 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने मध्य प्रदेश के गुना जिले के उमरी गांव में "समृद्ध ग्राम फिजिटल सेवाएं" पहल के अंतर्गत समृद्धि केंद्र का उद्घाटन किया

- यह पहल भारतनेट कनेक्टिविटी को ग्रामीण सेवा वितरण के एकीकृत मंच में बदलने का लक्ष्य रखती है
- समृद्धि केंद्र, दूरसंचार विभाग की "समृद्ध ग्राम फिजिटल सेवाएं पायलट पहल" का हिस्सा है

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने दूरसंचार विभाग की "समृद्ध ग्राम फिजिटल सेवाएं" पायलट पहल के अंतर्गत मध्य प्रदेश के गुना जिले के उमरी गांव में एकीकृत फिजिटल (भौतिक + डिजिटल) सेवा केंद्र समृद्धि केंद्र का उद्घाटन किया।

यह पहल भारतनेट के तहत निर्मित उच्च गति ब्रॉडबैंड अवसंरचना का उपयोग करते हुए डिजिटल कनेक्टिविटी को ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक-केंद्रित सेवाओं की एकीकृत आपूर्ति के मंच में परिवर्तित करने का प्रयास करती है।

समृद्धि केंद्र की परिकल्पना एक सिंगल-विंडो ग्रामीण सेवा केंद्र के रूप में की गई है, जहाँ स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, कृषि, वित्तीय सेवाएं, ई-गवर्नेंस सहायता, उद्यमिता प्रोत्साहन तथा डिजिटल कनेक्टिविटी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

कनेक्टिविटी से ग्रामीण सशक्तिकरण की ओर

इस अवसर पर सिंधिया ने कहा, "गुना के उमरी में समृद्ध ग्राम पहल के शुभारंभ के साथ हम दुनिया को उमरी तक ला रहे हैं। शिक्षा और कृषि से लेकर स्वास्थ्य तथा सरकारी सेवाओं तक, प्रौद्योगिकी हमारे नागरिकों के हाथों में नए अवसर सीधे पहुंचा रही है।"

पहल के लाभों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, "डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किसानों को मिट्टी की नमी, पोषक तत्वों तथा फसल के स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी प्राप्त होगी, जिससे कृषि अधिक स्मार्ट और उत्पादक बनेगी। छात्रों को आधुनिक शिक्षण संसाधनों तक पहुंच मिलेगी। उमरी के नागरिकों को यहीं पर जांच सुविधाएं तथा दिल्ली और अन्य राज्यों के चिकित्सकों से टेली-परामर्श के माध्यम से त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। रक्त परीक्षण रिपोर्ट 30 मिनट से भी कम समय में प्राप्त की जा सकेगी। प्रमाणपत्रों से लेकर ई-बैंकिंग तक आवश्यक सरकारी सेवाएं अब समृद्ध ग्राम के भीतर ही उपलब्ध होंगी। यह वास्तव में 'भविष्य का कार्यक्रम' है, जो यह सुनिश्चित करता है कि विकास की गति हर गांव और हर नागरिक तक पहुंचे।"

मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारतनेट के माध्यम से देश में विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण ब्रॉडबैंड अवसंरचनाओं में से एक का निर्माण हुआ है। भारत के डिजिटल परिवर्तन के अगले चरण में इस कनेक्टिविटी का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि गांवों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके।

माननीय मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एकीकृत फिजिटल सेवा केंद्र ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, वित्तीय तथा ई-गवर्नेंस सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना को साकार करने में सहायक होगा। उन्होंने आगे कहा कि समृद्ध ग्राम पहल केवल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने तक सीमित न रहकर, ग्रामीण भारत में एकीकृत डिजिटल सेवा वितरण तंत्र विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है।

सिंधिया ने यह भी कहा कि इस प्रकार के फिजिटल सेवा केंद्र डिजिटल समावेशन, ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने, सरकारी सेवाओं तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने, अंतिम छोर तक सेवा वितरण को सुदृढ़ करने तथा स्थानीय रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

समृद्धि केंद्र में उपलब्ध सेवाएं

उमरी (गुना) स्थित समृद्धि केंद्र में विभिन्न प्रकार की एकीकृत सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिनमें टेलीमेडिसिन परामर्श, बुनियादी स्वास्थ्य जांच के लिए हेल्थ एटीएम तथा प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना के माध्यम से किफायती दवाओं की उपलब्धता शामिल है।

केंद्र में शिक्षा एवं कौशल विकास के लिए स्मार्ट क्लासरूम अवसंरचना, डिजिटल लर्निंग सुविधाएं, राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान द्वारा समर्थित डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल विकास कार्यक्रम उपलब्ध होंगे।

कृषि संबंधी सेवाओं के अंतर्गत मिट्टी परीक्षण सहायता, कृषि परामर्श सेवाएं, आधुनिक खेती की तकनीकों तक पहुंच तथा ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे क्षेत्र के किसानों को लाभ मिलेगा।

केंद्र के माध्यम से ई-गवर्नेंस सेवाओं तक सहायक पहुंच भी उपलब्ध होगी, जिसमें सरकारी योजनाओं की जानकारी, प्रमाणपत्र जारी करना, डिजिटल दस्तावेजीकरण तथा ऑनलाइन नागरिक सेवाओं में सहायता शामिल है।

वित्तीय और डिजिटल सेवाओं के अंतर्गत बैंकिंग एवं डिजिटल भुगतान सेवाएं, वित्तीय साक्षरता सहायता तथा ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों तक सहायक पहुंच प्रदान की जाएगी।

कनेक्टिविटी सेवाएं भारतनेट समर्थित उच्च गति एफटीटीएच (FTTH) ब्रॉडबैंड तथा पीएम-वाणी ढांचे के अंतर्गत सार्वजनिक वाई-फाई के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही हैं।

समृद्धि केंद्र के माध्यम से समुदाय सुरक्षा के लिए डिजिटल निगरानी तथा सरकारी जनसंपर्क शिविरों एवं सेवा वितरण कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग भी प्रदान किया जाएगा।

समुदाय आधारित और सतत मॉडल

यह केंद्र समुदाय आधारित मॉडल पर संचालित होगा, जिसमें प्रशिक्षित स्थानीय युवा विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर (VLE) के रूप में कार्य करेंगे। इससे ग्रामीण रोजगार को प्रोत्साहन मिलेगा तथा पहल की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित होगी। इस पहल का क्रियान्वयन दूरसंचार विभाग द्वारा डिजिटल एम्पावरमेंट फाउंडेशन के साथ साझेदारी में किया जा रहा है। यह संस्था क्षेत्रीय संचालन तथा सामुदायिक सहभागिता के लिए सहयोगी भागीदार के रूप में कार्य करते हुए स्थानीय भागीदारी, क्षमता निर्माण तथा संचालन प्रबंधन में सहयोग प्रदान कर रही है। इस मॉडल में सेवा वितरण से प्राप्त राजस्व, सामुदायिक सहभागिता, डिजिटल उद्यमिता तथा विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के साथ समन्वय के माध्यम से एक सतत (टिकाऊ) व्यवस्था को शामिल करता है।

अपेक्षित प्रभाव

समृद्धि केंद्र से उमरी तथा आसपास के गांवों के निवासियों को स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्राप्त होगी। इसके साथ ही डिजिटल शिक्षा एवं कौशल विकास के अवसर उपलब्ध होंगे, किसानों को आधुनिक कृषि सेवाओं का लाभ मिलेगा, डिजिटल तथा वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर सृजित होंगे।

यह पहल एकीकृत सेवा वितरण के माध्यम से आसपास के क्षेत्र के हजारों ग्रामीण नागरिकों को लाभान्वित करने की अपेक्षा रखती है और यह दर्शाती है कि किस प्रकार डिजिटल अवसंरचना का उपयोग समावेशी ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है।

थाईलैंड ने 284 टन अवैध ई-वेस्ट किया जब्त, वापस अमेरिका भेजने की तैयारी

- थाईलैंड ने 284 टन अवैध ई-कचरा जब्त किया।
- यह खेप अमेरिका से गैर-कानूनी तरीके से आयात की गई थी।
- जब्त ई-कचरा वापस अमेरिका भेजा जाएगा।

नई दिल्ली। थाईलैंड गैर-कानूनी तरीके से आयात किए गए इलेक्ट्रॉनिक कचरे की एक बड़ी खेप को अमेरिका वापस भेजने की तैयारी कर रहा है। अधिकारियों ने इस खेप को लेम चाबांग बंदरगाह पर जब्त किया था। लगभग 284 टन वजन वाली इस खेप को डिपार्टमेंट ऑफ स्पेशल इन्वेस्टिगेशन (DSI) कस्टम अधिकारियों और प्रदूषण नियंत्रण विभाग के अधिकारियों द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद जब्त कर लिया गया।

वापस अमेरिका भेजे जाएंगे कंटेनर

उप-प्रधानमंत्री सुचार्ट चॉमक्लिन ने पुष्टि की कि इस ऑपरेशन के दौरान लगभग 285,000 किलोग्राम ई-कचरा ले जा रहे 12 शिपिंग कंटेनर जब्त किए गए और उन्हें वापस अमेरिका भेज दिया जाएगा।

ई-वेस्ट को तस्करों ने बताया स्क्रैप मेटल

कस्टम विभाग के डायरेक्टर-जनरल फानथोंग लोयसाकुनानोन ने बताया कि यह घटना डीएसआई की एक कड़ी जांच के बाद सामने आई, जिसमें टीम को तस्करी के तरीकों का पता चला। खतरनाक इलेक्ट्रॉनिक कचरे को हैती से आया हुआ स्क्रैप मेटल बताकर तस्करों ने कस्टम अधिकारियों को धोखा देने की कोशिश की।

जेमिनी ने बताया कि 100 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए थाई अधिकारी अब 714 अतिरिक्त कंटेनरों पर नजर रख रहे हैं, जो इस समय रास्ते में हैं।

एनएचएआई वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1 अप्रैल 2026 से फास्टैग वार्षिक पास शुल्क में संशोधन करेगा

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए फास्टैग वार्षिक पास की लागू फीस को मौजूदा 3,000 रुपये से बढ़ाकर 3,075 रुपये करने की घोषणा की है। बढ़ी हुई फीस 1 अप्रैल 2026 से लागू होगी। फीस में यह संशोधन राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण एवं संग्रह) नियम, 2008 के प्रावधानों के अनुसार किया गया है। 56 लाख से अधिक उपयोगकर्ताओं के साथ, निजी वाहन मालिकों के बीच फास्टैग वार्षिक पास का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है।

संशोधित दर वैध फास्टैग वाले पात्र गैर-व्यावसायिक वाहनों पर लागू होगी, जो राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर लगभग 1,150 टोल प्लाजा पर वार्षिक पास सुविधा का लाभ उठाना चाहते हैं। फास्टैग वार्षिक पास से फास्टैग को बार-बार रिचार्ज करने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। एक बार का शुल्क भुगतान एक वर्ष की वैधता या 200 टोल प्लाजा को पार करने के लिए मान्य होता है। यह पास वैध फास्टैग वाले सभी गैर-व्यावसायिक वाहनों के लिए लागू है।

राजमार्ग यात्रा ऐप या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की वेबसाइट के माध्यम से एकमुश्त शुल्क का भुगतान करने के बाद वाहन से जुड़े मौजूदा फास्टैग पर वार्षिक पास दो घंटे के भीतर सक्रिय हो जाता है।

केन्द्रीय मंत्रियों डॉ. मनसुख मांडविया और एच. डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मांड्या में इनडोर खेल परिसर की आधारशिला रखी

नई दिल्ली। केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शनिवार को कर्नाटक के मांड्या में भारत सरकार की 'खेलो इंडिया' योजना के अंतर्गत स्वीकृत 14 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बहुउद्देश्यीय इनडोर खेल परिसर के लिए भूमि पूजन किया और आधारशिला रखी।

यह नई सुविधा मांड्या के वीसी फार्म स्थित कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित की जा रही है। आधारशिला रखते हुए, दोनों मंत्रियों ने जिले के युवाओं से "खेलो इंडिया! वाइब्रेंट मांड्या!" के नारे के अनुरूप मांड्या में खेल संस्कृति को सुदृढ़ करने और इस क्षेत्र से अधिक-से-अधिक चैंपियन खिलाड़ी तैयार करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर, दोनों केन्द्रीय मंत्रियों ने शिलान्यास कार्यक्रम के विधि-विधानों में भाग लिया। पूर्व मंत्री सी.एस. पुट्टाराजू, मेलुकोटे के विधायक दर्शन पुट्टन्नैया, के.आर. पेटे के विधायक मंजूनाथ, तथा कई जन प्रतिनिधि और जिले के वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

खेल उपलब्धियों के लिए मांड्या की सराहना

मंच कार्यक्रम के दौरान सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया पहल केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को पुनर्जीवित करना और भारत को एक अग्रणी खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है।

केन्द्रीय खेल मंत्री ने कहा कि मांड्या में इस सुव्यवस्थित खेल परिसर की स्थापना उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी और एनडीए नेता एच. डी. कुमारस्वामी के प्रयासों से संभव हो पाया है।

कुमारस्वामी को संबोधित करते हुए मांडविया ने कहा कि लोगों द्वारा दिखाया गया स्नेह उनके द्वारा किए गए कार्यों को दर्शाता है।

उन्होंने दिव्यांगजनों के प्रति कुमारस्वामी की करुणा और प्रतिबद्धता की भी सराहना की। मांडविया ने कहा कि उन्होंने स्वयं दिव्यांगजनों के प्रति कुमारस्वामी की चिंता को देखा है और इलेक्ट्रिक वाहनों के वितरण की इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास न सिर्फ दिव्यांगजनों के उनके दैनिक जीवन को सुगम बनाने में सहायक होते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी सकारात्मक योगदान देते हैं।

मांडविया ने आगे कहा कि मांड्या ने कई ऐसे खिलाड़ी दिए है जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न सिर्फ राज्य बल्कि देश का भी नाम भी रोशन किया है। उन्होंने विकास गौड़ा और के.पी. शिल्पा जैसे खिलाड़ियों का उल्लेख किया, जिन्होंने मांड्या की प्रतिष्ठा को और बढ़ाया है।

विशेष रूप से उन्होंने व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी के.पी. शिल्पा का उल्लेख किया, जो वर्तमान में भारत की नंबर एक व्हीलचेयर टेनिस खिलाड़ी हैं और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रही हैं।

उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में मांड्या से और अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी उभरकर सामने आएं और खेल के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करें।

केन्द्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले 11 वर्षों में भारत में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक कार्य किया है। उन्होंने बताया कि हालिया केंद्रीय बजट में खेल अवसंरचना को मजबूत करने के लिए 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जबकि एक दशक पहले यह राशि 1,200 करोड़ रुपये थी। इस प्रकार खेल क्षेत्र के लिए आवंटन में तीन गुना से अधिक वृद्धि की गई है।

आदिचुंचनगिरि मठ के पीठाधीश्वर का आशीर्वाद प्राप्त हुआ

आदिचुंचनगिरि महासंस्थान के पीठाधीश्वर जगद्गुरु डॉ. निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और अपने आशीर्वचन प्रदान किए।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री सी.एस. पुट्टराजू और डी.सी. थम्मन्ना, विधायक मंजुनाथ, पूर्व विधायक डॉ. के. अन्नादानी, विधान परिषद सदस्य विवेकानंद, मांड्या जिला जेडी(एस) अध्यक्ष रमेश सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति और नेता उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक वाहनों का वितरण

मंच कार्यक्रम के पश्चात 388 दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक वाहनों का वितरण किया गया। ये वाहन टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज(टीसीएस) और स्टील प्राधिकरण ऑफ इंडिया लिमिटेड(सेल) के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व(सीएसआग) पहलों के अंतर्गत प्रदान किए गए।

इसके अलावा, इन्फोसिस द्वारा दिए गए 500-डेस्कटॉप और 100-लैपटॉप सरकारी विद्यालयों को प्रदान किए गए। साथ ही हिंदुजा समूह द्वारा सीएसआर पहल के तहत प्रदान किया गया एक संपूर्ण सुसज्जित एम्बुलेंस मांड्या चिकित्सा विज्ञान संस्थान(एमआईएमएस) को सौंपा गया।

श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय शीत जल मत्स्यपालन सम्मेलन में तकनीकी विचार-विमर्श किया गया और क्षेत्र में नवाचारों पर चर्चा की गई

नई दिल्ली। मत्स्यपालन विभाग ने श्रीनगर स्थित एसकेआईसीसी में शीत जल मत्स्यपालन पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। यह सम्मेलन भारत के शीत जल मत्स्यपालन की क्षमता के सतत रूप से विकास और समृद्धि के लिए दोहन करने पर अपनी तरह का पहला राष्ट्रीय संवाद था।

सम्मेलन के दौरान शीत जल मत्स्यपालन में अत्याधुनिक नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में विभिन्न संस्थानों, सरकारी एजेंसियों, उद्योग जगत के प्रमुखों और प्रगतिशील उद्यमों के 17 प्रदर्शकों ने भाग लिया। इन प्रदर्शकों ने नवीन प्रौद्योगिकियों, गुणवत्तापूर्ण सामग्रियों और सर्वोत्तम प्रणालियों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शकों में राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड; मत्स्यपालन विभाग, जम्मू एवं कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश; एसकेयूएएसटी-जम्मू; नाबार्ड; कश्मीर ट्राउट; के2 एक्वाकल्चर प्राइवेट लिमिटेड; आईसीएआर-केंद्रीय शीतजल मत्स्यपालन अनुसंधान संस्थान; राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम; गरवारे टेक्निकल फाइबर्स लिमिटेड, सिंध; ट्राउट लाइव फिश वेंडिंग सेंटर, गांदरबल; एमकेसी फूड्स, कुपवाड़ा से मत्स्य सेवा केंद्र; साथ ही ग्रोवेल ट्राउट फीड, एबीआईएस ट्राउट फीड, बारामूला से अफ्फरवत ट्राउट और जेके ट्राउट फीड जैसी ट्राउट फीड कंपनियां शामिल थी।

सम्मेलन के दौरान, भारत सरकार के मत्स्यपालन विभाग द्वारा विभिन्न हितधारकों के साथ अनुसंधान और नवाचार, प्रौद्योगिकी अपनाने, अवसंरचना विस्तार, संस्थागत समन्वय और उद्यमिता विकास सहित प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर विचार-विमर्श करने के लिए तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया। सत्रों की अध्यक्षता भारत सरकार के मत्स्यपालन विभाग के केंद्रीय सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने की, जबकि मत्स्यपालन विभाग के संयुक्त सचिव (अंतर्देशीय मत्स्यपालन) सागर मेहरा और आईसीएआर के उप-महानिदेशक (मत्स्यपालन) डॉ. जे.के. जेना सह-अध्यक्ष थे। सत्र में शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों, विशेषज्ञों, उद्यमियों और प्रगतिशील मछली पालक एक साथ आए।

सत्र के दौरान भारत सरकार के मत्स्यपालन विभाग के केंद्रीय सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने उद्यमियों और हितधारकों के साथ बातचीत की और जम्मू एवं कश्मीर तथा अन्य हिमालयी क्षेत्रों में शीत जल मत्स्यपालन की संभावनाओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। यह चर्चा क्षेत्र में विकास के तकनीकी पहलुओं पर केंद्रित रही।

मछली पालकों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, जिनमें रोग परीक्षण प्रयोगशालाओं की आवश्यकता, नियमित रूप से प्रजनन की उपलब्धता, क्षमता विकास की आवश्यकताएं, जलवायु-अनुकूल प्रजनन केंद्रों की उपलब्धता और जल संकट शामिल हैं।

उत्तराखंड की उपलगज्ञ समिति के सचिव प्रवेश बिष्ट ने जल प्रदूषण, बेहतर प्रयोगशाला सहायता और वर्षा के दौरान जलमार्गों में ऑक्सीजन की कमी सहित जमीनी स्तर की चुनौतियों को साझा किया।

खैबर एक्वाकल्चर के कैसर कौनानैन ने उद्यमिता विकास पर चर्चा करते हुए ऊर्ध्वाधर एकीकरण के माध्यम से उद्यमिता को मजबूत करने और उद्यम विस्तार के लिए एफआईडीएफ जैसी योजनाओं तक बेहतर पहुंच के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि शीत जल में मत्स्यपालन का विकास कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता और पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप कुशल उत्पादन और व्यावसायिक मॉडल अपनाने पर निर्भर करता है। हैदराबाद स्थित स्मार्ट ग्रीन एक्वाकल्चर के संस्थापक आदित्य रित्विक नर्रा ने बताया कि व्यावसायिक पैमाने पर अपनाने और तकनीकी नवाचार की कमी के कारण शीत जल मत्स्य उत्पादन सीमित है। चारों सत्रों में विभिन्न हितधारकों ने शीतजल राज्यों में रेनबो ट्राउट के लिए एक बहु-राज्य सहकारी समिति की स्थापना, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने, बीज और प्रजनन सामग्री की उपलब्धता में सुधार करने और रोग जांच एवं जैव सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने की आवश्यकता की आवश्यकता बताई। चर्चाओं में शीतजल राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए निर्यात-स्तरीय पादप स्वच्छता मानकों को पूरा करने हेतु एफएसएसएआई द्वारा अनुमोदित प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन सुविधाओं की आवश्यकता पर बल दिया गया, जो आईक्यूएफ, टनल या ब्लास्ट-फ्रीजिंग प्रणालियों से सुसज्जित हों, साथ ही नुकसान को कम करने के लिए एक मजबूत शीत भंडार गृह श्रृंखला की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

अब सहज हुई यात्रा

पहली बार बस्तर और सरगुजा के
सुदूर गांवों तक पहुंची बस सेवा

S - 46436